नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 01

सोमवार, 16 से 22 फरवरी 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का लोगो, वेबसाइट और न्यूजलेटर लॉन्च 03

अमेरिका-पाकिस्तान के बीच बढ़ती दोस्ती पर जयराम का तंज... 08

NCR समाचार

आस्ट्रेलिया को 17 रनों से हराकर भारतीय महिला टीम ने जीती टी-20 सीरीज 10

युवाओं के करियर में पेरेंट्स की भूमिका 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

सलतान खान ने हिट फिल्मों में क्रेडिट मिलने पर कही बड़ी बात 12

प्रधानमंत्री मोदी ने मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

आज भारत 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान देने वाली ताकत है : पीएम मोदी

मेरठ, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के मेरठ में रविवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए देश को आधुनिक कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे का नया तोहफा दिया। इस अवसर पर पहली बार एक ही मंच से नमो भारत रैपिड रेल और मेट्रो सेवा का एक साथ शुभारंभ किया गया, जिसे विकसित भारत की आधुनिक परिवहन व्यवस्था की झलक बताया गया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शहर के भीतर आवागमन के लिए मेट्रो और ट्विन सिटी विजन को गति देने के लिए नमो भारत जैसी आधुनिक ट्रेन बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस तरह की उन्नत परियोजना उत्तर प्रदेश में साकार हुई है।

उन्होंने कहा कि सरकार की कार्य संस्कृति ऐसी है कि जिस परियोजना का शिलान्यास किया जाता है, उसे पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत की जाती है। यही कारण है कि अब परियोजनाएं पहले की तरह लटकती या भटकती नहीं हैं, बल्कि तय समय पर पूरी हो रही हैं।

प्रधानमंत्री ने पुराने समय का जिक्र करते हुए कहा कि पहले इस पूरे रूट पर शाम होते ही सन्नाटा छा जाता था और डर का माहौल रहता था। अब एक ओर कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, तो दूसरी ओर लोगों को सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा का आधुनिक माध्यम मिला है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि नमो भारत रैपिड रेल नारीशक्ति के सामर्थ्य का भी प्रतीक बनकर उभरी है। ट्रेन संचालन से लेकर स्टेशन नियंत्रण तक कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां बेटियां संभाल रही हैं और नेतृत्व कर रही हैं।

प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत आज मेट्रो नेटवर्क के मामले में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश बन चुका है। उत्तर प्रदेश में मेरठ के अलावा कई अन्य शहरों में भी मेट्रो परियोजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। पिछले 11 वर्षों में देश के दर्जनों शहरों तक मेट्रो पहुंची है, क्योंकि सरकार का लक्ष्य जनता को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि जब कांग्रेस और समाजवादी पार्टी की सरकारें थीं, तब इस तरह की परियोजनाएं संभव नहीं हो पाती थीं। उस समय बुनियादी ढांचे की योजनाएं घोटालों में उलझ जाती थीं, लेकिन वर्तमान सरकार ने घोटालों पर रोक लगाकर देश को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर आगे बढ़ाया है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि सरायकाले खां, आनंद विहार, गाजियाबाद और मेरठ जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भारतीय रेल, मेट्रो और बस अड्डों को आपस में जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि यह देश में पहली बार हो रहा है, जब एक ही स्टेशन और एक ही ट्रैक पर नमो भारत और मेट्रो रेल संचालित होंगी। इसका लाभ यह होगा कि यात्री एक ही प्लेटफॉर्म से शहर के भीतर भी यात्रा कर सकेंगे और उसी स्टेशन से सीधे दिल्ली आ-जा सकेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक परिप्रेक्ष्य में भारत की बढ़ती भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के विकसित देश भारत के साथ व्यापारिक समझौते करने के लिए उत्सुक हैं। विकसित देशों को भारत के विकास में अपना भविष्य दिखाई देता है और भारतीय युवाशक्ति में उन्हें अपार संभावनाएं नजर आती हैं।

उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों का समाधान देने वाली ताकत के रूप में देख रही है। आधुनिक कनेक्टिविटी, मजबूत बुनियादी ढांचा और तेजी से विकसित होती अर्थव्यवस्था भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दे रही है।

दिल्ली में आतंकी साजिश: बांग्लादेशी नागरिक समेत आठ संदिग्ध गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और बांग्लादेश स्थित चरमपंथी संगठनों के इशारे पर दिल्ली में एक बड़ी आतंकी साजिश रचने के आरोप में आठ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि तमिलनाडु के विभिन्न हिस्सों से छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है और उन्हें पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जाएगा। गिरफ्तार किए गए कुछ व्यक्ति बांग्लादेशी नागरिक बताए जा रहे हैं। इससे पहले इसी मामले से संबंधित कार्रवाई के दौरान दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया था। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने यह सूचना दी थी कि पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने कथित तौर पर भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को निशाना बनाने की साजिश रची है, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने शनिवार को यहां लाल किले के पास विस्फोट की आशंका को लेकर अलर्ट जारी किया था। सूत्रों ने बताया कि यह अभियान देश के विभिन्न हिस्सों में विध्वंसक गतिविधियों की योजना बना रहे एक संदिग्ध मॉड्यूल के बारे में मिली विशिष्ट खुफिया जानकारी के बाद चलाया गया था।

तलाशी के दौरान पुलिस ने संदिग्धों के कब्जे से दर्जनों मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किए, जिनकी नेटवर्क के विस्तार और संभावित विदेशी संबंधों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह समूह पाकिस्तान की आईएसआई और बांग्लादेश स्थित कुछ संगठनों से जुड़े लोगों के संपर्क में था।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियां जांच में मदद कर रही हैं।

सूत्रों के अनुसार, खुफिया एजेंसियों ने संकेत दिया था कि लश्कर-ए-तैयबा 'इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस' (आईईडी) से हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकता है। यह कथित योजना आतंकी समूह द्वारा छह फरवरी को पाकिस्तान के इस्लामाबाद में एक मस्जिद में हुए विस्फोट का बदला लेने के प्रयासों से जुड़ी है। सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी अलर्ट 10 नवंबर, 2025 को ऐतिहासिक लाल किले के पास हुए घातक कार विस्फोट की पृष्ठभूमि में जारी किया गया, जिसमें कम से कम 13 लोग मारे गए और 20 से अधिक लोग घायल हो गए थे।

यह धमाका तब हुआ जब लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के पास विस्फोटकों से भरी एक कार में विस्फोट हो गया, जिससे आसपास खड़ी कई गाड़ियां जल गईं और घनी आबादी वाले इलाके में दहशत फैल गई।

एक नजर

अंगदान को लेकर भारत में लगातार जागरूकता बढ रही है-मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि इन दिनों भारत में अंगदान को लेकर जागरूकता लगातार बढ़ रही है और इससे उन लोगों की मदद हो रही है जिन्हें इसकी जरूरत है तथा इसके साथ ही देश में चिकित्सा शोध को भी बल मिल रहा है।

श्री मोदी ने अपने मासिक कार्यक्रम "मन की बात" में आज कहा कि किसी भी माता-पिता के लिए अपने बच्चे को खोने से बड़ा दुःख कुछ और हो ही नहीं सकता। छोटे से बच्चे को खोने का दुख तो और भी गहरा होता है। कुछ ही दिन पहले हमने केरल की एक नन्ही मासूम आलिन शेरिन अब्राहम को खो दिया है। महज 10 महीनों में वो इस दुनिया से चली गई। कल्पना कीजिए- उसके सामने पूरी जिंदगी थी, जो अचानक खत्म हो गई। कितने ही सपने और खुशियां अधूरी रह गई। उसके अभिभावक जिस पीड़ा से गुजर रहे होंगे, उसे शब्दों से व्यक्त नहीं किया जा सकता है। लेकिन इतने गहरे दर्द के बीच भी आलिन के पिता अरुण अब्राहम और माँ शेरिन ने एक ऐसा फैसला लिया, जिससे हर देशवासी का हृदय उनके प्रति सम्मान से भर गया है। उन्होंने आलिन के अंगदान का फैसला किया। इस एक फैसले से पता चलता है कि उनकी सोच कितनी बड़ी है और व्यक्तित्व कितना विशाल। एक तरफ वे अपनी बच्ची को खोने के शोक में डूबे थे, तो वहीं दूसरों की मदद का भाव भी उनमें भरा था। वे चाहते थे कि किसी भी परिवार को ऐसा दिन देखना ना पड़े। आलिन शेरिन अब्राहम आज हमारे बीच नहीं है, लेकिन उसका नाम देश के कम उम्र की अंगदान में जुड़ गया है।

वाजपेई की 'राजधर्म' के प्रति निष्ठा ने उन्हें देश का सबसे समावेशी नेता बनाया: एम एम जोशी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने शनिवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई एकमात्र ऐसे समावेशी नेता थे, जो अपने राज धर्म और संगठन धर्म का पालन करते हुए पूरे देश को एकजुट करने और उसे आगे बढ़ाने में सक्षम रहे। वाजपेई के जीवन पर आधारित एक कॉफी टेबल पुस्तिका के विमोचन के अवसर पर जोशी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री ने इंसानियत, जम्हूरियत, कश्मीरियत का मंत्र दिया, जिसका अर्थ है मानवता, लोकतंत्र और कश्मीर की सांस्कृतिक पहचान का संरक्षण, और यह एक समृद्ध लोकतंत्र की नींव है। जोशी ने कहा, कश्मीरियत का अर्थ है देश का राष्ट्रीय चरित्र और पहचान। जम्हूरियत का अर्थ है लोकतंत्र, और तीसरा है इंसानियत। उन्होंने जीवन के लिए यही मंत्र दिया। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक ये सिद्धांत कायम रहेंगे, भारत और उसका लोकतंत्र फलता-फूलता रहेगा। जोशी ने कहा कि वाजपेई के भाजपा अध्यक्ष के रूप में तथा प्रधानमंत्री के कार्यकाल में एक भी ऐसा उदाहरण नहीं मिलता जब उन्होंने राज धर्म, संगठन धर्म या गठबंधन धर्म का पालन न किया हो।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता 'डील' नहीं 'दबाव' : जयराम रमेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर केंद्र सरकार पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि संतुलित समझौते का मतलब 'लेना और देना' होता है, लेकिन जब केवल दिया जाए और बदले में बहुत कम मिले, तो उसे समझौता नहीं बल्कि दबाव कहा जाएगा।

जयराम रमेश ने कहा कि वे किसी तरह का आरोप नहीं लगा रहे, बल्कि तथ्यों के आधार पर बात कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे भी तथ्यों के आधार पर ही सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने पूछा कि आखिर किसान संगठन और किसान इस समझौते को लेकर चिंतित क्यों हैं।

जयराम रमेश ने अमेरिका की व्यापार नीति का उदाहरण देते हुए कहा कि डोनाल्ड ट्रंप समय-समय पर टैरिफ में बदलाव करते रहते हैं, तो भारत ऐसा क्यों नहीं करता? उनके अनुसार यदि कोई समझौता होता है तो वह बराबरी के आधार पर होना चाहिए, लेकिन इस समझौते में भारत की ओर से अधिक रियायतें दी गई हैं, जबकि बदले में बहुत कम लाभ मिला है।

कांग्रेस राज्यसभा सदस्य ने चेतावनी दी कि इस समझौते का प्रभाव आने वाले महीनों में दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि आयात को अधिक उदार बनाया जा रहा है और आयात शुल्क कम किए जा रहे हैं। उनके अनुसार स्थिति ऐसी बन रही है कि अभी आयात बढ़ेगा, जबकि निर्यात का लाभ लंबे समय बाद मिल सकता है। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में देश के हित कैसे सुरक्षित रहेंगे। संसद के कामकाज पर भी जयराम रमेश ने केंद्र सरकार की आलोचना की।

6 राज्यों में पूरा हुआ एसआईआर का काम

गुजरात में सबसे अधिक 68 लाख नाम काटे गए

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत निर्वाचन आयोग ने देश के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। शनिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूचियों में अभूतपूर्व बदलाव दर्ज किए गए हैं, जिसके तहत लाखों की संख्या में अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। आयोग की इस कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य चुनावी प्रक्रिया की शुचिता सुनिश्चित करना और फर्जी या दोहरे मतदान की संभावनाओं को पूरी तरह समाप्त करना है। इस विशेष अभियान के बाद जारी आंकड़े बताते हैं कि मतदाता सूचियों से अपात्र नामों को हटाने के बाद कई राज्यों की कुल मतदाता संख्या में बड़ी कमी आई है।

पुनरीक्षण के इन आंकड़ों में सबसे चौंकाने वाली गिरावट गुजरात में देखी गई है, जहां निर्वाचन आयोग ने कुल 68,12,711 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए हैं। इस प्रक्रिया से पहले गुजरात में कुल मतदाताओं की संख्या 5,08,43,436 थी, जो अब घटकर 4,40,30,725 रह गई है। यह राज्य की कुल मतदाता संख्या में 13.40 प्रतिशत की भारी गिरावट को दशार्ता है। गुजरात के बाद मध्य प्रदेश में भी मतदाता सूची में बड़ी शुद्धि की गई है, जहां 34,25,078 नाम हटाए गए। इसके परिणामस्वरूप मध्य प्रदेश में मतदाताओं की संख्या 5,74,06,143 से कम होकर अब 5,39,81,065 (-5.97 प्रतिशत) पर आ गई है। इसी तरह राजस्थान में 31,36,286 नाम काटे गए, जिससे वहां मतदाताओं की संख्या 5.46 करोड़ से घटकर 5.15 करोड़ रह गई है।

अन्य राज्यों की बात करें तो छत्तीसगढ़ में मतदाता सूची 2,12,30,737 से घटकर 1,87,30,914 रह गई है, यहाँ कुल 24,99,823 नामों की कटौती हुई है। दक्षिण भारतीय राज्य केरल में सूची से 8,97,211 नाम हटाए गए हैं, जिसके बाद अब वहां कुल मतदाताओं की संख्या 2,69,53,644 है। गोवा में भी मतदाताओं की संख्या में 1,27,468 की गिरावट दर्ज की गई है। केंद्र शासित प्रदेशों में भी इसी तरह की सक्रियता देखी गई। पुडुचेरी में 77,367, अंडमान और निकोबार में 52,364 जबकि लक्षद्वीप में सबसे कम केवल 206 नामों में बदलाव हुआ है। चुनाव अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े नेट चेंज को दशार्ते हैं, जिसमें हटाए गए अपात्र नामों में से नए जुड़े पात्र मतदाताओं की संख्या को घटाया गया है। नाम हटाने के प्राथमिक कारणों में मतदाता की मृत्यु, स्थाई स्थानांतरण, एक से अधिक स्थानों पर पंजीकरण और अन्य पात्रता संबंधी मुद्दे शामिल हैं।

1 अप्रैल से नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर नहीं होगा नकद लेनदेन!

सरकार हाईवे पर टोल टैक्स वसूलने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की कर रही तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल हाईवे पर सफर करने वालों के लिए सरकार 1 अप्रैल से नेशनल हाईवे के टोल प्लाजा पर नकद लेनदेन को पूरी तरह से खत्म करने जा रही है। सरकार हाईवे पर टोल टैक्स वसूलने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाने की तैयारी कर रही है। ऐसे में आने वाले समय में टोल प्लाजा पर पेमेंट के लिए फास्टैग और यूपीआई जैसे डिजिटल मोड पर निर्भर रहना पड़े। वर्तमान में नियमों के मुताबिक अगर आपकी गाड़ी के पास वैलिड फास्टैग नहीं है या काम नहीं कर रहा है, तो रेगुलर टोल का दोगुना चार्ज वसूला जाता है। वहीं, जो लोग यूपीआई से पेमेंट करना चुनते हैं, उनसे उनकी गाड़ी की कैटेगरी के हिसाब से टोल टैक्स का 1.25 गुना भुगतान करना होता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक अधिकारी ने बताया कि यूपीआई से पेमेंट नवंबर में कैश पेमेंट को कम करने के एक विकल्प के तौर पर शुरू किया गया था, जो तब टोटल टोल कलेक्शन का करीब 2 फीसदी था। अब तक कैश पेमेंट में करीब 1 फीसदी की गिरावट आई है, जो कुछ महीने पहले कैश में जमा होने वाले पेमेंट का आधा है। सभी टोल प्लाजा पर पेमेंट करने के लिए यूपीआई सिस्टम है। एक रिपोर्ट के हवाले से यह पता चला है कि सरकार ओवरलोडिंग के लिए पेनल्टी के मुद्दे को सुलझाने पर भी काम कर रही है, जो अभी ज्यादातर कैश में दिए जाते हैं। कैशलेस ओवरलोडिंग पेनल्टी पेमेंट को सही और आसान बनाने के लिए एक प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है।

एनएचएआई ने कहा कि प्रस्तावित उपाय का मकसद इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन में मिले फायदों को मजबूत करना और फीस प्लाजा ऑपरेशन की एफिशिएंसी और भरोसे को मजबूत करना है।

सरकार के इस नियम का मकसद हाईवे पर जाम और लंबी कतारों से यूजर्स को निजात दिलाना है। कई बार कैश पेमेंट में वक्त ज्यादा लग जाता है क्योंकि पैसे के लेनदेन, छुट्टा देने या लेने में, रसीद काटने में काफी समय लगता है। ऐसे में टोल पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती है। डिजिटल पेमेंट होने से गाड़िया बिना रूके हाईवे से गुजर सकेंगी। इससे एक तरफ यूजर्स के लिए भी हाईवे पर आना-जाना आसान होगा और टोल ट्रांजैक्शन एक जैसा और ट्रांसपरेंसी आएगी। टोल चोरी या कोई गड़बड़ी होने की संभावना खत्म हो जाएगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कतारों में खड़े रहने से समय की बबार्दी के अलावा ईंधन का भी नुकसान होता है। एक स्टडी में खुलासा हुआ था कि टोल प्लाजा पर पेमेंट डिजिटल मोड में होने से देश को सालाना 87000 करोड़ रुपए की बचत होगी। कई बार खुले पैसे को लेकर टोल पर आपने ड्राइवर और टोल कर्मी के बीच कहासुनी जैसे घटनाएं हुई, डिजिटल सिस्टम से यह समस्या भी जड़ से खत्म हो जाएगी।

शहर में वायु गुणवत्ता खराब स्थिति में दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली में रविवार को न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के औसत तापमान से 0.2 डिग्री सेल्सियस अधिक है। मौसम विभाग ने दिन में आसमान मुख्य रूप से साफ रहने का अनुमान लगाया है और अधिकतम तापमान लगभग 29 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत दर्ज की गई। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 242 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में था। सीपीसीबी के अनुसार, एक्यूआई शून्य से 50 के बीच 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बेहद खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

दंगों में अवैध हथियार सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का खुलासा, 2 गिरफ्तार

छात्र पाल

उत्तर प्रदेश: थाना बहेड़ी पुलिस ने जनपद बरेली समेत सीमावर्ती जिलों और उत्तराखण्ड तक अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का बड़ा खुलासा किया है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलहे बरामद किए हैं। गिरफ्तार अभियुक्तों के पास से 05 अवैध पिस्टल (32 बोर), 36 जिंदा कारतूस, 02 तमंचे (315 बोर व 12 बोर) तथा अन्य सामान बरामद किया गया। यह कार्रवाई थाना बहेड़ी में पंजीकृत मुकदमा संख्या 0122/26 के तहत आर्म्स एक्ट एवं बीएनएस की गंभीर धाराओं में की गई है। शेरगढ़ अड्डे से गिरफ्तारी, हिस्ट्रीशीटर इशरत अली का नेटवर्क बेनकाब थाना बहेड़ी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शेरगढ़ अड्डे से

अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार पकड़े गए दोनों आरोपी थाना बहेड़ी के कुख्यात हिस्ट्रीशीटर इशरत अली के करीबी सहयोगी हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि बरामद स्विफ्ट कार भी अभियुक्त इशरत अली की है, जिसने इन हथियारों को उत्तराखण्ड के उधमसिंहनगर जिले में सप्लाई कराने के लिए भेजा था। मोबाइल डेटा से बड़ा सबूत, टेस्ट फायरिंग के वीडियो मिले पुलिस ने बताया कि पूछताछ और मोबाइल फोन की जांच में अभियुक्त सोमू खान के फोन से कई वीडियो और फोटो बरामद हुए हैं, जिनमें गिरोह का सरगना इशरत अली अवैध पिस्टलों से टेस्ट फायरिंग करता दिखाई दे रहा है। बरेली दंगों की साजिश में सप्लाई का आरोप, मौलाना तौकीर रजा का नाम भी आया सामने इस पूरे मामले में पुलिस ने बड़ा दावा करते हुए कहा कि दिनांक 26.09.2025 को हुए बरेली दंगों में इस्तेमाल किए गए अवैध हथियारों की सप्लाई इसी नेटवर्क के जरिए हुई थी।

पुलिस के मुताबिक अभियुक्त सोमू खान ने स्वीकार किया है कि उसने फरहत अली और इशरत अली के कहने पर भारी मात्रा में पिस्टल और तमंचे झुमका तिराहा क्षेत्र में गिरोह के आदमी को सौंपे थे। सबसे अहम बात यह है कि पुलिस ने बयान में यह भी उल्लेख किया है कि दंगों के दौरान मौलाना तौकीर रजा फरहत अली के घर (5 एन्क्लेव, बरेली) में बैठकर पूरे घटनाक्रम को अंजाम देने में शामिल था। गिरफ्तार अभियुक्तों के नाम तसलीम पुत्र जमील अहमद, निवासी जोखनपुर, थाना बहेड़ी (उम्र 29 वर्ष) सोमू खान उर्फ औशाफ, निवासी ग्राम बरीपुरा, थाना शेरगढ़ (उम्र 36 वर्ष) वांछित अभियुक्त इशरत अली (हिस्ट्रीशीटर, थाना बहेड़ी) फरहत अली गफ्फार (उत्तराखण्ड निवासी) समीर बरामदगी विवरण 05 अवैध पिस्टल 32 बोर 36 जिंदा कारतूस 02 तमंचे (315 बोर व 12 बोर) 02 कारतूस।

स्विफ्ट कार वढ25 इढ 0824 दो मोबाइल फोन पुलिस टीम उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह उपनिरीक्षक राजू कुमार हेड कांस्टेबल कुलदीप कांस्टेबल अंकित सिंह पुलिस का बयान पुलिस ने बताया कि अभियुक्तों से दंगों में संलिप्तता और अवैध हथियार सप्लाई के संबंध में गहन पूछताछ जारी है। जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

ड्योढ़ीपार देसहा सेन समाज सिरपुर महासभा के पदाधिकारियों का चुनाव सम्पन्न

डकेटर कुमार सेन

छत्तीसगढ़: ड्योढ़ीपार देसहा सेन समाज सिरपुर महासभा के पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न हुआ। ड्योढ़ीपार देसहा सेन समाज सिरपुर महासभा का दो दिवसिय वार्षिक अधिवेशन महासमुंद जिला के सिरपुर के मंगल भवन मे दिनांक 17-02-2026 से 18-02-2026 को संपन्न हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ श्री हनुमान जी व संत शिरोमणि श्नी सेन जी महराज की पूजा अर्चना कर किया गया उसके बाद समाज के बुजुर्गो को साल व नारियल भेंट कर सम्मानित किया गया । सर्व नाई सेन समाज के अध्यक्ष श्री भवानी शंकर सेन ने भी समाज के लोगो को नशा मुक्ती हेतु प्रेरीत किया समाज के विकास हेतु 51000/- रु की सहयोग राशी प्रदान किये हैं।

सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारकियों सिरपुर महासभा के अध्यक्ष गोविंद सेन, उपाध्यक्ष तोषण सेन, सचिव डां शेषनारायण सेन कोषाध्यक्ष लोमन सेन के साथ सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारकियों को हार्दिक शुभकामनांये दिये हैं। कार्यक्रम में झलप परिक्षेत्र, राजिम परिक्षेत्ऱ अरण्ड परिक्षेत्ऱ, कोरासी परिक्षेत्र, छुरा परिक्षेत्र. सिरपुर परिक्षेत्र, लवन परिक्षेत्र, कसडोल परिक्षेत्र, खल्लारी महासभा. राजिम महासभा ओर सिरपुर महासभा से भारी संख्या में लोग सम्मिलित हुए। प्रदेश अध्यक्ष श्री हिराधर सेन ने सभी को संबोधित करते हुए समाज को एक नयी दीशा देते हुए समाज को एकला. ,अखण्डता व समाज के युवक-युवतियों को ज्यादा से ज्यादा शिक्षित बनाने समाज को मार्गदर्शीत किया साथ ही समाज मे हो रहे अंतर जातिय विवाह पर रोक लगाने के लिए समाज के सभी लोगों को अपील किया और अंतर जातीय विवाह से समाज को रोकने प्रदेश स्तर महिला प्रकोष्ठ व युवा प्रकोष्ठ का गठन कराने की बात कही ताकि समाज के युवक-युवतियो को समाजिक कार्यों के प्रति जागरुकता लाने के लिये प्रेरीत किया है।

ससुराल आए दामाद की संदिग्ध मौत, परिजनों ने हत्या की जताई आशंका

दीपक यादव

उत्तर प्रदेश: झाँसी के टोडी फतेहपुर थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आई है, जहाँ ससुराल में आये दामाद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।। जहां ससुराल के लोगो का कहना है कि युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, लेकिन मृतक के परिजनों ने इसे हत्या बताया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। मामला टोडी फतेहपुर थाना क्षेत्र के का है।

जहाँ बबीना के रहने वाले राहुल पाठक, पुत्र रामकुमार, अपनी ससुराल टोडी फतेहपुर साली की शादी में शामिल होने आया था। जहां उसका शव फांसी के फंदे पर लटका मिला। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुँची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतक के परिजनों ने बताया कि वह अपनी साली की शादी समारोह में चिरगांव शामिल होने के लिए दो दिन पहले घर से निकला था। शादी के बाद वह टोडी फतेहपुर स्थित अपनी ससुराल पहुँचा, जहाँ उसकी मौत हो गई। ससुराल पक्ष का कहना है कि राहुल ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है, जबकि मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि राहुल ऐसा कदम नहीं उठा सकता था और उसकी ससुराल में हत्या कर शव को फांसी के फंदे पर लटकाया गया है।

हापुड़ में पड़ोसी मौलाना पर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

बच्ची को जन्म देने के बाद खुला मामला, आरोपी गिरफ्तार

पवन तिवारी

उत्तर प्रदेश: यूपी के हापुड़ जिले में मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है. एक पड़ोसी मौलाना ने नाबालिग बच्ची को डरा-धमकाकर उसे अपनी हवस का शिकार बनाया. घटना का खुलासा तब हुआ जब पेट दर्द की शिकायत के बाद 14 वर्षीय पीड़िता ने घर पर ही बच्ची को जन्म दिया। हापुड़ के पिलखुवा में पुलिस ने 14 वर्षीय नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के आरोपी मौलाना इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी पड़ोसी ने लड़की को घर में अकेला पाकर डराया-धमकाया और उसके साथ गलत काम किया, जिससे वह गर्भवती हो गई. 14 फरवरी की रात अचानक पेट दर्द होने पर जब परिजन पीड़िता को अस्पताल ले गए, तब उसकी गर्भावस्था का पता चला. घर लौटने के कुछ ही समय बाद पीड़िता ने एक बच्ची को जन्म

दिया. पिता की शिकायत पर पुलिस ने 17 फरवरी को मुकदमा दर्ज किया और अब उसे गिरफ्तार करने के बाद जेल भेज दिया है।

अस्पताल में खुला राज, घर पर हुआ जन्म पीड़िता का परिवार मूल रूप से अमरोहा का रहने वाला है और यहां मजदूरी करता है. परिजनों के अनुसार, 14 फरवरी की रात करीब आठ बजे जब उनकी बेटी के पेट में तेज दर्द उठा, तो वे उसे निजी अस्पताल ले गए. वहां डॉक्टरों ने जैसे ही लड़की के प्रेग्नेंट होने की जानकारी दी, परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई. वे बेटी को लेकर घर आए, जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया. इसके बाद जब बच्ची से पूछताछ की गई, तब उसने पड़ोसी मौलाना की पूरी सच्चाई बताई। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पड़ोसी मौलाना इस्लाम उसे घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म करता था. आरोपी ने उसे इस कदर डरा-धमका रखा था कि वह चाहकर भी अपने परिवार को कुछ नहीं बता पाई. मासूम को अपनी शारीरिक स्थिति का अंदाजा भी नहीं हो सका और न ही परिवार को भनक लगी. मौलाना ने पड़ोस में रहने के भरोसे का फायदा उठाते हुए इस घिनौनी वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी गिरफ्तार, मां-बच्ची स्वस्थ कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने सूचना मिलते ही नाबालिग मां और उसकी नवजात बच्ची को वन स्टॉप सेंटर भिजवाया है, जहां दोनों स्वस्थ हैं. लड़की का मेडिकल परीक्षण कराने के बाद परिजनों के बयान दर्ज किए गए हैं. पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 18 फरवरी को आरोपी इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब मामले में आगे की कानूनी कार्यवाही कर रही है।

जनसुनवाई में लापरवाही पर सख्त सीएम योगी, अब DM-SSP की सुनवाई की होगी लाइव निगरानी

छात्र पाल

उत्तर प्रदेश: अधिकारियों की लापरवाही पर सीएम योगी सख्त, अब सीधा मुख्यमंत्री कार्यालय करेगा उ्ट-ररढ की जनसुनवाई की लाइव निगरानी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जिला स्तर पर जनसुनवाई में ढिलाई पर नाराजगी जताई है। अब मुख्यमंत्री कार्यालय सीधे डीएम और एसएसपी की जनसुनवाई की निगरानी करेगा। आदेशानुसार, सभी अधिकारी प्रतिदिन सुबह 10 से 12 बजे तक अपने कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई की समीक्षा में जुड़ेंगे। लापरवाही पर जवाबदेही तय की जाएगी, ताकि आमजन को असुविधा न हो और सरकार की छवि बेहतर हो। लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसुनवाई और जनता दर्शन के मामलों में जिला स्तर पर हो रही

ढिलाई पर नाराजगी जताई है। इसी के बाद अब मुख्यमंत्री कार्यालय सीधा डीएम व एसएसपी की जनसुनवाई की निगरानी करेगा।

इसके आदेश जारी हो गए हैं। आदेश में कहा गया है कि जनसुनवाई के प्रकरणों में गंभीरता से कार्रवाई न होने के कारण ही कई मामले मुख्यमंत्री के जनता दर्शन तक पहुंच रहे हैं, जबकि उनका समाधान जिला स्तर पर ही किया जाना चाहिए। इससे आमजन को असुविधा होती है और सरकार की छवि भी प्रभावित होती है।

मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव संजय प्रसाद ने सभी पुलिस आयुक्तों, जिलाधिकारियों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को इसके निर्देश भेजते हुए कहा है कि अब प्रत्येक कार्यदिवस पर (तहसील दिवस/थाना दिवस जैसे पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों को छोड़कर) सुबह 10 बजे दोपहर 12 बजे तक सभी अपने-अपने कार्यालय कक्ष से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसुनवाई की समीक्षा बैठक में जुड़ेंगे। मोबाइल फोन या अन्य किसी स्थान से जुड़ने की अनुमति नहीं होगी।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जिलों में चल रहे जनता दर्शन कार्यक्रम की लाइव निगरानी की जाएगी। बैठक के दौरान कुछ शिकायतकताओं से सीधे संवाद कर निस्तारण की गुणवत्ता की भी जांच की जाएगी और इसकी रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। सभी अधिकारियों को सुबह 9:45 बजे तक वीसी लिंक से अनिवार्य रूप से जुड़ने के लिए कहा गया है। वीसी लिंक संबंधित अधिकारियों के सीयूजी नंबर पर अलग से भेजने की बात कही गई है। नाम, पदनाम और जिला का उल्लेख अनिवार्य रहेगा।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोपी दीपक शुक्ला को सदर बाजार पुलिस ने किया गिरफ्तार

अभिषेक कश्यप

उत्तर प्रदेश: थाना सदर बाजार पुलिस ने पत्नी को आत्महत्या के लिए प्रेरित करने के आरोप में एक नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश, अपर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक सदर बाजार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार मु.अ.सं. 70/2026 धारा 108 बीएनएस के तहत दर्ज मुकदमे में आरोपित दीपक कुमार शुक्ला (44) निवासी ग्राम चिनौर, थाना सदर बाजार को मुखबिर की सूचना पर अवन्ती बाई तिराहे से शुक्रवार दोपहर 12:40 बजे दबोच लिया गया।

पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाशी में कोई आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं हुई। उसे विधिक

प्रक्रिया पूर्ण करते हुए न्यायालय में पेश किया गया। आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है, जिसमें वर्ष 2016 में धारा 307, 436, 504 भादवि तथा वर्ष 2013 में धारा 323, 376 भादवि के मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक सदर बाजार, उपनिरीक्षक रणजीत बहादुर सिंह और कांस्टेबल मनीष कुमार शामिल रहे।

आभूषण कारोबारी से लूट का खुलासा, 4 अभियुक्त गिरफ्तार

पवन तिवारी

उत्तर प्रदेश: कुशीनगर - आभूषण कारोबारी से लूट का खुलासा लूट करने वाले 4 अभियुक्त गिरफ्तार लूटे गए 10 लाख के आभूषण बरामद एक अवैध पिस्टल,तमंचा बरामद चार मोबाइल,सेंट्रो कार बरामद बदमाशों ने लूटा था 40.92ग्राम सोना लगभग डेढ़ किलो चांदी बरामद कुशीनगर,देवरिया और बिहार के रहने वाले हैं लुटेरे पीड़ित के भीम वर्मा के पड़ोसी ने लुटेरों को दिया था लोकेशन घटना के पहले बदमाशों ने की थी रेकी भीम वर्मा देवतहा बाजार स्थित अनीश ज्वैलर्स नाम से चलाते हैं दुकान दुकान बंद कर घर जाते समय बदमाशों ने की थी लूट स्वाट, सर्विलांस,नेबुआ नौरंगिया और खड्डा पुलिस ने किया खुलासा एसपी ने खुलासा करने वाली टीम को 50हजार का दिया इनाम जिला कुशीनगर पडरौना से पवन तिवारी की रिपो।

होली से पहले हाथीथान जुलूस मार्ग का निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

अभिषेक कश्यप

उत्तर प्रदेश: होली पर्व को लेकर शाहजहाँपुर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के लिए पुलिस अधीक्षक ने आज हाथीथान जुलूस मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। क्या हैं सुरक्षा के इंतजाम शाहजहाँपुर में आगामी होली पर्व को लेकर तैयारियाँ तेज कर दी गई हैं। शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक ने हाथीथान जुलूस मार्ग का रूट मार्च कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर, सिटी मजिस्ट्रेट, क्षेत्राधिकारी नगर और थाना सदर बाजार की पुलिस टीम भी मौजूद

रही। अधिकारियों ने जुलूस मार्ग के संवेदनशील स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण किया।

होली पर्व को सकुशल संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जा रही हैं। जुलूस मार्ग पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी और किसी भी असामाजिक तत्व पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी

निरीक्षण के दौरान बैरिकेडिंग, यातायात डायवर्जन प्लान, सीसीटीवी निगरानी और त्वरित प्रतिक्रिया टीम की तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था हर हाल में कायम रहे और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जाए। होली के मद्देनजर शाहजहाँपुर पुलिस ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए हैं। प्रशासन का दावा है कि त्योहार के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए हर स्तर पर निगरानी रखी जाएगी। तो साफ है कि होली पर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। फिलहाल, प्रशासन ने लोगों से भी शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

एक नजर

स्व. सुभाष सिंगला को दी श्रद्धांजलि, सूरज पांडे ने बताया अपूरणीय क्षति

निखिल/हरियाणा: भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य सूरज पांडे ने आज हथीन नगर पालिका के पूर्व वाइस चेयरमैन एवं समाजसेवी, समाज के बीच 'नेता जी' के नाम से प्रसिद्ध स्वर्गीय सुभाष सिंगला को श्रद्धांजलि अर्पित की। सूरज पांडे ने कहा कि स्व. सुभाष सिंगला ने अपने जीवनकाल में समाज सेवा और जनहित के कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे हमेशा जरूरतमंदों के

साथ खड़े रहे और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत रहे। उनके निधन से क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि दिवंगत पुण्य आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिवार को इस दुख की घड़ी को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। इस अवसर पर स्थानीय कार्यकताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भी स्व. सुभाष सिंगला के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

मढ़कोला की सुमन का क्रफ्ड में वैज्ञानिक पद पर चयन, ऑल इंडिया रैंक में प्रथम स्थान

निखिल/हरियाणा: हथीन उपमंडल के गांव मढ़कोला निवासी सुमन का भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (क्रफ्ड) में वैज्ञानिक पद पर चयन हुआ है। सुमन को क्रफ्ड के डिवीजन ऑफ एग्रीकल्चर फिजिक्स में कार्य करने का अवसर मिला है। खास बात यह है कि सुमन ने ऑल इंडिया रैंक में

प्रथम स्थान हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है, जैसे ही सुमन के चयन की सूचना गांव मढ़कोला में पहुंची, पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों ने मिठाई बांटकर अपनी खुशी जाहिर की और सुमन की इस उपलब्धि को गांव के लिए ऐतिहासिक बताया। बीजेपी प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सूरज पांडे ने सुमन को बधाई देते हुए कहा कि क्षेत्र की एक प्रतिभा का क्रफ्ड जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में चयन होना पूरे इलाके के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि सुमन की सफलता आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी।

लुधियाना नगर निगम जोन डी में ऑफिस अधिकारियों व विधायकों की मीटिंग कर कुछ मुद्दों पर विमर्श किया गया विचार

विनोद कुमार कुंद्रा/लुधियाना नगर निगम जोन डी में ऑफिस अधिकारियों व विधायकों की मीटिंग कर कुछ मुद्दों पर विचार विमर्श किया गया। इस दौरान कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना व उनकी वेतन समय पर जारी करना करके तमाम मुद्दों पर बातचीत हुई। डेबलपमेंट को भी लेकर मिस्त्री की भर्ती को लेकर खाली पड़ी आसामी को जल्द से जल्द भरने की बात कही और इस मौके पर विधायक मदन लाल बग्गा, अशोक प्रेशर पप्पी,गुरप्रीत गोगी मौजूद थे।

विधायक बलवान दौलतपुरिया के भतीजे अभिमन्यु सिंह को विवाह पर रमेश शाक्य व टीम ने दी शुभकामनाएं

रमेश कुमार/हरियाणा: शाक्य सेवा समिति जिला फतेहाबाद के अध्यक्ष व जनहित ट्रस्ट के चेयरमेन रमेश शाक्य ओर उनकी टीम ने फतेहाबाद के वर्तमान के लोकप्रिय विधायक

बलवान दौलतपुरिया के भतीजे अभिमन्यु सिंह को उनके विवाह की बधाई दी .और विधायक श्री बलवान दौलतपुरिया को भी इस शुभ अवसर की शुभकामनाएं दी। रमेश शाक्य ने बताया कि विवाह समारोह में तमाम राजनीतिक व सामाजिक हस्तियों ने शिरकत की ! इस मौके पर रमेश शाक्य के साथ जनहित ट्रस्ट के सचिव व सर्वत्र शिक्षा समिति फतेहाबाद के जिला परियोजना नियंत्रण अधिकारी साधु बरोका ओर जनहित ट्रस्ट के सहायक सचिव विकास सुथार मौजूद रहेबी।

दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का लोगो, वेबसाइट और न्यूजलेटर लॉन्च

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। राजधानी में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को नई दिशा देते हुए दिल्ली पुलिस की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का आधिकारिक लोगो, वेबसाइट और न्यूजलेटर लॉन्च किया गया। शुक्रवार को कनॉट प्लेस के इनर सर्कल स्थित दिल्ली पुलिस प्रदर्शनी हॉल के उद्घाटन समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इनका औपचारिक शुभारंभ किया।

कार्यक्रम में दिल्ली पुलिस आयुक्त सतीश गोलचा, विशेष आयुक्त (क्राइम) देवेश चंद्र श्रीवास्तव, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, पुलिसकर्मी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस पहल को नशे के खिलाफ जंग में एक महत्वपूर्ण और रणनीतिक कदम बताया गया।

शनिवार को पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस द्वारा जारी एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्सका नया लोगो सतर्कता, ईमानदारी और मादक पदार्थों के खिलाफ अडिग संकल्प का प्रतीक है। लोगो में नशे के नेटवर्क के खिलाफ सशक्त और समन्वित कार्रवाई का संदेश निहित है। अधिकारियों के अनुसार, यह प्रतीक केवल एक चिन्ह नहीं, बल्कि नशामुक्त समाज के निर्माण की दिशा में मिशन आधारित कार्यप्रणाली का प्रतिनिधित्व करता है।

वेबसाइट से अपराध नियंत्रण में मिलेगी मजबूती

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्सकी आधिकारिक वेबसाइट hhhttps://anftf.delhipolice.gov.inf को एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह पोर्टल पारदर्शिता बढ़ाने, जनसंपर्क मजबूत करने और नागरिक सहभागिता को प्रोत्साहित करने में अहम भूमिका निभाएगा।

न्यूजलेटर से मिलेगी नियमित जानकारी

इस अवसर पर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का आधिकारिक न्यूजलेटर भी जारी किया गया। यह संस्थागत संचार का माध्यम होगा, जिसमें–

मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सफल अभियानों की जानकारी, महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां और बरामदगी,जागरूकता कार्यक्रमों की रिपोर्ट,

नीति संबंधी अपडेट और प्रमुख उपलब्धियां शामिल की जाएंगी। पुलिस का मानना है कि यह प्रकाशन विभाग की पारदर्शिता और जवाबदेही को और मजबूत करेगा।

तकनीक और जनभागीदारी पर विशेष जोर

दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया कि नशे की समस्या केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक चुनौती भी है। ऐसे में तकनीक के बेहतर उपयोग, अंतर-एजेंसी समन्वय और समाज की भागीदारी के जरिए इस पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स का उद्देश्य न केवल तस्करों और सप्लाई चेन पर सख्त कार्रवाई करना है, बल्कि युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए जागरूकता और पुनर्वास पर भी समान रूप से ध्यान देना है।

वेबसाइट के माध्यम से

- नारकोटिक्स अपराधों और अपराधियों से संबंधित जानकारी साझा की जाएगी।
- डाटा के आदान-प्रदान और ट्रैकिंग की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा।
- एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की पहल, जागरूकता अभियान और उपलब्धियों की जानकारी उपलब्ध होगी।
- पुनर्वास केंद्रों और कानूनी प्रावधानों से संबंधित विस्तृत विवरण दिया जाएगा।
- आम नागरिकों को सूचना देने और सहयोग करने का अवसर मिलेगा।
- अधिकारियों का कहना है कि इससे नारकोटिक्स अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी में तेजी आएगी।

सुभाष नगर मेट्रो रेड लाइट के पास हादसा, स्कूटी सवार युवक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर थाना क्षेत्र में शनिवार तड़के एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना सुभाष नगर मेट्रो रेड लाइट के पास, नजफगढ़ रोड पर राजौरी गार्डन की ओर जाने वाली लेन में हुई।

पुलिस के अनुसार तड़के 3:26 बजे दुर्घटना और एक युवक के घायल होने की सूचना पीसीआर कॉल के माध्यम से तिलक नगर थाना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हालत में मिले।

हादसे में घायल युवक की पहचान रघुबीर नगर निवासी हेम शंकर (25) के रूप में हुई। पुलिस युवक को तुरंत दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वह ई-स्कूटी पर सवार था और एक निजी डिलीवरी कंपनी में कार्यरत था। पुलिस अधिकारी के अनुसार प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीछे से आ रही वर्ना कार ने ई-स्कूटी को टक्कर मारी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने मौके से कार चालक मोहित कुमार (27) को पकड़ा। वह नजफगढ़ का रहने वाला और एमसीडी में ठेकेदार है। दुर्घटना में शामिल कार को जब्त कर लिया गया है।

हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया द्वारा टीबी जनजागरूकता रैली का आयोजन

विनोद कुमार

दिल्ली: हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया संस्था के 'रिस्पेक्ट प्रोजेक्ट' के अंतर्गत माता सुंदरी लेन कॉलोनी, Lok Nayak Hospital के पास समुदाय को टीबी एवं बिगड़ी हुई टीबी के प्रति जागरूक करने हेतु एक जनजागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली के दौरान समुदाय को टीबी के लक्षणों, रोकथाम के उपायों तथा समय पर जांच और उपचार के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही बिगड़ी हुई (ड्रग-रेसिस्टेंट) टीबी से संबंधित लक्षणों और बचाव के तरीकों पर भी प्रकाश डाला गया। उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्रदान किया गया और उन्हें नियमित रूप से टीबी की जांच कराने के लिए प्रेरित किया गया।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य कॉलोनी में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और टीबी उन्मूलन की दिशा में सामुदायिक सहभागिता सुनिश्चित करना है। कॉलोनी के प्रधान सहित स्थानीय समुदाय के लोगों ने रैली में उत्साहपूर्वक भाग लिया और सामान्य टीबी एवं बिगड़ी हुई टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

संस्था की कार्यकर्ता कीर्ति राजपूत ने हलीमा बानो और पूजा पाल के सहयोग से इस रैली का सफल आयोजन किया।

यमुना तट पर प्रकृति की गोद में असिता पलाश महोत्सव का आगाज

यमुना किनारे नया साइकिल ट्रैक खुला, एलजी वीके सक्सेना ने किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना के पूर्वी तट पर प्रकृति की गोद में असिता पलाश महोत्सव शनिवार से शुरू हो गया है। उद्घाटन उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने किया। इस मौके पर यमुना किनारे बना नया साइकिल ट्रैक भी खोला गया, जिसे पर्यावरण के अनुकूल तैयार किया गया है। डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवण कुमार और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

महोत्सव का ये अंतिम और सबसे बड़ा चरण है। इसमें 21 से 23 फरवरी तक फूलों, बाग और उपवन का उत्सव चल रहा है। इससे पहले 14 से 16 फरवरी तक बांसेरा (बिरसा मुंडा चौक), अशोका गार्डन (अशोक विहार), लाला हरदयाल पार्क (जसोला) और स्मृति वन (नरेला) में कार्यक्रम ऐसे ही उत्सव हुए थे, जिनमें लोगों की अच्छी भागीदारी रही। उपराज्यपाल ने कहा कि असिता का जो इलाका पहले उपेक्षित था, वह आज एक खूबसूरत हरित स्थल में बदल चुका है। इसमें बड़े पैमाने पर मौसमी फूल लगे हैं। इससे शहर के बीच सौंदर्य दिख रहा है। यहां आकर लोगों का प्रकृति से जुड़ाव बढ़ेगा।

ट्यूलिप बने महोत्सव की खास पहचान

पहले ट्यूलिप लुटियंस क्षेत्र तक सीमित थे, लेकिन अब इन्हें शहर के अलग-अलग सार्वजनिक पार्कों में लगाया गया है। डीडीए ने इस साल दिल्ली में करीब दो लाख ट्यूलिप लगाए हैं। इनमें शिवाजी मार्ग स्थित डीडीए ग्रीन, अशोक विहार फेज-4, पीतमपुरा, रोहिणी सेक्टर-10 और 11, पटेल नगर, राजेंद्र नगर, जनकपुरी, शालीमार बाग और नरेला के स्मृति वन जैसे स्थान शामिल हैं। ट्यूलिप के पौधे डीडीए की विभिन्न नर्सरियों और कुछ पार्कों में बिक्री के लिए भी उपलब्ध हैं।

फूलों की खूबसूरती और कलाकारी दोनों

सस्ते टिकट लेकर महोत्सव में फूलों की प्रदर्शनी, थीम आधारित सजावट, सांस्कृतिक कार्यक्रम, फूड स्टॉल और कई आकर्षक गतिविधियों को देखा जा सकता है। यहां फ्लोरल ज्वेलरी मेकिंग, रंगोली, फैशन वॉक, पेंटिंग और फोटोग्राफी प्रतियोगिताएं, पॉटरी वर्कशॉप और परिवारों के लिए मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

शक में पत्नी की हत्या, पहली मंजिल से धक्का देने वाला पति गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के नंद नगरी थाना क्षेत्र के ताहिरपुर में शक के चलते एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की पहली मंजिल से धक्का देकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान 35 वर्षीय जैनब खातून के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पति मुस्तकीन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार मुस्तकीन पेशे से चालक है और उसे अपनी पत्नी के चरित्र पर लंबे समय से संदेह था, जिस कारण दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। शुक्रवार को काम से घर लौटने के बाद इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि गुस्से में मुस्तकीन ने जैनब खातून को पहली मंजिल से धक्का दे दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। परिजन उसे तुरंत गुरु तेग बहादुर अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच के लिए साक्ष्य जुटाए गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रेखा गुप्ता ने 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप' का किया शुभांरभ

इंडियन युवा कांग्रेस कार्यकताओं के एआई समिट में विरोध प्रदर्शन को मुख्यमंत्री ने बताया शर्मनाक

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को दिल्ली सचिवालय से 'सीएम जनसुनवाई पोर्टल एवं मोबाइल ऐप', 'ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल' को कॉमन सर्विस केंद्रों (सीएससी) से जोड़ने और नए ईडब्ल्यूएस/ डीजी/ सीडब्ल्यूएसएन पोर्टल' का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि पहली बार दिल्ली में हमने जनसुनवाई के माध्यम से सरकार के द्वार जनता के लिए खोले। अब जनसुनवाई को डिजिटल बनाकर इसे और अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनाया जा रहा है। इस अवसर पर कैबिनेट आशीष सूद, डॉ. पंकज कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने यहां पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि अब हर दिल्लीवासी अपने मोबाइल या पोर्टल के माध्यम से पानी, बिजली, सड़क और सफाई जैसी समस्याओं की शिकायत सीधे दर्ज कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि आय, निवास, जाति, विवाह, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र और राशन कार्ड सहित 75 सरकारी सेवाएं अब दिल्ली के 7,000 कॉमन सर्विस केंद्रों पर घर के पास ही मिलेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस)/वंचित समूह (डीजी)/ विशेष आवश्यकता वाले बच्चों (सीडब्ल्यूएसएन) पोर्टल' से निजी स्कूलों में प्रवेश की प्रक्रिया और अधिक साफ, पारदर्शी और व्यवस्थित होगी, जिससे बच्चों को सही और निष्पक्ष अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ऐसी विकसित दिल्ली बनाने के लिए लगातार काम कर रही है, जहां तकनीक के माध्यम से हर नागरिक को बेहतर और आसान सेवाएं मिलें।

मुख्यमंत्री ने इंडियन युवा कांग्रेस कार्यकताओं के एआई समिट में विरोध प्रदर्शन को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह देशद्रोही मानसिकता है। उन्होंने कहा कि देश में इतना बड़ा कार्यक्रम हो रहा है और कांग्रेस देश को कभी आगे बढ़ते नहीं देख सकती है।

एक नजर

प्रदूषण फैला रहे उद्योगों के लिए नए उत्सर्जन मानक तय

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली-एनसीआर में औद्योगिक प्रदूषण में कमी लाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) उत्सर्जन मानकों को सख्त कर दिया है। अब उद्योगों के लिए अधिकतम पीएम उत्सर्जन सीमा 50 मिलीग्राम प्रति सामान्य घन मीटर तय की गई है। आयोग ने इन मानकों को लागू करने की समयसीमा भी निर्धारित कर दी है। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की बड़ी वजह उद्योगों की चिमनियों से निकलने वाले प्रदूषक कण माने जाते हैं। यह उत्सर्जन न केवल पीएम स्तर बढ़ाता है, बल्कि द्वितीयक प्रदूषक कणों के निर्माण में भी भूमिका निभाता है, जिससे पूरे क्षेत्र की हवा खराब होती है। आयोग ने स्वच्छ ईंधन के अनिवार्य उपयोग, जैव ईंधन आधारित बॉयलरों और भट्टियों के लिए मानक तय करने जैसे कदम पहले ही लागू किए हैं। अब केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सिफारिशों, आईआईटी कानपुर के अध्ययन और तकनीकी समिति की रिपोर्ट के आधार पर 50 मिलीग्राम प्रति घन मीटर का मानक तकनीकी रूप से संभव और पर्यावरणीय दृष्टि से जरूरी माना गया है। इन उद्योगों पर खास नजर सीपीसीबी की ओर से चिह्नित 17 अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योग श्रेणियों, खाद्य एवं प्रसंस्करण, थर्मिक फ्लूड हीटर वाले वस्त्र उद्योग और भट्टियों वाले धातु उद्योग पर यह सीमा लागू होगी। बड़े व मध्यम उद्योगों को एक अगस्त 2026 तक और अन्य उद्योगों को एक अक्तूबर 2026 तक अनुपालन करना होगा। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को तय समयसीमा में सख्त पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

दिल्ली में तीन जगह आग, मदनपुर खादर में सिलेंडर ब्लास्ट से एक परिवार के 3 लोग झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में शुक्रवार देर रात और शनिवार तड़के आग की तीन अलग-अलग घटनाओं से हड़कंप मच गया। पहली घटना दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर इलाके की है, जहां शनिवार सुबह करीब 4:46 बजे एक मकान के ग्राउंड फ्लोर पर सिलेंडर ब्लास्ट के बाद भीषण आग लग गई। हादसे में एक ही परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घायलों की पहचान जगदीश (60), उनकी पत्नी लक्ष्मी (52) और बेटे जतिन (22) के रूप में हुई है। तीनों को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत गंभीर बनी हुई है। दमकल विभाग के मुताबिक सुबह 4:46 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तीन दमकल गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि तेज धमाके की आवाज के बाद इलाके में अफरातफरी मच गई। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में गैस सिलेंडर फटने से आग लगने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। दूसरी घटना मध्य दिल्ली के दयाबस्ती इलाके के पास शुक्रवार रात करीब 11 बजे सामने आई। यहां एक फैक्टरी में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग ने एक-एक कर 15 गाड़ियों को मौके पर भेजा। जांच में पता चला कि फैक्टरी में कुर्सियां बनाने का काम होता था। आग तेजी से फैल गई, जिससे आसपास के इलाकों में धुआं भर गया। दमकल अधिकारियों के अनुसार काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। राहत की बात यह रही कि इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। खबर लिखे जाने तक कूलिंग का काम जारी था और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। तीसरी घटना पश्चिमी दिल्ली के ज्वालापुरी स्थित चंद्र विहार इलाके में हुई। यहां कार के स्पीकर बनाने वाली एक फैक्टरी में शनिवार तड़के 3:44 बजे आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में भी किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। फिलहाल पुलिस तीनों मामलों में आग लगने के कारणों की जांच कर रही है। लगातार सामने आ रही आग की घटनाओं ने राजधानी में सुरक्षा इंतजामों और अग्निशमन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

ड्रग्स तस्करी के मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी जिला के एंटी नारकोटिक्स स्क्वायड ने बदायूं से स्मैक लाकर दिल्ली एनसीआर में सप्लाई करने वाले तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान गांव गंगोला, दातागंज, बदायूं, यूपी निवासी अमीन खान (24), राशिद (38) और गांव नोनी, दातागंज, बदायूं, यूपी निवासी बलबीर (34) के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के पास से कुल 3.27 ग्राम उम्दा किस्म की स्मैक बरामद की है। बरामद स्मैक की कीमती 60 लाख रुपये स ज्यादा बताई है। आरोपित अमीन राशिद से स्मैक लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करता था। राशिद भी बलबीर से स्मैक लेता था। पुलिस ने एक-एक कर तीनों को दबोच लिया। पूर्वी जिला के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि 12 फरवरी को एंटी नारकोटिक्स स्क्वायड को खबर मिली कि अमीन खान नामक युवक स्मैक सप्लाई करने एनएच-24, नोएडा लिंक रोड, समयपुर गांव के पास आने वाला है। जानकारी जुटाने के बाद टीम ने आरोपी अमीन खान को दबोच लिया। उसके पास से 291 ग्राम स्मैक बरामद हुई। आरोपी ने बताया कि वह स्मैक बदायूं में राशिद से लाया था। पुलिस ने जानकारी जुटाने के बाद राशिद को 15 फरवरी को गिरफ्तार कर लिया। राशिद ने बलबीर का नाम बताया। टीम ने बाद में उसे भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 35.85 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस अब इनसे पूछताछ कर रही है।

लाखों रुपये की स्मैक समेत तीन ड्रग तस्कर गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी जिला की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने यूपी के बदायूं से स्मैक लाकर दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई करने वाले तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से कुल 326.85 ग्राम स्मैक बरामद हुई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 60 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार आरोपियों में बदायूं निवासी 24 वर्षीय अमीन खान, 38 वर्षीय राशिद और 34 वर्षीय बलबीर शामिल है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि 12 फरवरी को एनएच-9 स्थित नोएडा लिंक रोड पर समयपुर गांव के पास अमीन को 291 ग्राम स्मैक के साथ पकड़ा गया। पूछताछ के आधार पर 15 फरवरी को राशिद को बदायूं से गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर मुख्य सरगना बलबीर को 35.85 ग्राम स्मैक सहित दबोचा गया। पुलिस पूरे नेटवर्क की कड़ियां खंगाल रही है।

कुतुबगढ़ और मुंगेशपुर में सड़क एवं नाली निर्माण कार्यों का शिलान्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। समाज कल्याण मंत्री एवं बवाना विधानसभा क्षेत्र से विधायक रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने शनिवार को कुतुबगढ़ और मुंगेशपुर गांवों सहित क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विकास कार्यों का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए कभी फण्ड की कमी नहीं होने दी जाएगी। ये शिलान्यास केवल ईंट और पत्थर का प्रतीक नहीं, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों के विश्वास, सुविधाओं और बेहतर जीवन की मजबूत नींव हैं। मंत्री रविन्द्र इन्द्राज ने कुतुबगढ़ गांव में दिल्ली ग्राम विकास फण्ड के अंतर्गत शमशान घाट रोड एवं नालियों के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

स्व. गोरखाराम सारण की स्मृति में जल मंदिर का निर्माण

डुंगर मल राठी

राजस्थान: मरुभूमि की तपती धूप में शीतल छाया बनकर उभरी एक पुण्य पहल ने ग्राम धारासर की धरती को भाव-विभोर कर दिया। ग्राम के श्रद्धेय एवं लोकमान्य व्यक्तित्व स्वर्गीय गोरखाराम सारण पूर्व सरपंच एवं उनकी धर्म पत्नी स्वर्गीय पेमी देवी की पावन स्मृति में उनके सुपुत्रों बांकाराम सारण (बीएसएफ सैनिक), हेमाराम सारण एवं पौत्रों जगदीश सारण (अध्यापक), धमार्राम सारण द्वारा एक भव्य जल मंदिर (प्याऊ) का निर्माण करवाया गया है। यह निर्माण केवल ईंट-पत्थरों का संयोजन नहीं, बल्कि श्रद्धा, संस्कार और सेवा की सजीव अभिव्यक्ति है। राजस्थान की इस तपती धरा पर जल को जीवन का पर्याय माना जाता है। ऐसे में राहगीरों, ग्रामीणों और जरूरतमंदों के लिए शीतल, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था करना किसी तप से कम नहीं।

यह जल मंदिर आने-जाने वाले प्रत्येक पथिक की प्यास बुझाकर मानो स्वर्गीय गोरखाराम सारण की करुणा, उदारता और लोकसेवा के भाव को निरंतर प्रवाहित करता रहेगा।

परिवारजनों ने बताया कि स्वर्गीय गोरखाराम सारण का जीवन सादगी, परोपकार और सामाजिक उत्तरदायित्व की मिसाल था। वे सदैव समाज के सुख-दुख में सहभागी बनते थे। उन्हीं उच्च आदर्शों और मानवीय मूल्यों से प्रेरित होकर उनके सुपुत्रों एवं पौत्रों ने यह जनहितकारी कार्य संपन्न कराया है, ताकि आने वाली पीढ़ियाँ भी सेवा और संस्कार की इस परंपरा को आत्मसात कर सकें। मंदिर कमेटी एवं ग्रामवासियों ने इस पुनीत कार्य की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। उपस्थित जनसमूह ने कहा कि यह जल मंदिर केवल प्यास बुझाने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं की शीतल धारा है, जो समाज में सद्भाव, सहयोग और कृतज्ञता की भावना को सुदृढ़ करेगी। निस्संदेह, यह जल मंदिर स्वर्गीय गोरखाराम सारण की स्मृति को अमरत्व प्रदान करते हुए आने वाले वर्षों तक लोकसेवा का दीप प्रज्वलित रखेगा।

भगवत दयाल शर्मा हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री और स्वतंत्रता सेनानी

निखिल

हरियाणा: 28 जनवरी 1918 को जन्मे भगवत दयाल शर्मा हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री थे और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सक्रिय भागीदारी के लिए जाने जाते हैं। वे अपने समर्थकों और कार्यकताओं के बीच ह्लपण्डितजीह्व के नाम से प्रसिद्ध थे। स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका भगवत दयाल शर्मा ने ह्यभारतीय स्वतंत्रता संग्रामह्न के दौरान राष्ट्रीय आंदोलनों में भाग लिया। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने सार्वजनिक जीवन में सक्रिय रहते हुए क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हरियाणा के प्रथम मुख्यमंत्री

1 नवंबर 1966 को हरियाणा राज्य के गठन के बाद वे राज्य के पहले मुख्यमंत्री बने। उनके नेतृत्व में नवगठित राज्य की प्रशासनिक संरचना को व्यवस्थित करने और विकास की नींव रखने का कार्य किया गया। शिक्षा, कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया।

राज्यपाल के रूप में सेवाएं 23 सितंबर 1977 को उन्हें उड़ीसा (वर्तमान ओडिशा) का राज्यपाल नियुक्त किया गया। इसके बाद वे 1980 से 1984 तक मध्य प्रदेश के राज्यपाल भी रहे। राज्यपाल के रूप में उन्होंने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए प्रशासनिक स्थिरता पर जोर दिया। विरासत 22 फरवरी 1993 को उनका निधन हुआ। हरियाणा की राजनीति और प्रशासनिक व्यवस्था में उनकी भूमिका ऐतिहासिक मानी जाती है। एक स्वतंत्रता सेनानी और प्रथम मुख्यमंत्री के रूप में उनका योगदान राज्य के इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा।

सापुतारा पुलिस ने पत्नी की हत्या के आरोपी पति को किया गिरफ्तार

घीसाराम फौजी चौधरी

गुजरात: पुलिस महानिरीक्षक श्री प्रेमवीर सिंह (सूरत रेंज) और पुलिस अधीक्षक सुश्री पूजा यादव (आहवा-डांग) द्वारा जिले में अपराधों को सुलझाने और आरोपियों को पकड़ने के लिए दिए गए विशेष निर्देशों के तहत, सापुतारा पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है।

नायब पुलिस अधीक्षक (आहवा विभाग) के मार्गदर्शन में सापुतारा पुलिस ने हत्या के एक सनसनीखेज मामले का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। घटना का विवरण यह मामला सापुतारा थाना क्षेत्र के नवागाम का है। पुलिस जांच के अनुसार, आरोपी प्रहलाद विष्णुभाई आहेर को अपनी पत्नी सविता के किसी अन्य पुरुष के साथ अनैतिक संबंध होने का संदेह था।

इसी शक के चलते उनके बीच अक्सर झगड़े होते रहते थे। आवेश में आकर पति प्रहलाद ने अपनी पत्नी सविता की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर उसे जान से मार डाला।

राणापुर में होली धुलेंडी फाग उत्सव को लेकर नगर की बैठक आयोजित

मुजफ्फर खान शेख

मध्य प्रदेश: हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी फाग उत्सव का आयोजन किया जाना है जिसमे 2 बैठक आयोजित का जा चुकी है। इन बैठक में रखे गए प्रस्ताव पर आम सहमति बनाने हेतु बैठक की गई। जिसमे इस बार खाटू श्याम परिवार द्वारा उत्सव को भक्तिमय बनाने का प्रस्ताव रखा गया व नगर की सार्वजनिक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें श्याम हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी होली धुलेंडी फाग उत्सव यात्रा का आयोजन किया जावेगा है। जिसमे प्रस्ताव कार्यक्रम के मुताबित यात्रा स्वर्णकार समाज के श्रीरामजी मंदिर से आरम्भ होकर बस स्टैंड

पर समापन होगा। बाबा खाटू श्यामजी बग्गी में नगर भ्रमण करेंगे। यात्रा में सूखे रंग से होली खेली जावेगी। पक्के रंग पूर्णतः प्रतिबंध रहेंगे। सब लोग मर्यादित रूप में साधारण होली का आनंद लेंगे।

महिलाओं व पुरूष की व्यवस्था अलग अलग की गई है। एवम खासकर नशा करने वालो को इस आयोजन से दूर रखने का प्रस्ताव रखा गया है।

स्वल्पाहार व ठंडाई की व्यवस्था भी रखी गई है। बेंड ढोल व खाटू श्याम जी के भजन यात्रा को धर्ममयी बनाएंगे। मनोहर सोनी ने संचालन करते हुये सभी के प्रस्तावों को उपस्थित लोगों को बताया गया। इस आयोजन के प्रस्तावों पर अंतिम निर्णय के लिये आगामी 22 फरवरी रविवार की शाम 8 बजे स्थान सोनी गली हँसमुख लाल सोनी के निवास के बाहर बैठक का आयोजन होगा। जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों से अपने सुझाव भी लिए जाकर फाग उत्सव यात्रा को भव्य बनाने हेतु एवम नगर की मातृशक्ति को भी बैठक में उपस्थित रहने का आमंत्रण दिया गया। इस बैठक में आयोजन के सभी कार्यक्रम के प्रस्ताव को निर्धारित किया जावेगा। इस बैठक में नगरपरिषद अध्यक्ष दीपमाला नलवाया ने कहा की नगर परिषद इस आयोजन में भरपूर सहयोग करेगी। कार्यक्रम का संचालन व आभार मनोहर सोनी ने किया।

एक नजर

कचहरी के पास महिला ने टेम्पो चालक पर जेवर व नकदी चोरी का लगाया आरोप, सड़क पर हंगामा

छात्र पाल/उत्तर प्रदेश: कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर कचहरी के पास एक महिला ने सरेआम टेम्पो चालक पर जेवर और नकदी पार करने का आरोप जड़ दिया। आरोप लगते ही सड़क पर ही तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। देखते-देखते भीड़ जमा हो गई और माहौल गरमा गया। कैंट क्षेत्र के ग्राम डूबरा नवीनगर निवासी नीरज पत्नी गुड्डू के मुताबिक वह दोपहर करीब 12 बजे खरसेनी कन्नौजिया इंटर कॉलेज से टेम्पो में सवार होकर गांव लौट रही थीं। उनके पर्स में आधा तोला सोने की नथनी, सोने की बेसर, करीब 250 रुपये का चांदी का गुच्छा और 500 रुपये नकद रखे थे। महिला का कहना है कि रास्ते में फतेहगंज से कुछ सवारियां बैठीं और कचहरी पर उतर गईं।

जब वह खुद उतरीं और किराया देने के लिए पर्स खोला तो जेवर और 500 रुपये गायब थे। यह देखते ही उनके होश उड़ गए। सड़क पर भिड़ंत, भीड़ जुटी महिला ने मौके पर ही चालक को घेर लिया और चोरी का आरोप लगा दिया। दोनों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ी कि राहगीर रुक गए। कुछ लोग महिला के समर्थन में खड़े हो गए तो कुछ तमाशबीन बने रहे। इसी बीच मौका देखकर चालक वहां से निकल गया। महिला ने तुरंत डायल 112 पर कॉल कर पुलिस को सूचना दी।

केलनोर-धारासर सड़क निर्माण में घटिया सामग्री का आरोप, ग्रामीणों ने जांच की मांग की

डुंगर मल राठी/राजस्थान: चौहटन रोड से वाया कोठे का तला धारासर जोड़ने वाली 5.5 किमी डामर सड़क निर्माण पर गंभीर सवाल।ग्रामीणों ने ठेकेदार पर घटिया सामग्री इस्तेमाल करने का लगाया आरोप।सड़क की कुटाई, गुटाई और पटरियों के निर्माण में अनियमितता की ग्रामीणों की शिकायत।चारदीवारी निर्माण भी निम्न स्तर का होने का आरोप, अधिकारियों को भेजे गए वीडियो। ग्रामीणों ने खएठ अजय कुमार और अएठ घेवर सिंह को कई बार कराया अवगत।आरोप–ठेकेदार ने खानापूर्ति कर सड़क के कुछ हिस्सों में ही झीकरा डाला।ग्रामीणों का दावा शिकायत के बावजूद गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं हो रहा।ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की। इस मौके पर बिगाराम जाखड,साजन राम हुडा,जगदीश कुमार हुड्डा मांगाराम मेघवाल, लादूराम भांभू, मुकेश हुड्डा, भारताराम हुड्डा,रेखाराम गोदारा, तुलसाराम जाखड़, सोनाराम जाखड़, हनुमानराम सारण, जगदीश हुड्डा रुपाराम धन्दे डालूराम मेघवाल ठाकराराम तेजाराम हरलाल देवाराम गोमाराम लक्ष्मण सहित ग्रामीणों की मौजूदगी में उपखंड अधिकारी चौहटन को ज्ञापन सौंपा गया।

RBSK टीम की पहल से भिस्या आंगनवाड़ी के बच्चे का 'क्लब फुट' सफल सर्जरी से हुआ ठीक

घीसाराम फौजी चौधरी/गुजरात: राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के अंतर्गत टीम नंबर 605 (PHC गाढ़वी) द्वारा एक सराहनीय कार्य किया गया है। भिस्या आंगनवाड़ी केंद्र (तहसील-आहवा) के बालक अक्षित अश्विनभाई चौधरी का जन्म 07/10/2025 को सिविल अस्पताल, आहवा में 'क्लब फुट' जैसी जन्मजात विकृति के साथ हुआ था। RBSK टीम ने बच्चे के अभिभावकों को क्लब फुट के बारे में उचित मार्गदर्शन दिया और बेहतर इलाज के लिए बच्चे को समय रहते श्रीमद् राजचंद्र अस्पताल, धरमपुर रेफर किया। वहां पोनसेटी (Ponfseti) पद्धति के माध्यम से बच्चे का सफल उपचार किया गया। वर्तमान में, यह बच्चा RBSK टीम नंबर 605 के नियमित फॉलो-अप में है और उसके पैरों में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है।

क्या है क्लब फुट (Clubfoot) क्लब फुट एक जन्मजात विकृति है जिसमें बच्चे के पैर का आकार सामान्य नहीं होता। इसमें पैर अंदर की ओर मुड़ा होता है और एड़ी ऊपर की ओर उठी रहती है, जिससे बच्चे को पैर सीधा जमीन पर रखने में कठिनाई होती है।

लक्षण: पैर का अंदर की तरफ मुड़ा होना, एड़ी का जमीन पर न टिकना और पैर का आकार छोटा या छोटा लगना। यह समस्या एक या दोनों पैरों में हो सकती है।

सिहमा में खाटू श्याम पदयात्रियों के लिए सेवा शिविर जारी

सतीश

हरियाणा: सीकर जिले की खाटू नगरी में आयोजित होने वाले लक्खी फाल्गुन मेले को लेकर सिहमा क्षेत्र के आसपास के गावों में शिविर जारी है। इन शिविरों में चिकित्सा, पेयजल, भोजन और विश्राम करने की पूरी व्यवस्था की गई है। सिहमा के बाबा खेता नाथ मंदिर में स्वच्छ पीने का पानी, चाय, नाश्ता, भोजन, रेस्ट एरिया, कंबल-बिस्तर की व्यवस्था के साथ-साथ प्राथमिक चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है। वहीं आराम गृह की सुविधा, दोनों समय बाबा श्याम की आरती और भोग गांव वासियों का पूर्ण सहयोग मिला हुआ है।शिविर में सेवा दे रहे

ग्रामीणों ने बताया कि कि यह सेवा शिविर लगातार 5 दिनों तक 24 घंटे जारी रहेगा। इसका उद्देश्य दिन-रात पदयात्रा कर रहे भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा से बचाना है। उन्होंने बताया कि राजस्थान के सीकर जिले में स्थित खाटू श्याम मंदिर देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों में से एक है। बाबा श्याम के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित लक्खी मेले में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु अपनी मनोकामना लेकर पहुंचते हैं।

फाल्गुन शुक्ल द्वादशी को मेले का मुख्य दिन माना जाता है। कहानी के अनुसार, बर्बरीक ने श्रीकृष्ण को अपना शीश इसी दिन समर्पित किया था। मान्यता है कि फाल्गुन माह में बाबा खाटू श्याम के दर्शन करने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दौरान पूरी श्याम नगरी भक्ति के रंग में रंगी होती है और श्रद्धालु भाव-विभोर होकर बाबा का जयकारा लगाते हैं।श्रद्धालुओं की सेवा करना बड़ा पुण्य का कार्य है जिससे श्री श्याम प्रभु भी खुश होते हैं। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मंदिर परिसर में सेवा कर रहे हैं। फोटो कैप्शन?-सिहमा में खाटू श्याम पद यात्री हाथों में निशान लिए हुए।

जीवनजोर एडेसिव मीटिंग का आयोजन, कारपेंटरों को दी गई प्रोडक्ट की जानकारी

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: जनपद गाजीपुर के पीके ढाबा में जीवनजोर अडेसिव मीटिंग का आयोजन सेल्स मैनेजर अनूप कुमार मिश्रा टेरिटरी मैनेजर अंकित कुमार राय एरिया डेवलपमेंट एजीक्यूट तथा पाल प्लाई गेलेरी के डिस्ट्रीब्यूटर दिनेश पाल के लोगो द्वारा किया गया जो इस मीटिंग आयोजन में जीवनजोर एडे सीव से संबंधित बहुत सारे इस प्रोडक्ट से संबंधित बहुत सारे इसको किस तरह से लगाया जाता है बताया गया जिसमें बहुत सारे कार्पेंटरों की उपस्थिति रही जो सुनील जीतू राजेश अभिमन्यु पजल बीजापुर पंजाबी विश्वकर्मा जितेंद्र उपेंद्र

शर्मा मिठाई लाल शैलेश अजय कैलाश सियाराम राजेश दीपक विश्वकर्मा संतोष मुन्ना प्रेम राजेंद्र रामनगर विनोद उमेश कुमार रामाशीष भारत सुधीर प्रदीप विश्वकर्मा चंदन बबलू सीताराम कमलेश अधिक लोगो की उपस्थिति रही तथा इस प्रोडक्ट को बहुत ही बेहतरीन तरीके से कार्पेंटरों को समझाया गया है और इस मीटिंग के आयोजन को सफलतापूर्वक समापन किया गया।

नोएडा: सेक्टर-58 पुलिस ने 106 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब के साथ युवक को किया गिरफ्तार

दीपक यादव

उत्तर प्रदेश: दिनांक 20.02.2026 को थाना सेक्टर 58 पुलिस द्वारा लोकल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब की तस्करी करने वाला 01 अभियुक्त हरीश कुमार पुत्र सागर राय को सेक्टर-58 से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त के कब्जे से 106 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब, क्रेजी रोमियो ब्रांड, अरुणाचल प्रदेश मार्का बरामद किए गए है। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-

हरीश कुमार पुत्र सागर राय निवासी ग्राम परसोनी, थाना कमतौल, दरभंगा (बिहार) वर्तमान पता प्रेम विहार, खोड़ा कालोनी, थाना खोड़ा, गाजियाबाद, उम्र 20 वर्ष।

पंजीकृत अभियोग का विवरण-मु0अ0सं0-068/2026 धारा 60/63 आबकारी एक्ट, थाना सेक्टर-58, गौतमबुद्धनगर। मु0अ0सं0-093/2024 धारा 60 आबकारी एक्ट, थाना सेक्टर-24, गौतमबुद्धनगर। बरामदगी का विवरण- 106 पव्वे अवैध अंग्रेजी शराब, क्रेजी रोमियो ब्रांड, अरुणाचल प्रदेश मार्का।

108 एंबुलेंस से उतरा किराने का सामान, तस्वीरें वायरल

डुंगर मल राठी

राजस्थान: चौहटन उपखण्ड मुख्यालय पर 108 एम्बुलेंस वाहन से बाड़मेर से चौहटन से आते वक्त किराने के सामान के आठ कार्टून उतरते वक्त लोगों ने फोटो खींचकर वायरल कर लिए। प्राप्त जानकारी के मुताबिक रविवार को 108 एंबुलेंस गाड़ी किसी मरीज को छोड़ने के लिए बाड़मेर गई थी आते वक्त इसी गाड़ी में किसी दुकान के किराने के समान के आठ कार्टून गाड़ी में थमा दिए। इस एंबुलेंस के वाहन चालक ने संबंधित दुकान विरात्रा चौराहे पर जब सामान उतारे समय जब यह युवक फोटो खींच रहा था तब एंबुलेंस चालक ने आधा फाटक बंद करलिया। और कई आराम से फोटो खींच लो। सोशल मीडिया पर यह यह फोटो तेजी से

वायरल हुए।

चौहटन क्षेत्र में चल रहे 108 के अलावा पशु वाहन 1962 पर भी इसी तरह सामान ले जाने का लोगों ने फोटो वायरल किया लेकिन आज दिन तक वही पायलट अभी तक उस पशु वाहन 1962 को आराम से चला रहा है। ठेका प्रणाली पर आधारित यह एंबुलेंस तथा पशू वाहन जो चल रहे हैं आखिर इसकी देखरेख की जिम्मेदारी किसकी रहती है। जब यहां के अधिकारियों को इस संबंध में पूछा जाता है तो रट रटाया जवाब देते हैं कि यह ठेका प्रणाली है। देखते हैं कि 108 एम्बुलेंस के पायलट या ईएमटी के विरुद्ध चिकित्सा विभाग अथवा ठेकेदार द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी या फिर वही डाक के तीन पात।

बानसूर में विशाल अहीर महापंचायत, मृत्यु भोज व फिजूलखर्ची पर सर्वसम्मति से प्रतिबंध

अवनीश कुमार गोयल

राजस्थान: बानसूर के श्री कृष्ण छात्रावास में अहीर महापंचायत का आयोजन किया गया। इस दौरान महापंचायत में समाज में फैल रही कुरीतियों को दूर करने के लिए कई फैसले लिए गए। महापंचायत में समाज में मृत्यु भोज, शराब वितरण, डीजे बजाने सहित अन्य बिंदुओं पर सर्वसम्मति से प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया।

महापंचायत में बानसूर विधानसभा सहित आसपास के अहीर समाज के गणमान्य लोगों ने शिरकत की। इस दौरान यादव

महासभा कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष महेंद्र यादव ने कहा कि समाज में व्यर्थ फिजूल खर्ची व दिखावे जैसे प्री-वेडिंग जैसे अन्य खर्चों को समाप्त करने पर बल दिया गया। उन्होंने कहा कि समाज की एकता व प्रगति के लिए ऐसी कुरीतियों को समाप्त करने से समाज आगे अग्रसर होगा तथा आगामी भावी पीढ़ी को सही व नई दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर श्याम सिंह यादव (पूर्व सांसद), आचार्य महामंडलेश्वर पुष्पा शास्त्री, महंत अरुण भारती (रमतलाई आश्रम बलेड़ी), आचार्य बलराम दास महाराज (फुटा जोहड़), योगी योगेंद्र नाथ (आश्रम छापुर), आचार्य राजकुमार शास्त्री (बालावास), अहीर रेजमेंट अध्यक्ष सुनील यादव रेवाड़ी, यादव महासभा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र यादव, मुंडावर विधायक ललित यादव, संजय यादव बहरोड़, दिल्ली एमसीडी कमिश्नर कुलदीप यादव, डीएसपी रामनिवास यादव, पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बलराम यादव, रमवतार गुरुजी कोटपूतली, भैंरू गुर्जर पावटा, युवा यादव महासभा प्रदेश सचिव जिला पार्षद मनोज यादव सहित अहीर समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस कार्यालय सूरजपुर में पीस कमेटी बैठक, त्योहारों पर शांति बनाए रखने की अपील

दीपक यादव

उत्तर प्रदेश: दिनांक 20.02.2026 को पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर श्रीमती लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में डीसीपी सेंट्रल नोएडा श्री शक्ति मोहन अवस्थी द्वारा एडीसीपी सेंट्रल नोएडा श्री आर.के. गौतम के साथ पुलिस कार्यालय सूरजपुर पर संभ्रांत नागरिकों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग की गई। मीटिंग में संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद करते हुए उन्हें आगामी त्योहारो को शांतिपूर्वक मनाने व किसी भी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचाने के बारे में बताया गया। पुलिस अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यदि किसी भी व्यक्ति द्वारा धार्मिक भावनाएं भड़काने या

दुष्प्रचार करने का प्रयास किया जाएगा तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। सभी व्यक्तियों से अपील करते हुए उन्हें समझाया गया कि वह किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें एवं किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें, जिससे शांति व्यवस्था बनी रहे और आगामी त्योहारो को शांति पूर्ण ढंग से मना सके।

इंडिया एआई समिट की बड़ी कामयाबी

▶▶ होगा 250 अरब डॉलर का निवेश, 70 से अधिक देश घोषणापत्र पर करेंगे हस्ताक्षर

एजेंसी

लखनऊ । नई दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई समिट' भारत के तकनीकी और आर्थिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक आयोजन साबित हो रहा है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस आयोजन को एक बड़ी सफलता करार दिया है। इस वैश्विक महासम्मेलन में न केवल बुनियादी ढांचे के लिए 250 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हासिल हुआ है, बल्कि 70 देशों ने भारत के कूटनीतिक नेतृत्व में 'दिल्ली घोषणापत्र' पर अपनी सहमति भी जता दी है। आसान शब्दों में कहें तो, यह समिट भारत को तकनीक की दुनिया में एक नए ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित कर रहा है। इस शिखर सम्मेलन का सबसे अहम कूटनीतिक हिस्सा 'दिल्ली घोषणापत्र' रहा है। शुक्रवार को 20 फरवरी 2026 को आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी कि अब तक 70 राष्ट्र इस घोषणापत्र पर

हस्ताक्षर कर चुके हैं और कई अन्य देशों के साथ बातचीत अभी भी जारी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि शनिवार को इस आयोजन के समापन तक सहमति जताने वाले देशों का अंतिम आंकड़ा 80 को पार कर जाएगा। इस दिल्ली घोषणापत्र की विस्तृत रूपरेखा और इसके अहम बिंदुओं को शनिवार को पूरी पारदर्शिता के साथ दुनिया के सामने साझा किया जाएगा।

निवेश का अंबार और जनता की भारी भागीदारी

भारत की बढ़ती तकनीकी ताकत को घरेलू स्तर पर भी जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। आईटी मंत्री ने बताया कि इस प्रदर्शनी में पांच से अधिक आगंतुकों ने हिस्सा लिया, जो देश में उन्नत तकनीक के प्रति भारी उत्साह को दर्शाता है।

इसके अलावा, इस आयोजन के दौरान बुनियादी ढांचे से जुड़े 250 अरब डॉलर से अधिक के निवेश कमिटमेंट प्राप्त हुए हैं। यह भारी-भरकम निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के लिए एक बड़ा गेम-चेंजर साबित होगा।

विपक्ष का विरोध और युवाओं का करारा जवाब

इस बड़े तकनीकी आयोजन के बीच कुछ राजनीतिक हलचल भी देखने को मिली। कांग्रेस पार्टी द्वारा इस महत्वपूर्ण सम्मेलन को बाधित करने के प्रयासों पर टिप्पणी करते हुए आईटी मंत्री ने स्पष्ट किया कि विपक्षी दल के इस छोटे से प्रयास को भारत के युवाओं ने मजबूती से और पूरी तरह से खारिज कर दिया है।

● **बुनियादी ढांचा:** 250 अरब डॉलर के निवेश कमिटमेंट से देश के टेक और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को अभूतपूर्व गति मिलेगी, जिससे विकास के नए रास्ते खुलेंगे।

● **वैश्विक कूटनीति:** 'दिल्ली घोषणापत्र' पर 70 से अधिक देशों का एक साथ आना यह प्रमाणित करता है कि अंतरराष्ट्रीय एआई नीतियों को तय करने में भारत एक अहम कूटनीतिक नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभा रहा है।

गुजरात के वलसाड में भीषण सड़क हादसा

एक ही परिवार के सात लोगों की मौत

एजेंसी

वलसाड। गुजरात के वलसाड जिले में कपारड़ा-नानापोंढा हाईवे पर कुंभघाट के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के सात लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक कपारड़ा तालुका के अंबा जंगल गांव के निवासी थे। हादसे के समय कार में कुल सात लोग सवार थे, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल थीं। यह दुर्घटना कुंभघाट के उस तीखे मोड़ पर हुई, जिसे अधिकारी पहले से ही दुर्घटना-प्रवण क्षेत्र बताते रहे हैं। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार लोग अंदर ही फंस गए। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और राहत-बचाव कार्य में जुट गए। आपातकालीन सेवाओं की मदद से घायलों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के मुताबिक, पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी। दो गंभीर रूप से घायल पुरुषों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने भी दम तोड़ दिया। इस तरह मृतकों की संख्या सात हो गई। इंस्पेक्टर सूरजसिंह वसावा ने आईएएनएस से कहा, 'हादसे के समय कार में सात लोग सवार थे, जिनमें पांच पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। पांच लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। दो पुरुषों को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन बाद में उनकी भी मृत्यु हो गई। यह मार्ग पहले भी दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है और ज्यादातर मामलों में ट्रक शामिल रहे हैं। ' हादसे में ट्रक चालक भी

घायल हुआ है और उसका इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है कि अभी उसका बयान दर्ज नहीं किया गया है, इसलिए यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दुर्घटना चालक की लापरवाही से हुई या किसी अन्य कारण से। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और कानूनी प्रक्रिया जारी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, ताकि हादसे के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को धूमिल करने का प्रयास : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट में इंडियन यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने टी-शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन किया। इस पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर प्रहार करते हुए इस कृत्य की भर्त्सना की।

उन्होंने कहा कि यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं ने शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया है। वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ह्वजब पूरा विश्व भारत को नई दिल्ली में मौजूद भारत मंडपम में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करते हुए देख रहा था और तकनीक व नवाचार के क्षेत्र में हमारे बढ़ते वैश्विक नेतृत्व का साक्षी बन रहा था, उस समय कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान उत्पन्न करने का रास्ता चुना। यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं द्वारा जिस शर्मनाक तरीके से कार्यक्रम स्थल पर अनुचित व्यवहार करते हुए हंगामा किया गया है वह न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी है। मैं कांग्रेस के इस कृत्य की भर्त्सना करता हूं।

उन्होंने आगे लिखा, जब भी भारत वैश्विक मंच पर आगे बढ़ता है, कांग्रेस राष्ट्रहित के साथ खड़े होने के बजाय राजनीतिक लाभ लेने को प्राथमिकता देती दिखाई देती है। दलगत राजनीति को देश की प्रतिष्ठा और सम्मान से ऊपर रखना अत्यंत दुखद है। भारत की जनता भली-भांति समझती है कि कौन भारत को सशक्त और समर्थ बनाने में जुटा है और कौन बार-बार भारत की छवि को धूमिल करने का प्रयास करता है।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन पर कहा, ह्वआज देश शर्मसार है, कांग्रेस कार्यकताओं द्वारा सिर्फ कपड़े उतारने की बात नहीं थी, बल्कि कांग्रेस को उनके कृत्य ने नंगा कर दिया।

कांग्रेस का असली चेहरा देश और दुनिया ने देख लिया है। भारत माता के सम्मान के साथ यह खिलवाड़ था। मैं सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से पूछना चाहता हूं, क्या आपके लिए राजनीति देश की इज्जत से ज्यादा जरूरी हो गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने समकक्षों के साथ इंफ्रास्ट्रक्चर और हेल्थकेयर समेत अन्य मुद्दों पर की बात

एक बेहतर धरती के लिए एआई का इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश के लिए भारत का समर्थन दोहराया : मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने समकक्षों के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। पीएम मोदी ने लिकटेंस्टीन के राजकुमार, एलोइस फिलिप मारिया, श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके, यूएन के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और स्लोवाकिया गणराज्य के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ द्विपक्षीय बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर तस्वीरें साझा कीं और बताया कि दोनों पक्षों के बीच किन मुद्दों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने यूएन महासचिव गुटेरेस के साथ तस्वीरें साझा कर लिखा, 'संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के साथ मीटिंग के दौरान हमने एआई को शामिल करने वाला बनाने और इस मामले में यूएन कैसे एक कंस्ट्रक्टिव रोल निभा सकता है, इस बारे में बात की। एक बेहतर धरती के लिए एआई का इस्तेमाल करने की किसी भी कोशिश के लिए भारत का समर्थन दोहराया। हमने यूएन रिफॉर्म्स, खासकर ग्लोबल साउथ को ज्यादा आवाज देने पर भी अपने विचार शेयर किए।' उन्होंने श्रीलंका के

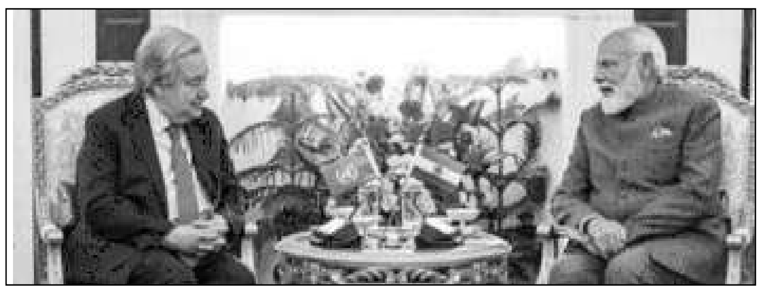

राष्ट्रपति दिसानायके के साथ हुई बैठक को लेकर लिखा, 'एक कीमती पड़ोसी के साथ दोस्ती को मजबूत करना। दिल्ली में राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने हाल के दिनों में भारत-श्रीलंका संबंधों में हुई तरक्की का जायजा लिया। हमने एनर्जी, कनेक्टिविटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, हेल्थकेयर, स्किलिंग, कल्चर, ब्लू इकॉनमी और दूसरे एरिया में सहयोग के तरीकों पर भी बात की। ' वहीं, श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, 'आज दोपहर नई दिल्ली में भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मीटिंग में शामिल हुआ। मैंने एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के इनविटेशन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। हमने अपने ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने और आर्थिक, व्यापार और सांस्कृतिक सहयोग को बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की। मैंने हाल ही में आए तूफान दित्वाह के दौरान भारत के शानदार समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त किया। ' पीएम मोदी ने एलोइस फिलिप मारिया के साथ मुलाकात पर कहा, 'आज दिल्ली में लिकटेंस्टीन के

● वहीं स्लोवाकिया रिपब्लिक के राष्ट्रपति के साथ बैठक को लेकर प्रधानमंत्री ने लिखा, 'स्लोवाकिया रिपब्लिक के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी के साथ मेरी मीटिंग बहुत प्रोडक्टिव रही। हाल ही में हुए इंडिया-ईयू एफटीए से हमारे देशों के बीच ट्रेड और इन्वेस्टमेंट को बढ़ावा देने के कई मौके मिलेंगे। हमने जिन दूसरे विषयों पर बात की, उनमें डिजिटल टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, डिफेंस, स्पेस और भी बहुत कुछ में कोऑपरेशन शामिल था। '

हेरेडिटरी प्रिंस एलोइस से मुलाकात हुई। हमारे देशों के बीच आर्थिक संबंधों की मजबूत संभावना पर चर्चा हुई, खासकर इंडिया-ईएफटीए के बाद, और इनोवेशन, टेक्नोलॉजी, स्किलिंग, आरएंडडी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर भी बात हुई।

33 मासूमों से दरिंदगी करने वाले को दंपत्ति को फांसी

● बांदा पॉक्सो कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

एजेंसी

बांदा। उत्तर प्रदेश के बांदा स्थित विशेष पॉक्सो अदालत ने आज मानवता को शर्मसार करने वाले एक मामले में अपना कड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सिंचाई विभाग के पूर्व जूनियर इंजीनियर रामभवन और उसकी पत्नी दुर्गावती को 33 मासूम बच्चों के साथ यौन शोषण और उनकी पोर्नोग्राफी बनाने के जुर्म में फांसी की सजा सुनाई है। सीबीआई ने 31 अक्टूबर 2020 को रामभवन और अन्य के खिलाफ बच्चों के यौन शोषण, पोर्नोग्राफी बनाने और उसे इंटरनेट पर प्रसारित करने के आरोपों में मामला दर्ज किया था. जांच में सामने आया कि ये शिकारी 2010 से 2020 के बीच बांदा और चित्रकूट के इलाकों में सक्रिय थे. आरोपी रामभवन बच्चों को ऑनलाइन वीडियो गेम, पैसे और उपहारों का लालच देकर अपनी हवस का शिकार बनाता था। सीबीआई की जांच में जो तथ्य

सामने आए, वे रूह कपा देने वाले हैं। दरिंदगी के शिकार 33 लड़कों में से कुछ की उम्र महज तीन वर्ष थी। यौन हमले के दौरान कई मासूमों के निजी अंगों में गंभीर चोटें आईं, जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इस आघात के कारण कुछ बच्चों की आंखों में भेंगापन तक विकसित हो गया। पीड़ित आज भी उस भयानक मनोवैज्ञानिक आघात (Psychological Trauma) से जूझ रहे हैं। विशेष न्यायाधीश ने आरोपियों के कृत्य को दुर्लभ से दुर्लभतम (Rarest of Rare) श्रेणी का माना. अदालत ने कहा कि 33 बच्चों का व्यवस्थित तरीके से शोषण करना और उनके प्रति ऐसी नैतिक गिरावट समाज के लिए असहनीय है, जहां सुधार की कोई गुंजाइश नहीं बचती।

अदालत ने केवल सजा ही नहीं सुनाई, बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास के लिए भी कड़े निर्देश दिए कि सरकार प्रत्येक पीड़ित बच्चे को 10 लाख रुपए का मुआवजा प्रदान करेगी। आरोपियों के घर से जब्त की गई नकदी को भी सभी पीड़ितों में बराबर अनुपात में बांटने का आदेश दिया गया है। सीबीआई ने इस मामले में 10 फरवरी 2021 को आरोप पत्र दाखिल किया था और 26 मई 2023 को आरोप तय किए गए थे. आज के फैसले ने यह साफ कर दिया है कि बच्चों के साथ होने वाले अपराधों में कानून किसी भी स्तर पर नरमी नहीं बरतेगा।

असम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 की शुरुआत की

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को असम के नाथनपुर गांव में 6,839 करोड़ रुपए की लागत वाले वाइब्रेंट विलेजेज प्रोग्राम-2 (वीवीपी-2) की शुरुआत की। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि आज शुरू हो रहे वाइब्रेंट विलेजेज-2 कार्यक्रम के माध्यम से पूरी बराक घाटी और असम के सीमांत जिलों के सभी गांवों में भारत के अन्य गांवों जितनी सुविधाएं देने का प्रयास और शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने कहा कि एक दौर था जब सीमांत गांव को देश का आखिरी गांव कहा जाता था क्योंकि वह विकास, रोजगार, बिजली कनेक्टिविटी और शिक्षा की दृष्टि से पिछड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने वाइब्रेंट विलेजेज-1 कार्यक्रम में तय किया कि सीमा पर स्थित हर गांव आखिरी नहीं बल्कि भारत का प्रथम गांव है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज से असम का यह गांव भी देश का प्रथम गांव बनने जा रहा है। यह गांव न सिर्फ विकास की दौड़

● *शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजज-2 में लगभग 6,900 करोड़ रुपए के खर्च से 17 राज्यों के 334 ब्लॉक्स के 1,954 गांव शामिल हैं।*

में बल्कि रोजगार, शिक्षा, सड़क और दूरसंचार के क्षेत्र में भी देश के प्रथम गांव होंगे। शाह ने कहा कि वाइब्रेंट विलेजज-2 में लगभग 6,900 करोड़ रुपए के खर्च से 17 राज्यों के 334 ब्लॉक्स के 1,954 गांव शामिल हैं। इनमें 9 जिले, 26 ब्लॉक और 140 गांव असम के हैं। असम के 140 गांवों में भारत के हर गांव जैसी पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

इस कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश, बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल के गांव भी शामिल हैं।

शाह ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा से सटे 334 ब्लॉक्स में लगभग 2000 गांवों के विकास का लगभग 7,000 करोड़ रुपए का कार्यक्रम आज से शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें सुरक्षा, स्कीम सैचुरेशन और कनेक्टिविटी से जुड़ी कई योजनाएं शामिल हैं।

अमित शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने असम में सालों तक शासन किया,लेकिन राज्य के विकास के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा कि हमने अपने 10 साल के शासन में वो कर दिखाया जो पिछली सरकारें 50 साल में भी नहीं कर सकीं।

प्रधानमंत्री ने साहित्यकार मणि शंकर के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बंगाली साहित्यकार मणि शंकर मुखोपाध्याय के

निधन पर शोक जताया। वह 93 साल के थे। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर कहा, मणि शंकर मुखोपाध्याय बंगाली साहित्य के एक महान व्यक्तित्व थे। उनके शब्दों ने लोगों के जीवन को संवेदनशीलता और अंतर्दृष्टि से चित्रित किया। अपनी अविस्मरणीय रचनाओं के माध्यम से उन्होंने पाठकों की कई पीढ़ियों को प्रभावित किया और भारत के साहित्यिक जगत को समृद्ध किया। उन्होंने बताया कि उनके प्रशंसक उनको प्यार से 'शंकर' बुलाते थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनके परिवार, मित्रों और दुनिया भर में फैले उनके प्रशंसकों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं!

प्रधानमंत्री रविवार को करेंगे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित

▶▶ प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ का दौरा करेंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को मेरठ में संपूर्ण 82 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित करेंगे और लगभग 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार प्रधानमंत्री मोदी रविवार को उत्तर प्रदेश के मेरठ का दौरा करेंगे। दोपहर में वे शताब्दी नगर नमो भारत स्टेशन पर मेरठ मेट्रो और नमो भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यहां से वे मेरठ साउथ स्टेशन तक मेट्रो की यात्रा करेंगे। इसके बाद लगभग 12,930 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और उन्हें राष्ट्र को समर्पित करेंगे। वे इस अवसर पर सभा को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री पहली नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली (आरआरटीएस) के शेष खंडों का भी उद्घाटन करेंगे। इनमें दिल्ली में सराय काले खान और न्यू अशोक नगर के बीच का 5 किलोमीटर का खंड और उत्तर प्रदेश में मेरठ साउथ और मोदीपुरम के बीच का 21 किलोमीटर का खंड शामिल है। 180 किलोमीटर प्रति घंटे की डिज़ाइन गति के साथ, नमो भारत देश की पहली क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली है। यह कॉरिडोर साहिबाबाद, गाजियाबाद, मोदीनगर और मेरठ जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों को दिल्ली से तेजी से जोड़ेगा। कॉरिडोर का शुरुआती स्टेशन सराय काले खान है, जो इस उद्घाटन के साथ शुरू होने वाले चार नमो भारत स्टेशनों में से एक है।

अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस बनी राष्ट्रीय शर्म का विषय : अनुराग ठाकुर

▶▶ कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान डालने का बहुत ही शर्मनाक रास्ता चुना

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को दिल्ली में इंडिया एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन को शर्मनाक बताया और इसकी निंदा की। उन्होंने इसपर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस राष्ट्रीय शर्म का विषय बन चुकी है और जब जब देश प्रगति करता है, कांग्रेस प्रदर्शन करती है। अनुराग ठाकुर ने कहा, 'आज जब पूरी दुनिया भारत को एआई समिट की मेजबानी की गवाह बन रही है, ऐसे में कांग्रेस ने देश का सम्मान बढ़ाने के बजाय आयोजन में व्यवधान डालने का बहुत ही शर्मनाक रास्ता चुना। कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी व एनडीए सरकार का विरोध करते-करते भारत विरोधी पार्टी बन चुकी है। अपनी ओछी राजनीति से कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी से राष्ट्रीय शर्म का विषय बन चुकी है।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस को भारत की प्रगति से कोई सरोकार

नहीं मगर भारत विरोधी एजेंडे को हवा देने में, अपने विदेशी आकाओं को खुश करने में राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी अव्वल स्थान पर है। एक तरफ जहां दुनिया भारत की तकनीकी क्षमताओं का लोहा मान रही है।

भारत के कंधों पर ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी : धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के सौ साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति और एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर पत्रकारों से बात की और कहा कि भारत के कंधों पर ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी है। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा, '1926 में स्थापित हुए श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का शताब्दी वर्ष मनाया जा रहा है। पिछले 25 सालों से यहां एक प्रसिद्ध स्कूल चल रहा है। ग्लोबल बिजनेस ऑपरेशन (जीबीओ) पढ़ाने के लिए एक अच्छा सेंटर चल रहा है। भारत की नई पीढ़ी को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से विकसित भारत लक्ष्य तक पहुंचना है, जिसके लिए यंग और इनोवेटिव लीडरशिप चाहिए। अभी

देश में एआई समिट हुआ है, जिसमें हमारे देश की अतुलनीय नवोन्मेषी क्षमता सामने आई है। इस क्षमता को ऊंचाई तक ले जाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सही ढंग से लागू करना पड़ेगा।' धर्मेंद्र प्रधान ने आगे कहा कि एसआरसीसी और जीबीओ जैसे कोर्स लीडरशिप पोजीशन पर रहेंगे। जीबीओ को मास्टर्स की डिग्री दी जानी चाहिए, जिस पर बात हुई है, और जल्द मिलने की उम्मीद करता हूं। मीडिया के एक सवाल पर धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि भारत ने ग्लोबल साउथ की जिम्मेदारी ले ली है। विश्व के जरूरतमंद देशों की क्षमता बढ़ाने और जरूरतें पूरी करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जिम्मेदारी ली है। इसे लेकर एआई इम्पैक्ट समिट हो रहा है। विश्व के मेजर एआई प्लेयर के साथ भारत के दो प्लेटफॉर्म टेक्नोलॉजी में कंधे से कंधा मिला रहे हैं। ये हैं 'सर्वम एआई' और 'भारत-जेन' एआई।

संपादकीय

सोच समझकर हो प्रशंसा

अक्सर जब तुम प्रशंसा करते हो तो किसी और की तुलना में करते हो। किसी एक की प्रशंसा करने में हम किसी दूसरे को नीचा दिखाते हैं और किसी की गलती को दशार्ने के लिए हम दूसरे की प्रशंसा करते हैं। कुछ लोग प्रशंसा करने में कंजूस होते हैं और कुछ शमीर्ले। कुछ लोगों को प्रशंसा करनी नहीं आती और प्रशंसा करना भूल जाते हैं। कुछ व्यक्ति मतलब के लिए प्रशंसा करते हैं और कुछ तुम्हें उठाने के लिए। कुछ और लोग अपने आत्मविश्वास की कमी को छुपाने के लिए स्वयं की प्रशंसा करते हैं। किन्तु वास्तविक प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से निकलती है। जो प्रशंसा उन्नत चेतना की अवस्था से आती है, वह स्वरूप से आती है और बिल्कुल भिन्न होती है। साधारणतः प्रशंसा लालसा और दम्भ से आती है। उन्नत चेतना की अवस्था से आई प्रशंसा पूर्णता से उभरती है। निःसंदेह प्रशंसा चेतना को उभारती है और उत्साह व ऊर्जा लाती है। परंतु साथ ही यह घमंड भी ला सकती है।

प्रशंसा करना भी एक कौशल है। जब कोई तुम्हारी प्रशंसा करता है, तो क्या तुम बिना शर्माए उसे स्वीकार करते हो? बिना शर्माए प्रशंसा को स्वीकार करना भी एक कुशलता है। तुम किसी की प्रशंसा कब करते हो? जब वे कुछ अनोखा करते हैं, असाधारण, जो उनके स्वभाव के अनुसार नहीं है। जब एक दुष्ट व्यक्ति कोई समस्या पैदा नहीं करता, तब तुम उसकी तारीफ करते हो। या कोई व्यक्ति जिसे भला नहीं समझते, जब कुछ नेक काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो। जब कोई भला आदमी अत्यन्त असाधारण काम करता है, तब तुम उसकी प्रशंसा करते हो।

यदि कोई बच्चा एक प्याली चाय बनाता है तो तुम प्रशंसा करते हो, परंतु वही एक प्याली चाय यदि मां बनाए तो तुम शायद तारीफ न करो, क्योंकि उसके लिए यह नियमित कार्य है। इन सभी स्थितियों में जिन कार्य की तुम प्रशंसा करते हो, वे अल्पकालिक हैं, उनके आचरण से अलग या उनके स्वभाव के विपरीत। तो जब तुम किसी चीज के लिए किसी की प्रशंसा करते हो, तुम संकेत करते हो कि वे लोग साधारणतः ऐसे नहीं हैं। इसका मतलब है कि वह कार्य उनके स्वभाव में नहीं और इसीलिए वे अपनी प्रशंसा चाहते हैं- यह एक विरला गुण या कृत्य है। प्रशंसा एक अलगाव के भाव, एक दूरी को इंगित करती है, इसीलिए प्रशंसा करते समय सावधान रहो।

भारतीय राजाओं का मूल्यांकन: टीपू सुल्तान

टीपू अंग्रेजों के कट्टर विरोधी थे। उनपर यह आरोप लगाया जाता है कि उन्होंने कुछ हिंदू और ईसाई समूहों को प्रताड़ित किया। इस प्रताड़ना की वजह शुद्ध राजनैतिक थी और इसका धर्म से कोई लेनादेना नहीं था। इस बारे में इतिहासवेत्ता केट ब्रित्तलबैंक का कहना है कि यह धर्म से जुड़ी नीति नहीं थी बल्कि ऐसा संबंधितों को दंडित करने के लिए किया गया थाह्यह्य। टीपू के निशाने पर सिर्फ हिन्दू समूह नहीं थे।

राम पुनियानी

टीपू सुल्तान का नाम समाचारपत्रों (विशषकर कर्नाटक के) में आता रहता है। ऐसा उनकी जयंती के राज्य-प्रायोजित आयोजनों के आसपास कुछ ज्यादा ही होता है। वहां भाजपा हमेशा इन आयोजनों में बाधा डालती है और प्रायः हमेशा इसके नतीजे में उपद्रव और हंगामे के हालात बनते हैं।

इस बार टीपू से जुड़ी खबर महाराष्ट्र के मालेगांव से आई है। वहां की नवनिर्वाचित उपमहापौर निहाल अहमद ने शान-ए-हिन्द टीपू सुल्तान का एक चित्र अपने कार्यालय में लगाया। इसकी जानकारी मिलने के बाद शिवसैनिकों ने अधिकारियों का हस्तक्षेप करवाकर उसे हटवा दिया। कुछ विरोध प्रदर्शन भी हुए। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने चित्र हटाए जाने को अनुचित बताते हुए कहा कि टीपू का मैसूर के लिए उतना ही योगदान है जितना छत्रपति शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र के लिए है। इस वक्तव्य का महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडनवीस ने विरोध किया। फडनवीस ने कहा कि टीपू की तुलना शिवाजी महाराज से करना महाराज का अपमान करना है। इसके बाद कांग्रेस कार्यालय पर भाजपा कार्यकताओं ने पथराव किया जिसके नतीजे में हुई अफरातफरी में करीब सात लोग घायल हुए।

भाजपा को सपकाल के वक्तव्य पर इसलिए आपत्ति है क्योंकि उनके मुताबिक टीपू ने बड़ी संख्या में हिंदुओं का कत्ल करवाया था। उन्होंने हिंदुओं को धर्मपरिवर्तन कर मुसलमान बनाने का प्रयास किया। हिन्दू राष्ट्रवादी टीपू को अन्य कई अन्य बातों के लिए भी दोषी ठहराते हैं। इनमें से ज्यादातर का उद्देश्य टीपू को हिन्दू-विरोधी और एक जालिम शासक के रूप में पेश करना होता है। ये बातें सच्चाई से कोसों दूर हैं। इनमें से कई मिथक अंग्रेजों द्वारा फैलाए गए आख्यान पर आधारित हैं। अंग्रेज टीपू से चिढ़ते थे। वजह यह कि टीपू अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाले राजाओं में से एक थे। टीपू ने निजाम और पेशवा से ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं का मुकाबला करने का आव्हान किया था। टीपू को भारत में अंग्रेजों की जड़ें मजबूत होने से उत्पन्न होने वाले खतरों का पूवार्नुमान था।

टीपू का प्रशासन मिश्रित था जिसमें बहुत से उच्च अधिकारी हिन्दू थे। पूरनिया उनके मीर मीरान (विभागाध्यक्ष) थे और उनका टीपू के राज्य के प्रशासनिक ढांचे में महत्वपूर्ण स्थान था। कृष्णा राव उनके कोषाध्यक्ष थे। शामैया आयंगर उच्च दर्जे के मंत्री थे और नरसिंह आयंगर डाक विभाग के उच्चाधिकारी थे। कहा जाता है कि टीपू सुल्तान श्रृंगेरी के शंकराचार्य को दान देते थे, जिसमें मंदिर के पुननिर्माण और देवी सरस्वती की मूर्ति की स्थापना के लिए दी गई रकम भी शामिल थी। उन्होंने अपने साम्राज्य में स्थित विभिन्न मंदिरों को जमीन और धन दिया। उनके राज के दौरान दस-दिवसीय दशहरा समारोह मैसूर के सामाजिक जीवन का अभिन्न अंग था।

सन- 1791 में रघुनाथ राव पटवर्धन के नेतृत्व में मराठा सेना ने ऐतिहासिक श्रृंगेरी श्रद्धा पीठम- पर हमला किया और उसे लूटा। हमले की वजह से शंकराचार्य को वहां से भागना पड़ा। यह पता लगने पर टीपू सुल्तान ने गहरी नाराजगी जताई और कहा कि ऐसा करने वालों को इसका नतीजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने तुरंत धन, उपहार और पत्र भेजे ताकि मंदिर को पहले जैसी स्थिति में लाया जा सके और मूर्ति को पुनप्रर्तिष्ठापित किया जा सके। यह हमला तीसरी ब्रिटिश-मैसूर लड़ाई का हिस्सा था जिसके दौरान मराठा सेनाओं ने मंदिर को भारी नुकसान पहुंचाया जिसमें लोगों की हत्या, उन्हें घायल करना और संपत्ति की लूटपाट करना शामिल था। टीपू सुल्तान, जिनका श्रृंगेरी जगतगुरू से संवाद होता रहता था, और टीपू उन्हें अत्यंत सम्मान से संबोधित करता थे, ने मैसूर के प्रशासन को तुरंत आदेश दिया कि वहां पहले जैसी स्थिति बहाल करने में सहायता प्रदान करे। इससे यह पता चलता है कि वे हिन्दू संस्थानों को संरक्षण प्रदान करते थे। हालात बहाल करने की बात की पुष्टि कन्नड़ में लिखे गए कई पत्रों से होती है जिन्हें श्रृंगेरी पीठ में सुरक्षित रखा गया है। इनमें जगतगुरू से टीपू के इस अनुरोध का भी जिक्र है कि वे उनके साम्राज्य की समृद्धि के लिए प्रार्थना करें।

टीपू अंग्रेजों के कट्टर विरोधी थे। उनपर यह आरोप लगाया जाता है कि उन्होंने कुछ हिंदू और ईसाई समूहों को प्रताड़ित किया। इस प्रताड़ना की वजह शुद्ध राजनैतिक थी और इसका धर्म से कोई लेनादेना नहीं था। इस बारे में इतिहासवेत्ता केट ब्रित्तलबैंक का कहना है कि यह धर्म से जुड़ी नीति नहीं थी बल्कि ऐसा संबंधितों को दंडित करने के लिए किया गया थाह्यह्य। टीपू के निशाने पर सिर्फ हिन्दू समूह नहीं थे। उन्होंने महदवी जैसे कई मुस्लिम समुदायों के खिलाफ भी कार्यवाही की। इसकी वजह यह थी कि ये समुदाय अंग्रेजों का साथ दे रहे थे और इन्हें ईस्ट इंडिया कंपनी की सेनाओं में घुड़सवार के रूप में नियुक्त किया गया था। एक अन्य इतिहासविद् सुसान बाइले का कहना है कि अपने राज्य के बाहर के हिंदुओं और ईसाईयों पर उनके हमलों को राजनैतिक वजहों से किए गए हमलों के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि ठीक उसी समय मैसूर में रहने वाले हिंदुओं और ईसाईयों से उन्होंने नजदीकी रिश्ते बनाए थे।

सरफराज शेख अपनी पुस्तक सुल्तान-ए-खुदाद में टीपू सुल्तान के घोषणापत्र को उद्धत करते हैं जिसमें टीपू यह घोषणा करते हैं कि वे धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करेंगे और अपनी आखिरी सांस तक अपने साम्राज्य की रक्षा करेंगे। राकेट संबंधी तकनीक में उनकी गहरी रूचि थी। एपीजे अब्दुल कलाम अपनी पुस्तक विंग्स ऑफ फायर में इसका जिक्र प्रशंसनात्मक लहजे में करते हैं।

यह दिलचस्प है कि आरएसएस ने बच्चों के लिए भारतीय इतिहास पर केन्द्रित पुस्तकों की श्रृंखला प्रकाशित की थी जिसके अंतर्गत 1970 के दशक में उसने टीपू सुल्तान पर पुस्तक प्रकाशित की। भाजपा नेता येदियुरप्पा ने 2010 के कर्नाटक चुनावों के दौरान वोट हासिल करने के लिए टीपू का ताज पहना था। भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने टीपू जयंती के अवसर पर 2017 में भेजे एक संदेश में टीपू की प्रशंसा की थी। कोविंद आरएसएस से थे मगर उन्होंने टीपू की तारीफ करते हुए कहा ह्यह्यटीपू सुल्तान अंग्रेजों से लड़ते हुए एक वीर की तरह शहीद हुए। वे मैसूर राकेट के विकास और युद्ध में उसके उपयोग के प्रवर्तक थेह्यह्य। टीपू का चित्र हमारे संविधान की हस्तलिखित मूल प्रति, जिस पर संविधान निमार्ताओं के हस्ताक्षर हैं, के सोलहवें भाग में पृष्ठ 144 पर रानी लक्ष्मीबाई और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली अन्य हस्तियों के साथ सुशोभित हैं।

टीपू अपनी नीतियों के कारण मैसूर की जनता में लोकप्रिय थे। गांवों में गाए जाने वाले कई लोकगीतों में उनका गुणगान है। यही वजह है कि हमारे महानतम नाटककारों में से एक गिरीष कर्नाड ने कहा था कि यदि टीपू हिन्दू होते तो उनका दर्जा उतना ही ऊंचा होता जितना शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र में है। लगभग यही सपकाल ने कहा है।

कर्नाटक में देसी बीज बचाने वाली महिलाएं

– बाबा मायाराम

वनस्त्री व गांवों में घरेलू कृषि बागवानी का महत्व पता चला। परंपरागत बीजों का महत्व पता चला, जो सदियों से विकसित हुए हैं। ये बीज, स्थानीय मिट्टी पानी और जलवायु के अनुकूल होते हैं। इनमें कीट, सूखा और प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। जैवविविधता और पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका रेखांकित की, जो सदियों से है। बीज संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के आदान प्रदान में महिलाएं सदैव आगे रही हैं।

कर्नाटक राज्य में उत्तर कन्नड़ जिले की सिरसी तालुका में महिला किसानों का समूह है, जो जंगल में घरेलू कृषि बागवानी को बढ़ावा देता है। परंपरागत देसी बीजों, जैव विविधता और पर्यावरण का संवर्धन और संरक्षण करता है। वनस्त्री नामक संस्था के काम से ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी इलाकों के लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है। आज इस अनूठे महिला समूह के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे देसी बीजों को बचाने की इस पहल को जाना जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में इसके महत्व को समझा जा सके।

मैं कर्नाटक में वनस्त्री के काम को देखने के लिए कुछ साल पहले गया था। कई गांव घूमा था। और महिला समूह के सदस्यों से मिला था। इसके बाद भी वनस्त्री के कार्यकताओं से एक दो बार अलग-अलग कार्यक्रमों में मुलाकात हुई है। यहां महिलाओं ने लगातार देसी बीज बचाने, विशेषकर सब्जियों के बीज संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन बागवानी के लिए प्रोत्साहित किया है, जिससे देसी बीजों के साथ पारंपरिक ज्ञान भी बचाया जा सके। जलवायु बदलाव के दौर में प्रतिकूल परिस्थितियों, जैव विविधता व पर्यावरण को बचाया जा सके। इससे न केवल गांव, कस्बों, शहरों की महिलाओं को जोड़ा है, बल्कि दूरदराज के आदिवासियों महिलाओं को भी जोड़ा है और उन्हें प्रशिक्षित किया है।

वनस्त्री की शुरूआत 2001 में हुई। सुनीता राव ने इसकी पहल की थी, जो अपनी पढ़ाई के दौरान ही जापान के मशहूर कृषि वैज्ञानिक मोसानोबू फुकूओका से मिली थीं और प्रभावित हुई थीं। तब वह पांडिचेरी में पढ़ रही थीं, उस दौरान फुकूओका वहां आए थे। उनसे प्रभावित होकर वैसा ही काम करना चाहती थीं। एक जमाने में फुकूओका की किताब एक तिनके से आई क्रांति काफी चर्चित रही थी। फुकूओका ने खुद जापान में उनके खेत में प्राकृ तिक खेती के प्रयोग किए थे, जो बाद में दुनिया भर में चर्चित हुए।

संस्था की कार्यकर्ता सुनीता राव ने बताया था कि वनस्त्री को काम करते हुए कई साल हो गए हैं। इससे जुड़कर बड़ी संख्या में महिला किसान जंगल घरेलू कृषि बागवानी का अनूठा काम कर रही हैं। इससे खाद्य, चारा, ईंधन, रेशा, औषधियां मिलती हैं। यह बेहतर स्वास्थ्य के साथ टिकाऊ जीवनशैली का आधार है। प्रकृति से जुड़ने का एक माध्यम भी है।

सुनीता राव बताती हैं कि 'इसकी शुरूआत अनौपचारिक रूप से हुई। जब भी हम किसी के घर जाते थे तब वे सबसे पहले उनका सब्जी का बगीचा दिखाते थे, बाद में घर के अंदर ले जाते थे। उनके लिए सब्जी का बगीचा बहुत महत्वपूर्ण होता था। यह बगीचा घर के बाहर छोटे हिस्से में होता है। एक एकड़ से कम या ज्यादा भूमि के टुकड़े में हो सकता है। जिसमें मिश्रित फसलें होती हैं। विविध तरह की सब्जियां, फल- फूल, जंगली कंद-मूल व औषधिपूर्ण पौधे होते हैं।'

वे आगे बताती हैं कि 'ये महिलाएं पूरी तरह आत्मनिर्भर व स्वावलंबी हैं। वे अपने बगीचे में सब्जियां व फल उगाती हैं। फसल कटाई के बाद बीजों को चुनती हैं, उन्हें संभालती हैं, और उनका आदान-प्रदान करती हैं। परंपरागत बीजों की धरोहर व उससे जुड़े पारंपरिक ज्ञान को सहेजती हैं। मैं भी ऐसा ही कुछ काम करना चाहती थी। देसी बीजों का संरक्षण करना चाहती थी, परंपरागत ज्ञान एकत्र करना चाहती थी। इस काम को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं को जोड़ने की इच्छा थी। वनस्त्री की शुरूआत इसी तरह से हुई।'

वनस्त्री ने इस पहल को आगे बढ़ाने के लिए अलग-अलग समय में कई तरह के काम किए हैं। उन्होंने जगह-जगह जाकर देसी बीज एकत्रित किए, आपस में आदान प्रदान किए, उनके गुणधर्म जाने, और इसका प्रचार- प्रसार किया।

इस संस्था ने कोविड के दौरान रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व स्वस्थ रहने के लिए पारंपरिक काढ़े को बढ़ावा दिया है। यह हल्दी, अदरक, काली मिर्च, ब्राम्ही, तुलसी, अजवाइन, जीरे का उपयोग कर बनाया जाता है। इस काढ़े को दूध या पानी के साथ पीते हैं। लेमनग्रास, अदरक व तुलसी की चाय पी। यह पारंपरिक नुस्खा सदियों से आजमाया गया है, जो लोगों के अनुभव व पारंपरिक ज्ञान से निकला है।

वनस्त्री ने अखबारी कागज के गमले बनाए हैं। उनमें बीज और पौधे रोपकर स्थानीय स्तर पर वितरित किए। इस मुहिम में स्वैच्छिक कार्यकर्ता के रूप में कुछ युवा भी जुड़े। वनस्त्री के काम के प्रचार-प्रसार में डाकघर व डाकिया का योगदान अहम है। एक डाकिया ने शुरूआत में पर्चे बांटने में मदद की थी।

पारंपरिक बीजों के प्रचार-प्रसार और संरक्षण के लिए हर साल मलनाड़ मेला होता है। इसके आयोजन में वनस्त्री भी शामिल है। इससे ग्रामीण व शहरी समुदायों को जोड़ने की कोशिश है। इसे मलनाड वार्षिक मेला कहते हैं, जो मेलनाडु पहाड़ी श्रृंखला के नाम पर है। जिसमें महिला किसान व वनस्त्री के सदस्य आते हैं। उनके खेती व जंगल के उत्पाद लाते हैं, जिसमें बीज, औषधीय पौधे, खाद्य व गैर खेती खादय व हस्तशिल्प होता है। यह मेला एक दिन का होता है और यह भी ग्रामीण व शहरी लोग आते हैं और पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाते हैं।

इस पूरी पहल से कुछ बातें कही जा सकती हैं वनस्त्री व गांवों में घरेलू कृषि बागवानी का महत्व पता चला। परंपरागत बीजों का महत्व पता चला, जो सदियों से विकसित हुए हैं। ये बीज, स्थानीय मिट्टी पानी और जलवायु के अनुकूल होते हैं। इनमें कीट, सूखा और प्रतिकूल मौसम सहने की क्षमता होती है। जैवविविधता और पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं की भूमिका रेखांकित की, जो सदियों से है। बीज संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के आदान प्रदान में महिलाएं सदैव आगे रही हैं।

साम्प्रदायिकता की बुझे आग, हर हर दीपक बने घर घर जले चिराग

नए श्रम सुधारों से आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

एन. बाजपयी

नई श्रम संहिताएं कई तरीकों से उत्पादकता बढ़ा सकती हैं। समेकित संहिताएं औपचारिक रोजगार को प्रोत्साहित करेंगी। इसमें रोजगार अनुबंध जारी करना अनिवार्य है। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न की व्यवस्था है जिससे 'व्यापार करने में आसानी' होगी तथा नौकरशाही की देरी कम होती है। अनुपालन बोझ को कम करने से कंपनियों को व्यावसायिक गतिविधियों और कम लागत पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी।

भारतीय श्रम बाजार में एक विरोधाभास है। यह एक अत्यधिक संरक्षित औपचारिक क्षेत्र है जो पुरातन और जटिल कानूनों, नियमों व विनियमों द्वारा शासित होता है; और एक बड़ा अनौपचारिक क्षेत्र नियोक्ताओं की सनक के प्रति संवेदनशील होता है। नियामक व्यवस्था ने सही भूमिका न निभा कर विनिर्माण क्षेत्र के विकास और वृद्धि और कर्मचारी कल्याण दोनों को दोहरी मार लगाई है। इससे भारत लंबे समय से प्रभावित है।

उत्पादक क्षमता में वृद्धि से आर्थिक विकास प्रेरित होता है जो पूंजी संचय, तकनीकी प्रगति और श्रम बल के योगदान से निर्मित होता है। इसमें श्रम एक सक्रिय घटक है जो अन्य संसाधनों के योगदान को कई गुना बढ़ा देता है। श्रम बल के सर्वोतम योगदान के बिना पूंजी और प्रौद्योगिकी जैसे अन्य संसाधनों का कम उपयोग होता है जिससे उप-इष्टतम मूल्य का निर्माण होता है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा प्रकाशित आंकड़ों से संकेत मिलता है कि भारत की श्रम उत्पादकता लगभग 8 डॉलर प्रति श्रम घंटे है जबकि लक्जमबर्ग में 146 (वैश्विक स्तर पर शीर्ष स्थान), आयरलैंड में 143, नॉर्वे में 93 और सिंगापुर में 74 है। जी-20 देशों में भारत सबसे निचले पायदान पर है। यहां तक कि मध्यम आय वाली उभरती अर्थव्यवस्थाएं भी प्रति घंटे अधिक उत्पादन उत्पन्न करती हैं जो भारत की तुलना में कई गुना अधिक है।

इसके अलावा विश्व स्तर पर भारत प्रति सप्ताह 46-48 घंटे काम करने वाले शीर्ष देशों में से एक है जो चीन और जापान से भी अधिक है। फिर भी बहुत कम मजदूरी की वजह से भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रति श्रमिक उत्पादन बेहद कम होने के कारण नुकसान उठाना पड़ रहा है। बांग्लादेश, वियतनाम और चीन जैसे देशों में प्रतिद्वंद्वियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में हमारे उद्योग असमर्थ हैं। इसी पृष्ठभूमि के मद्देनजर हमंए नवंबर 2025 में मोदी सरकार द्वारा शुरू किए गए बहुत जरूरी श्रम सुधारों को देखना चाहिए।

पुराना नियामक ढांचा बेहद जटिल और अप्रचलित था जो 29 खंडित श्रम कानूनों से घिरा और ब्रिटिश राज एवं स्वतंत्रता के शुरूआती दशकों से शुरू हुआ था। 1,436 प्रावधान, 181 फॉर्म, आठ अलग-अलग पंजीकरण और 31 रिपोर्टिंग आवश्यकताएं थीं जो बहुत बोझिल और कुछ मामलों में असंगत थीं। जटिलता के कारण व्यापार करने में असहजता पैदा हुई, औपचारिक रूप सीमित हो गया और कार्यबल के बड़े हिस्से को सुरक्षा नेट के बिना छोड़ दिया गया।

खंडित श्रम कानूनों की श्रृंखला को अब चार आधुनिक और सरलीकृत श्रम संहिताओं में समेकित किया गया है- वेतन संहिता (2019), औद्योगिक संबंध संहिता (2020), सामाजिक सुरक्षा संहिता (2020) और व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य स्थिति संहिता (2020) और जो 21 नवंबर 2025 से प्रभावी हो गई है।

ये सुधार अनुपालन को सरल बनाकर, परिभाषाओं को मानकीकृत कर, कवरेज का विस्तार और गिग इकानॉमी सहित आधुनिक कार्यबल की वास्तविकताओं के साथ नियमों को संरेखित करके एक संरचनात्मक बदलाव लाते हैं। नए कोड, श्रम नियमों के कार्य करने के तरीके को बदल देंगे। इन नियमों के कारण श्रमिकों की सुरक्षा और उत्पादकता बढ़ाने के बीच संतुलन बनाने की उम्मीद है।

नई श्रम संहिताएं कई तरीकों से उत्पादकता बढ़ा सकती हैं। समेकित संहिताएं औपचारिक रोजगार को प्रोत्साहित करेंगी। इसमें रोजगार अनुबंध जारी करना अनिवार्य है। एकल पंजीकरण, लाइसेंस और रिटर्न की व्यवस्था है जिससे 'व्यापार करने में आसानी' होगी तथा नौकरशाही की देरी कम होती है। अनुपालन बोझ को कम करने से कंपनियों को व्यावसायिक गतिविधियों और कम लागत पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी। रोजगार को औपचारिक रूप देने से जनशक्ति नियोजन एवं बेहतर उपयोग की सुविधा मिलती है।

अंतरराष्ट्रीय निवेशक भारत के कठोर श्रम कानूनों, विशेष रूप से कपड़ा, चमड़ा एवं इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों में गंभीर अड़चन मानते हैं। इसलिए उन्होंने वियतनाम और बांग्लादेश जैसे देशों में काम करना पसंद किया। ये सुधार एक पूवार्नुमानित, सुव्यवस्थित वातावरण का संकेत देते हैं जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के अधिक प्रवाह को प्रोत्साहित करेगा।

सामाजिक सुरक्षा संहिता के तहत कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) और भविष्य निधि के तहत असंगठित, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए चिकित्सा देखभाल, बीमारी नकद लाभ, मातृत्व कवर तथा विकलांगता सहायता के लाभों का विस्तार एक ऐतिहासिक बदलाव है। वाणिज्य दिग्गजों द्वारा उद्योग की पैरवी के बावजूद 10 मिनट के वितरण मॉडल के खिलाफ सरकार का हालिया स्पष्ट रुख इंगित करता है कि श्रमिकों की रक्षा करने की उसकी इच्छा वास्तविक और गंभीर है।

कार्यस्थल सुरक्षा व स्वास्थ्य मानक के तहत विनियमित काम के घंटे, सुरक्षात्मक सुविधाओं तथा लैंगिक समानता मानदंडों के साथ अनिवार्य स्वास्थ्य जांच जैसे नियमों से काम करने की स्थिति में सुधार होगा, कार्यबल का मनोबल बढ़ेगा और इससे उत्पादकता में वृद्धि होगी। ये सुधार महिलाओं को रात की पाली में काम करने की अनुमति देते हैं। इसके लिए यह शर्त रखी गयी है कि वहां सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू हों।

NCR समाचार

संपादकीय कार्यालय

जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार प्रात: 9:00 से सायं 9:00

फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

यूपी विधानसभा : प्रश्नकाल में सड़क व बिजली से जुड़े विपक्ष के सवालों का सरकार ने दिया जवाब

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बुधवार को प्रश्नकाल में प्रदेश की बिजली व्यवस्था से कई प्रश्न उठे। सरकार का पक्ष रखते हुए ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार में 2017 की अपेक्षा बिजली उपभोक्ता अब दोगुना हो गए हैं। सदन में आज सदस्य अतुल प्रधान के सवाल पर ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि 2017 में एक लाख 20 हजार मजरों का विद्युतीकरण हुआ था। अब तक दो लाख 50 हजार मजरों का विद्युतीकरण किया गया है। डॉ रागिनी के सवाल पर शर्मा ने कहा कि हम लाइफ लाइन कंज्यूमर (गरीब जो कम बिजली खर्च करते हैं) को विशेष सुविधा दे रहे हैं। प्रदेश में हमारे तीन करोड़ 72 लाख ग्राहक हैं। 2017 में 01 करोड़ 80 लाख ग्राहक थे। कुल ग्राहकों में से एक करोड़ 68 लाख लाइफ लाइन कंज्यूमर हैं। उन्होंने बताया कि पहली बार राज्य में बकाया बिजली पर ब्याज 100 फीसदी माफ और 25 फीसदी मूलधन माफ किया है। सरकार को 4 हजार 600 करोड़ मिला है। इसका लाभ आठ हजार करोड़ से अधिक ग्राहकों को मिला है। विपक्ष के राकेश वर्मा के एक अन्य सवाल पर एके शर्मा ने कहा कि जितनी बिजली आप पैदा कर रहे थे, उतनी बिजली हमारी सरकार में सोलर से पैदा हो रही है। सदन में प्रश्नकाल में विपक्ष के सदस्यों ने सड़कों की स्थिति जुड़े सवाल उठाये। समाजवादी पार्टी के विधायक अनिल प्रधान के सवाल पर संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सदस्य को मालूम होना चाहिए। प्रदेश में अब योगी सरकार है। यह पहले वाले समय को समझ रहे हैं। उसी हिसाब से सड़कों के हाल पर बोल रहे हैं। अब सड़कों की हालत बहुत अच्छी है। पहले इनकी सरकार में सड़क निर्माण के बाद आठ साल में मरम्मत की व्यवस्था थी। उसे हमने कम करते हुए पांच साल कर दिया है। सड़क निर्माण के बाद अब पांच साल में सड़क रिपेयर की जाती है। रही बात चित्रकूट की करें तो वहां 150 सड़कें बनीं। आपकी विधानसभा में वर्ष 2025-26 में 205 किलोमीटर पैचवर्क का कार्य किया गया। इस सरकार में सड़क की स्थिति ठीक हुई है। हकीकत यह है कि जिन मार्गों से चार से पांच घंटे यात्रा करने में लगता था, उनपर दो ढाई घण्टे लग रहे हैं।

ब्लॉक में स्वरोजगार बढ़ाने की नीतियों पर हुआ मंथन

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर के हलिया ब्लॉक सभागार बुधवार को राष्ट्रीय ग्राम स्वरोजगार अभियान विषयक प्रशिक्षण का शुभारंभ बीडीओ विजय शंकर त्रिपाठी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, पंचायत सहायक और ग्राम सचिवों ने भाग लिया। बीडीओ ने कहा कि प्रशिक्षण का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों को रोजगार से जोड़ना और स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय कर लघु उद्योगों के माध्यम से आय बढ़ाना है। सीएम फेलो गौरव कुमार ने ग्राम पंचायत विकास की नौ प्रमुख थीम पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पंचायत निधि के सही उपयोग, विद्यालयों में एमडीएम व्यवस्था, पोषण वाटिका और जमीनी स्तर पर प्रभावी कार्यान्वयन पर जोर दिया। एडीओ पंचायत रूपेश श्रीवास्तव ने समूह आधारित उत्पादन और विपणन को आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम बताया। मास्टर ट्रेनरों ने स्वच्छता मार्ट, आरसी सेंटर और स्थानीय संसाधनों से आय सृजन के मॉडल समझाए।

योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर में योग गुरु ने सिखाया फिट रहने का मंत्र, कराया सूर्य नमस्कार

मीरजापुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद मीरजापुर नगर के गणेशगंज स्थित केबी पीजी कॉलेज के बीएड विभाग में चल रहे पांच दिवसीय निशुल्क योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर के तीसरे दिन बुधवार को परिसर योगमय हो उठा। युवा भारत की ओर से आयोजित शिविर में सह राज्य प्रभारी एवं राष्ट्रीय योग गुरु योगी ज्वाला सिंह ने अभ्यर्थियों को खड़े होकर किए जाने वाले विभिन्न आसनों के साथ सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया। योग गुरु ने ताड़ासन, ऊर्ध्व ताड़ासन, त्रिकोणासन, कोणासन और वृक्षासन का विधिवत अभ्यास कराते हुए उनके लाभ बताए। इसके बाद सूर्य नमस्कार के बारह चरणों का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि व्यस्त दिनचर्या के बीच यदि व्यक्ति रोज दस से पंद्रह मिनट निकाल कर पांच से सात चक्र सूर्य नमस्कार करे तो शरीर का सर्वांगीण विकास संभव है। इससे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन बना रहता है।

2027 में बसपा अकेले दम पर लड़ेगी चुनाव : मायावती

लखनऊ, एजेंसी। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने बुधवार को कहा है कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। वह किसी भी दल से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि गठबंधन से बसपा से नुकसान होता है। उन्होंने कार्यकताओं से अपील की है कि वे भ्रामक खबरों पर ध्यान न देकर पार्टी को मजबूत करने में अपना सहयोग दें। बसपा प्रमुख मायावती ने एक पत्रकारवार्ता में कहा है कि मीडिया में चर्चा है कि आगामी 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव बसपा गठबंधन में लडेंगी। उन्होंने कहा कि यह विशुद्ध रूप से पार्टी कार्यकर्तओं और लोगों को गुमराह करने के लिए फेक न्यूज चलवाई गई हैं। यह बिल्कुल गलत, झूठ और मनगढ़ंत खबर है। ऐसे में नेताओं के साथ-साथ मीडिया को भी इस प्रकार की कटी पतंग जैसी उड़ान भरके अपना मजाक खुद उड़ाने से बचना चाहिए। मायावती ने कहा कि वह एक बार नहीं बल्कि हर बार पार्टी की बैठक में यहां तक बीते नौ अक्टूबर को लखनऊ में आयोजित विशाल रैली में भी इसकी खुली घोषणा की थी कि बसपा अकेले दम पर चुनाव लड़ेगी। लेकिन कुछ लोग और मीडिया भी इनकी घिनौनी साजिश में पड़कर इस प्रकार की गलत खबर प्रचारित करके अपना समय और छवि दोनों बर्बाद कर रहे हैं। इस पर लोगों को बिल्कुल ध्यान देने की जरूरत नहीं है। मायावती ने कहा कि बसपा के लोग अपने 2027 के मिशन में अकेले पूरे जी-जान से लगे हुए हैं। जिस पर से उन लोगों को ध्यान भटकाने के लिए इस प्रकार की साजिश करते रहते हैं। पार्टी पदाधिकारियों से अपील है कि ऐसी मनगढ़ंत बातों पर कतई ध्यान न दें और वे हाथी के मस्त चाल चलते रहे और 2007 की तरह अकेले ही यह चुनाव लड़कर फिर से बसपा की, पूर्ण बहुमत की अपनी सरकार बनाए। बसपा प्रमुख ने दिल्ली में आवंटित टाइप-8 सरकारी बंगले को लेकर हो रही चर्चाओं पर अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्हें सुरक्षा कारणों और प्रोटोकॉल के तहत यह सरकारी बंगला आवंटित हुआ है। इसको लेकर किसी भी तरह की भ्रामक जानकारी फैलाना गलत है। बसपा प्रमुख ने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आयेगा तो विरोधियों के साम, दाम, दण्ड, भेद आदि के हथकंडे और बसपा को सत्ता से दूर रखने के षड्यंत्र बढ़ते ही जायेंगे, जैसा कि हमेशा से होता रहा है। इसलिए केवल यूपी ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में सभी अम्बेडकरवादियों को विरोधियों के दांत खट्टे कर देने वाली केवल एकमात्र अपनी पार्टी व उसके नेतृत्तव पर भरोसा करके बाबा साहेब के आत्मसम्मान व स्वाभिमान के मूवमेंट को मजबूती प्रदान करने के लिए मिशनरी भावना के साथ इन्हें पूरे तन, मन, धन से लगे रहना बहुत जरूरी है।

केन्द्रीय बजट 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला : डॉ केके मिश्रा

मुरादाबाद, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुरादाबाद महानगर की देहात विधानसभा में बुधवार को केंद्रीय बजट 2026-27 को लेकर "बजट परिचर्चा" का आयोजन नबीनगर स्थित मंडल कार्यालय पर किया गया। परिचर्चा में मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ केके मिश्रा ने कहा कि केंद्र सरकार की ओर से हाल ही में प्रस्तुत किया गया बजट 2047 के विकसित भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण है। डॉ केके मिश्रा ने आगे कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से प्रस्तुत बजट मुख्य रूप से युवा, महिला, किसान, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और गरीबों के सशक्तिकरण पर केंद्रित है। यह बजट ग्रामीण विकास, बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन को बढ़ावा देगा। साथ ही उत्तर प्रदेश के विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाला बजट है। यह बजट राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर उद्योग, कृषि और युवाओं का ग्रोथ इंजन बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा महानगर उपाध्यक्ष दिनेश सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार का यह बजट समावेशी विकास को ध्यान में रखकर बनाया गया है।

यह बजट सर्व समाज का बजट है। बजट में स्वास्थ्य सेवा का बहुत ध्यान रखा गया है। इस बजट में स्वास्थ्य से संबंधित 36 जीवन रक्षक दवाओं जैसे कैंसर और गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली दवाओं को सीमा शुल्क से छूट दी गई है। संचालन कार्यक्रम संयोजक राहुल शर्मा ने किया। बजट चौपाल में सह संयोजक नवदीप टंडन, पूर्व महानगर अध्यक्ष धर्मेंद्र नाथ मिश्रा, प्रांतीय परिषद सदस्य निमित जायसवाल, महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता सहित विशाल त्यागी, सुनीता शर्मा, शम्मी भटनागर, अजय वर्मा, राजदीपक शर्मा, शशि किरण, मंडल अध्यक्ष विपिन प्रजापति, सोमपाल सिंह, विशाल रस्तौगी, वीरपाल सिंह, संजय कुमार, मयंक कश्यप, पार्षद पंकज शर्मा, शीतल रानी, टीटू सैनी, दिनेश गोला, क्षमा अग्रवाल, मीना सक्सेना, नमिता सक्सेना, सुनीता सक्सैना, निर्वेश भटनागर आदि रहे।

एक नजर

गंगा घाट पर दिखा मगरमच्छ

मीरजापुर, एजेंसी। जिगना क्षेत्र के डंगहर गांव स्थित गंगा घाट पर बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब डुबकी लगाने पहुंचे लोगों ने पानी के किनारे करीब तीन फीट लंबा मगरमच्छ देखा। अचानक मगरमच्छ नजर आते ही घाट पर मौजूद श्रद्धालु सुरक्षित स्थान की ओर भागने लगे। देखते ही देखते खबर पूरे गांव में फैल गई और कौतूहलवश बड़ी संख्या में लोग घाट पर जुट गए। सूचना मिलने पर ग्राम प्रधान कृष्ण जीत सिंह ने वन विभाग को अवगत कराया। मौके पर पहुंचे वनकर्मियों ने सावधानी बरतते हुए मगरमच्छ को पकड़ लिया। वन दरोगा अवधेश यादव ने बताया कि पकड़े गए मगरमच्छ को वन क्षेत्र के किसी सुरक्षित जलाशय में छोड़ा जाएगा, ताकि लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। घटना के बाद घाट पर कुछ देर तक दहशत का माहौल बना रहा।

एयरपोर्ट इंडिया के चेयरमैन ने मां विंध्यवासिनी का किया दर्शन-पूजन

मीरजापुर, एजेंसी। विंध्याचल धाम में बुधवार को एयरपोर्ट इंडिया के चेयरमैन विपिन कुमार एवं रक्षा मंत्रालय नई दिल्ली के विशेष सचिव समीर सिन्हा ने मां विंध्यवासिनी के दरबार में हाजिरी लगाई। दोनों अधिकारियों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर माताजी का आशीर्वाद लिया। तीर्थ पुरोहित श्याम दत्त पाठक ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। दर्शन-पूजन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रही। अधिकारियों ने मां विंध्यवासिनी से देश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस अवसर पर तीर्थ पुरोहित एवं युवा नेता शनि दत्त पाठक भी उपस्थित रहे। दर्शन के बाद दोनों अतिथियों ने मंदिर व्यवस्था की सराहना की और कुछ समय तक धाम के धार्मिक वातावरण का आनंद लिया।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से घायल मासूम की मौत

अमेठी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी के जामो थाना क्षेत्र अंतर्गत अलीपुर गांव में मंगलवार की देर शाम घर के बाहर खेल रहे 4 वर्षीय मासूम को तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रैक्टर ने कुचल दिया। जिसकी इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई है। परिजनों की तहरीर पर पुलिस सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर रही है। इस घटना के संबंध में बुधवार को गौरीगंज के पुलिस क्षेत्राधिकारी अखिलेश कुमार वर्मा ने बताया कि जामो वारिसगंज रोड पर ट्रैक्टर द्वारा बच्चे को टक्कर मार दिया गया था। जिसको इलाज के लिए सीएचसी जामो ले जाया गया। जहां पर प्राथमिक उपचार होने के बाद डॉक्टरों ने उसे सूर्या अस्पताल रेफर कर दिया। निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मासूम की मृत्यु हो गई है। इसके संबंध में परिजनों की तहरीर पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

दिव्यांगजनों ने अंत्योदय राशन कार्ड सहित कई मांगों को लेकर किया प्रदर्शन, डीएसओ ने दिया आश्वासन

कानपुर, एजेंसी। आर्थिक रूप से कमजोर दिव्यांगजन अपने परिवार का भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं। उन्हें उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन भी नहीं मिल पा रहा है, जिससे दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। इस संबंध में कई बार जिलाधिकारी और जिला खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपा जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यह बातें बुधवार को राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने कही। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के कार्यकताओं ने कचहरी स्थित जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय परिसर में अंत्योदय राशन कार्ड बनाने, राशन की दुकानों में पांच प्रतिशत आरक्षण के तहत दुकानों के आवंटन और उज्ज्वला योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शासनादेश जारी होने के बावजूद दिव्यांगजनों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि अंत्योदय राशन कार्ड और उज्ज्वला योजना का लाभ मिलने से वंचित दिव्यांगजन गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। उन्होंने बताया कि राशन की दुकानों में दिव्यांगों के लिए निर्धारित पांच प्रतिशत आरक्षण के तहत आवंटन नहीं किया जा रहा है।

स्किल हब' बनेगा उत्तर प्रदेश, 'कौशल कनेक्ट सेल' से युवाओं को सीधे मिलेगा रोजगार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संकल्प को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन (यूपीएसडीएम) ने एक बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश में निवेश करने वाले बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत के अनुसार प्रशिक्षित कार्यबल उपलब्ध कराने के लिए 'कौशल कनेक्ट सेल' बनाई गई है। बुधवार को प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मिशन में प्रशिक्षण और सेवायोजन (रोजगार) की प्रक्रिया को गति देने के लिए स्पीडअप-पीएमयू को आबद्ध किया गया है। यह पीएमयू अब 'कौशल कनेक्ट सेल' के माध्यम से निवेशकों के साथ रियल-टाइम समन्वय स्थापित करेगा। उन्होंने बताया कि 'कौशल कनेक्ट सेल' केवल एक प्रशासनिक इकाई नहीं होगी, बल्कि इसके कार्य जमीन पर बदलाव लाएंगे।

उन्होंने कहा कि रियल-टाइम ट्रैकिंग कर इन्वेस्ट यूपी के साथ दैनिक समन्वय कर निर्गत प्रोजेक्ट्स की स्थिति को अपडेट रखना यह सेल का मुख्य कार्य होगा।

सड़क हादसे में बाइक सवार नाना-नाती की दर्दनाक मौत

सुलतानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में बुधवार दोपहर प्रयागराज-अयोध्या हाइवे पर मोटर साईकिल सवार को एक तेज रफ्तार रोडवेज बस ने टक्कर मार दी। हादसे में नाना और नाती गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोग उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज ले गए, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के अहिमाने बाजार के पास तिवारीपुर निवासी अरविंद श्रीवास्तव (60) अपने नाती श्रेयांस श्रीवास्तव उर्फ चाहत (24) के साथ अहिमाने बाजार जा रहे थे। श्रेयांस अमेठी जिले के पूरे लाला राम प्रसाद के रहने वाले थे। जब वे दोनों हाइवे पर जोगीबिर के निकट प्राइमरी स्कूल के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और दोनों सड़क पर दूर जा गिरे। दोनों ने हेलमेट नहीं पहना था, जिसके कारण उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल उन्हें एक निजी वाहन से राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। इमरजेंसी में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में शोक छा गया। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। कोतवाली

इंटर की छात्रा का फांसी के फंदे से लटका मिला शव

सुलतानपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर के हलियापुर थाना क्षेत्र के रामपुर बाबुआन गांव में इंटरमीडिएट की एक छात्रा ने बीती रात मंगलवार को घर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बेटी का शव फंदे से लटकता देख परिवार में कोहराम मच गया। हलियापुर क्षेत्र के रामपुर बाबुआन गांव निवासी छात्रा लक्ष्मी सेन (22) पुत्री जग नारायण यादव इन दिनों बोर्ड परीक्षा (इंटर) की तैयारी कर रही थी। परिजनों का कहना है कि वह पढ़ाई को लेकर तनाव में थी। बीती शाम मंगलवार को वह अपने कमरे में गई और काफी देर तक बाहर नहीं निकली। परिजनों ने दरवाजा खोला तो बेटी को फांसी के फंदे से लटका देखा। सूचना पर पहुंची हलियापुर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। क्षेत्राधिकारी बल्दीराय आशुतोष कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

सोशल मीडिया के दौर में पुस्तकों से जुड़ाव और भी अधिक आवश्यक : रमेश प्रसाद गुप्ता

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जनपद मुरादाबाद महानगर में कांठ रोड स्थित पुलिस मॉडर्न स्कूल में दो दिवसीय पुस्तक मेले का शुभारम्भ बुधवार को हुआ। मेले का शुभारंभ पीएसी 24वीं बटालियन के सेनानायक रमेश प्रसाद गुप्ता द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के सोशल मीडिया के दौर में पुस्तकों से जुड़ाव और भी अधिक आवश्यक हो गया है। विद्यालय की प्रधानाचार्या ज्योति सिंह ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर विद्यार्थियों की प्रतिभा निखारने और उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। इसी उद्देश्य से दो दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें विभिन्न विषयों की ज्ञानवर्धक पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यदि बच्चे पुस्तकों से प्रेम करना सीख जाएं, तो जीवन में कभी निराशा का सामना नहीं करना पड़ेगा। पुस्तकें आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच और व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं।

बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री की प्रयागराज में सात मार्च से शुरू होगी हनुमंत कथा, जुटेंगे लाखों भक्त : डॉ उदय प्रताप सिंह

प्रयागराज, एजेंसी। बाबा बागेश्वर धाम पंडित धीरेन्द्र शास्त्री की होने वाली श्री हनुमंत कथा को लेकर प्रयाग उत्थान समिति की कोर कमेटी की तैयारी बैठक बुधवार को ठाकुर हर नारायण सिंह पी जी कालेज करैला बाग के सभागार में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कार्यक्रम के मुख्य संयोजक डॉ उदय प्रताप सिंह ने बताया कि 7 से 11 मार्च तक परेड ग्राउंड में बाबा बागेश्वर धाम धीरेन्द्र शास्त्री की पंच दिवसीय श्री हनुमंत कथा का विशाल आयोजन किया जाएगा। जिसका शुभारम्भ विशाल मंगल कलश यात्रा के साथ किया जाएगा। जिसमें 21 हजार महिलाएं पीत वस्त्र धारण कर मंगल कलश यात्रा में शामिल होंगी। जिसमें पंडित धीरेंद्र शास्त्री के संग रामानंद सागर सीरियल के राम, सीता और लक्ष्मण का किरदार निभाने वाले प्रसिद्ध कलाकार अरूण गोविल, दीपिका और सुनील लहरी शामिल होंगे।

जौनपुर में मतदाताओं के नाम कटने के विरोध में प्रदर्शन, एडीएम कर रहे जांच

जौनपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित केराकत तहसील क्षेत्र के मुर्की गांव में एक मतदाता की ईपिक संख्या का कथित दुरुपयोग कर प्रारूप-7 के माध्यम से 146 मतदाताओं के नाम कटवाने के लिए आवेदन जमा किया गया। ग्रामीणों के विरोध के बाद एडीएम ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। मुर्की निवासी सुमैया बानो पत्नी मोहम्मद अफसर ने निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की है कि उनकी वोटर आईडी संख्या का गलत इस्तेमाल करते हुए ग्राम पंचायत की भाग संख्या 138 व 139 से 146 मतदाताओं को स्थायी रूप से स्थानांतरित दर्शाकर नाम विलोपन का आवेदन तहसील में प्रस्तुत किया गया। जबकि निर्वाचन नामावली के भाग संख्या 139, क्रम संख्या 103 पर उनका नाम विधिवत दर्ज है। उन्होंने इसे बदनाम करने की साजिश बताते हुए प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

निवेशकों को झांसा देकर 14 करोड़ हड़पने वाली महिला अधिकारी गिरफ्तार

लखनऊ (एजेंसी)। आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने निवेशकों के 14 करोड़ रुपये हड़पने के आरोप में पियर्स एलाइड कारपोरेशन लिमिटेड कंपनी की अतिरिक्त निदेशक मंजू दूबे उर्फ मंजू उपाध्याय को गिरफ्तार किया है। इस संदर्भ में निवेशकों की शिकायत पर लखनऊ के आलमबाग थाने में 2017 में मामला दर्ज किया गया था। शासन के निर्देश पर मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई थी। जांच में सामने आया कि दिल्ली व हरियाणा में पंजीकृत कंपनी के निदेशकों ने आरबीआइ में पंजीकरण के बिना ही कंपनी के सीएमडी दुर्गा प्रसाद दूबे ने अन्य निदेशकों के साथ मिलकर बिजनौर समेत यूपी के कई जिलों में बैंकिंग कार्यालय खोले थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के निदेशकों ने निवेशकों को आरडी व एफडी योजना में निवेश पर लालच देकर 14 करोड़ रुपये निवेश कराए थे। कुछ समय बाद कंपनी के निदेशक, निवेशकों को कूटरचित बांड देकर फरार हो गए। निवेशकों को जब यह बात पता चली कि उन्हें दिए गए बांड व अन्य दस्तावेज कूटरचित हैं तो उन्होंने मुकदमा दर्ज कराया था। ईओडब्ल्यू की जांच में कुल 13 अभियुक्त दोषी पाए गए थे। इनमें से छह आरोपितों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। शेष सात आरोपी की गिरफ्तारी के क्रम में मंजू दुबे लखनऊ से गिरफ्तार किया गया है। मंजू ने पुलिस को गुमराह करने के लिए कानपुर के कर्नलगंज थाना क्षेत्र का पता दिया था, जबकि उनका स्थायी निवास ग्राम डोल छपरा, देवरिया है।

जम्मू-कश्मीर में पंचायत और नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, ओबीसी रिपोर्ट का इंतजार

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर सरकार ने बताया कि प्रदेश में पंचायत और नगर निकाय के चुनाव जल्द कराने के लिए आवश्यक तैयारियाँ हो रही हैं। इसके साथ ही, अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट, जिसके आधार पर पंचायतों और नगर निकायों में आरक्षण होना है, सक्षम प्राधिकारी के विचाराधीन है। विधायक मीर मोहम्मद फैयाज के प्रश्न पर निर्वाचन विभाग ने बताया कि जम्मू-कश्मीर पंचायती राज अधिनियम, 1989 और जम्मू-कश्मीर म्यूनिसिपल अधिनियम, 2000 के तहत मतदाता सूची की तैयारी और चुनाव का संचालन प्रदेश चुनाव आयोग के द्वारा किया जाएगा। पंचायतों और बीडीसी का कार्यकाल नौ जनवरी 2024 को समाप्त हो गया, जबकि डीडीसी का कार्यकाल 24 फरवरी 2026 को समाप्त होगा। श्रीनगर नगर निगम का कार्यकाल पांच नवंबर 2023 को और जम्मू नगर निगम का कार्यकाल 14 नवंबर 2023 को समाप्त हो चुका है। अन्य नगर परिषदों और समितियों का कार्यकाल अक्टूबर से नवंबर 2023 के बीच समाप्त हो गया है। उमर सरकार ने बताया कि 77 यूएलबी के लिए परिसीमन प्रक्रिया शुरू की गई थी, जिसमें से 72 का सीमांकन पूरा हो चुका है। पंचायतों में सरपंच और पंच वार्डों का आरक्षण केवल ओबीसी आयोग की रिपोर्ट की स्वीकृति के बाद किया जाएगा।

कांग्रेस सांसद सैलजा ने पीयूसी नहीं होने पर 10,000 के चालान को गलत बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के सिरसा से कांग्रेस सांसद कुमारी सैलजा ने राज्य में दोपहिया वाहनों के लिए प्रदूषण प्रमाण पत्र (पीयूसी) नहीं होने पर 10,000 रुपये तक के चालान को तर्कसंगत बनाने की मांग उठा दी है। उन्होंने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखकर उच्च जुर्माने पर आपत्ति दर्ज करा दी है। कांग्रेस सांसद सैलजा ने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम के तहत यह अधिकतम जुर्माना चार पहिया या भारी वाहनों के लिए उचित हो सकता है, लेकिन स्कूटी और बाइक जैसी छोटी दोपहिया गाड़ियों के लिए यह आम और मध्यम वर्ग के लिए आर्थिक रूप से भारी है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने जवाब में बताया कि 10,000 रुपये की अधिकतम सीमा अधिनियम में निर्धारित है, लेकिन राज्य सरकारें मोटर वाहन अधिनियम की धारा 200 के तहत अपराध को कंपाउंड कर जुर्माने की राशि तय कर सकती हैं। इस पर सैलजा ने हरियाणा सरकार से आग्रह किया कि वह जुर्माने की राशि वाहन की इंजन क्षमता (सीसी) के अनुसार निर्धारित करे। उन्होंने सुझाव दिया कि 100-150 सीसी तक की स्कूटी और मोटरसाइकिल के लिए जुर्माना 500 से 1,000 रुपये के बीच सीमित होना चाहिए। सैलजा ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और जनहित होना चाहिए, न कि आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालना। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि आम लोगों के हित में इस विषय पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाए, जिससे नियम भी लागू हों और जनता पर अनावश्यक दंड न पड़े।

अरुणाचल प्रदेश में पुलिस ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। अरुणाचल प्रदेश के लोंगडिंग जिले में सुरक्षा बलों ने एक बड़ी आतंकवादी साजिश को नाकाम कर एनएससीएन-आईएम के उग्रवादी को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई में असम राइफल्स, स्पेशल टास्क फोर्स और लोंगडिंग पुलिस की संयुक्त टीम शामिल थी। जानकारी के आधार पर, सुरक्षा बलों ने टिसिंग क्षेत्र में अभियान चलाया और 35 वर्षीय स्वघोषित कैप्टन पोंगलेम वांगपान को हिरासत में लिया। वह नेशनल सोशलिस्ट काउंसिल ऑफ नागालिम के इसाक-मुइवा गुट का सदस्य और चार सदस्यीय समूह का नेतृत्व कर रहा था, जिसने कथित तौर पर किसी अज्ञात लक्ष्य का अपहरण या हत्या करने की योजना बनाई थी। तलाशी के दौरान उसके पास 5.56 मिमी इंसास राइफल के साथ एक मैगजीन, 9 मिमी पिस्तौल के साथ एक मैगजीन, 18 राउंड 5.56 मिमी कारतूस और दो राउंड 9 मिमी पिस्तौल बरामद किए। संयुक्त सुरक्षा बलों की त्वरित कार्रवाई ने नियोजित आतंकवादी घटना को सफलतापूर्वक टाल दिया। पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है और अन्य संदिग्ध स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है, ताकि शेष आतंकवादियों का पता लगाया जा सके। इसी बीच, नामसाई जिले में पुलिस ने करीब सात लाख रुपये मूल्य की 133 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त कर एक महिला को गिरफ्तार किया। यह मामला एनडीपीएस अधिनियम के तहत दर्ज किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने और नशामुक्त समाज सुनिश्चित करने के प्रयासों का हिस्सा है। अरुणाचल प्रदेश पुलिस ने सीमा सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी तत्परता और प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इस अभियान से यह स्पष्ट हुआ कि राज्य में सुरक्षा बल लगातार आतंकी गतिविधियों और मादक पदार्थों की तस्करी दोनों के खिलाफ सक्रिय हैं। लोंगडिंग और नामसाई में की गई कार्रवाइयों ने संभावित आतंकवादी हमले और नशे की आपूर्ति को रोककर क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

अमेरिका-पाकिस्तान के बीच बढ़ती दोस्ती पर जयराम का तंज... मोदी सरकार की कूटनीति फेल

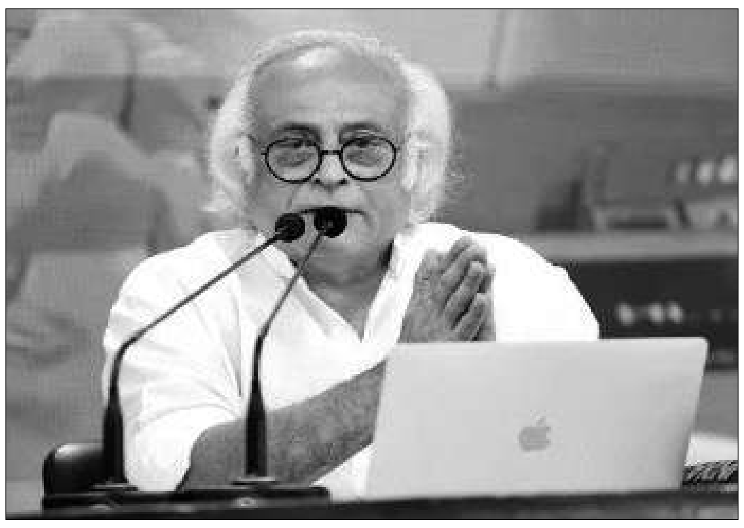

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे एआई इम्पैक्ट समिट को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से हमला कर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि स्वघोषित विश्वगुरु दुनिया को संक्षिप्त शब्दों के माध्यम से ज्ञान देने में व्यस्त हैं। कांग्रेस नेता जयराम ने अपनी पोस्ट में गुरुवार को बोर्ड ऑफ पीस कार्यक्रम के दौरान पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की मुलाकात पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच संबंध पहले की तरह ही मजबूत हैं।

कांग्रेस नेता रमेश ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को पहलगाम आतंकी हमले की साजिश रचने के लिए वैश्विक मंच पर कोई कीमत नहीं चुकानी पड़ी है, और इस घटनाक्रम को मोदी सरकार की कूटनीति पर एक निराशाजनक टिप्पणी बताया। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन में हाल के घटनाक्रमों से साफ है। भारत सरकार के कई प्रयासों के बाद भी पाकिस्तान की अमेरिका में इज्जत बनी हुई है। राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रमेश ने कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान के बीच का रोमांस बेरोकटोक जारी है। गुरुवार को वाशिंगटन डीसी में फिर इसका प्रदर्शन देखने को मिला। इस बीच, स्वघोषित विश्वगुरु अपने संक्षिप्त नामों के माध्यम से दुनिया को ज्ञान देने और सीईओ को अपना हाथ थामकर उनके प्रति एकजुटता दिखाने के लिए मजबूर करने में व्यस्त हैं। यह मोदी शासन है, जो भारत को नुकसान पहुंचाने वाला अधिकतम दिखावा है।

भारत एआई इम्पैक्ट समिट, ग्लोबल साउथ में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन, एआई की परिवर्तनकारी क्षमता पर विचार करता है, जो सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय (सभी के लिए कल्याण, सभी के लिए सुख) के राष्ट्रीय दृष्टिकोण और मानवता के लिए एआई के वैश्विक सिद्धांत के अनुरूप है। यह शिखर सम्मेलन कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शासन, सुरक्षा और सामाजिक प्रभाव पर वैश्विक सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से विकसित हो रही एक अंतरराष्ट्रीय प्रक्रिया का हिस्सा है।

प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के खिलाफ जारी किया 20 सूत्री आरोपपत्र

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम की राजधानी गुवाहाटी में गुरुवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली असम सरकार के खिलाफ 20 सूत्री आरोपपत्र जारी किया, जिसमें राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार में लिप्त रहने और अल्पसंख्यकों को डरने के लिए सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने अमस में विधानसभा चुनावों से पहले यह आरोपपत्र जारी किया। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि एक दशक के शासनकाल के बावजूद भाजपा सरकार 6 आदिवासी समुदायों को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिलवाने और चाय बागान श्रमिकों की दैनिक मजदूरी बढ़ाकर 351 रुपये करने के अपने वादे को पूरे करने में विफल रही। असम विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी की उम्मीदवार चयन समिति की अध्यक्ष प्रियंका गांधी वाड्रा की दो दिवसीय असम दौरे पर हैं। कांग्रेस ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके करीबी मंत्रियों एवं उनके परिवार के सदस्यों पर अवैध रूप से संपत्ति जमा करने का आरोप लगाया।

जिस वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार थे भागवत... उस पर हरदोई में हुई पत्थरबाजी

हरदोई, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में गुरुवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की यात्रा के दौरान वंदे भारत एक्सप्रेस पर कथित पत्थरबाजी की घटना सामने आई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह घटना कौधा गांव के पास दोपहर करीब 3¬20 बजे हुई, जिसमें ट्रेन के सी4 कोच की एक खिड़की का शीशा टूट गया। भागवत पूरी तरह सुरक्षित रहे और उनके साथ यात्रा कर रहे अन्य लोग भी घायल नहीं हुए। वे लखनऊ-दिल्ली वंदे भारत एक्सप्रेस से मेरठ लौट रहे थे। इस घटना के बाद रेलवे सुरक्षा बल ने जांच शुरू कर दी है। मेरठ में विशेष जांच दल पहुंचने की उम्मीद है, जो पत्थरबाजी की परिस्थितियों और आरोपियों की पहचान करेगी। भागवत को भारी सुरक्षा के बीच रात 9 बजे मेरठ रेलवे स्टेशन पर उतारा गया और वे शताब्दी नगर स्थित माधव कुंज पहुंच गए। उन्होंने 20 और 21 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय संवाद कार्यक्रम में भाग लेना है, जिसमें खिलाड़ी और बुद्धिजीवी शामिल होने वाले है। इसके पहले, 9 फरवरी को महाराष्ट्र में कोंकण रेलवे लाइन पर वंदे भारत ट्रेन का एक और हादसा हुआ था। मुंबई से गोवा जा रही ट्रेन मवेशियों से टकरा गई, जिससे ट्रेन के ओवरहेड बिजली उपकरण क्षतिग्रस्त हो गए और रेल सेवाएं कई घंटों तक बाधित रहीं। दोनों घटनाओं ने वंदे भारत एक्सप्रेस की सुरक्षा और संचालन पर चिंता बढ़ा दी है। रेलवे प्रशासन ने इन घटनाओं के मद्देनजर सुरक्षा और निगरानी को बढ़ाने का निर्णय लिया है। हरदोई की घटना में किसी के हताहत न होने और भागवत की सुरक्षा बनाए रखने के बावजूद, पत्थरबाजी ने यात्रियों और अधिकारियों में डर और चिंता पैदा कर दी है। अब मामले की गहन छानबीन की जा रही है ताकि जिम्मेदारों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जा सके।

बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हुआ सिस्टम, 7 राज्यों में भारी बारिश और आंधी का अलर्ट

मौसम ने अचानक ली करवट, जाते-जाते सर्दी लौटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिसके चलते सर्दी जाते-जाते फिर लौट आई है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने 20 से 24 फरवरी के बीच देश के कई हिस्सों में तेज बारिश, गरज-चमक, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। बंगाल की खाड़ी में सक्रिय समुद्री सिस्टम और पश्चिमी विक्षोभ के असर से पहाड़ों से लेकर दक्षिण भारत तक मौसम असामान्य रहने का अनुमान है।

आईएमडी के मुताबिक उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी गई है। कई इलाकों में 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। बारिश के कारण तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट होने का अनुमान है।

दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर और श्रीलंका तट के आसपास समुद्र में ऊंची लहरें उठ सकती हैं। मछुआरों को समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है। तेज आंधी और बिजली गिरने से जनजीवन प्रभावित हो सकता है।

दिल्ली-एनसीआर में तेज बारिश और 40-50 किमी प्रति घंटे की हवाओं की संभावना है। अधिकतम तापमान करीब 26 डिग्री और न्यूनतम 13 डिग्री रह सकता है। बारिश के बाद प्रदूषण स्तर में अस्थायी सुधार हो सकता है, हालांकि ट्रैफिक और उड़ानों पर हल्का असर पड़ सकता है।

उत्तराखंड के देहरादून, नैनीताल, चमोली और पिथौरागढ़ में 22 से 24 फरवरी के बीच बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मनाली में भी बर्फबारी की चेतावनी है। जम्मू-कश्मीर में हल्की बारिश और बर्फबारी से ठंड बढ़ सकती है।

पूर्वी और मध्य भारत के राज्यों बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी तेज हवाओं और हल्की बारिश का असर रहेगा। तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में गरज-

चमक के साथ मध्यम बारिश की संभावना है। आईएमडी ने नागरिकों को मौसम अपडेट पर नजर रखने और प्रभावित क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है।

रणवीर सिंह से हैरी बॉक्सर ने मांगी 10 करोड़ की रंगदारी, स्टार की सुरक्षा बढ़ाई

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह को हाल ही में बिश्नोई गैंग से मिली धमकी और रंगदारी के मामले में पुलिस को जांच में आए दिन नई-नई जानकारी मिल रही है। जानकारी के मुताबिक लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े हैरी बॉक्सर ने व्हाट्सएप पर वॉयस नोट भेजकर रणवीर सिंह से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। यह धमकी रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग की घटना के ठीक बाद भेजी गई थी। मुंबई क्राइम ब्रांच की शुरूआती जांच में पुष्टि हुई है कि वॉयस नोट में हैरी बॉक्सर की आवाज है। यह मैसेज अमेरिकी नंबर से भेजा गया था, जिसके लिए पुलिस अमेरिकी एजेंसियों से संपर्क कर रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में पता चला कि वॉयस नोट वीपीएन का इस्तेमाल करके विदेश से भेजा गया था। धमकी के बाद रणवीर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। क्राइम ब्रांच रणवीर के मैनेजर का भी बयान दर्ज कर चुकी है और मामले की गहराई से जांच कर रही है। पुलिस ने अभी तक इस मामले में कोई एआईआर दर्ज नहीं की है, लेकिन जांच शुरू कर दी गई है। मामले को लेकर अन्य सबूत जुटाए जा रहे हैं। रणवीर सिंह ने मैसेज मिलते ही तुरंत मुंबई पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए उनके घर के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाते हुए उनके आवास पर अतिरिक्त पुलिसकर्मी तैनात कर दिए हैं।

नीट छात्रा मौत मामले में सीबीआई ने की मां-नानी से तीन घंटे पूछताछ

-जांच का फोकस हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा

पटना(एजेंसी)। पटना के एक निजी हॉस्टल में नीट की तैयारी कर रही छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सीबीआई ने जांच तेज कर दी है। गुरुवार को सीबीआई तीसरी बार जहानाबाद पहुंची, जहां मखदुमपुर थाना क्षेत्र स्थित मृतका के पैतृक गांव में परिजनों से लंबी पूछताछ की। जांच एजेंसी का मुख्य फोकस छात्रा के इलाज के दौरान की परिस्थितियों और हॉस्टल संचालिका के साथ हुई बातचीत के पहलुओं पर रहा। सीबीआई के अधिकारियों ने मृतका की मां और नानी से करीब तीन घंटे तक गहन पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सीबीआई टीम यह समझने की कोशिश कर रही है कि हॉस्टल में रहने के दौरान छात्रा की स्थिति कैसी थी और संचालिका की भूमिका इसमें क्या रही। जहानाबाद में पूछताछ के बाद टीम गया स्थित छात्रा के ननिहाल गई। जहां मृतका के मामा और अन्य रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटाई गई। बताया जाता है कि मतक छात्रा के मामा चार भाई हैं। दो मामा बाहर नौकरी

करते हैं। उनके परिवार के लोग गया में रहते हैं। दो मामा और नाना- नानी गांव में ही रहते हैं। सीबीआई ने सभी कड़ियों को जोड़ने के लिए परिवार के सदस्यों से सामूहिक रूप से बयान दर्ज किए हैं।

सीबीआई ने गुरुवार को कदमकुआं थाना के निलंबित दारोगा हेमंत झा से करीब चार घंटे पूछताछ की। एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद सबूत इकट्ठा करने में लापरवाही के आरोप में एसआई हेमंत झा और चित्रगुप्तनगर थानेदार रोशनी कुमार को निलंबित किया गया था।

सीबीआई ने सवाल किए कि छात्रा के प्रभात हॉस्पिटल पहुंचने के बाद उसके कपड़े क्यों बरामद नहीं किए गए। परिजनों को कपड़े कैसे मिले और पुलिस को किस आधार पर दिए गए। पोस्टमार्टम और एफएसएल रिपोर्ट में रेप की बात आने के बावजूद पुलिस ने इसे सुसाइड कैसे मान लिया। हालांकि, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने गुरुवार रात फेसबुक लाइव आकर इस मामले में पटना एसएसपी और एसपी की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एसएसपी बताएं मनीष को किस केस में गिरफ्तार किया है और हॉस्टल मालिक को अब तक क्यों गिरफ्तार नहीं किया गया है।

मृतक छात्रा के चाचा ने कहा कि परिवार आज भी अपने दावे पर कायम है। हम शुरुआत से ही पटना के शम्भू गर्ल्स हॉस्टल पर शक कर रहे है और यहीं उसके साथ गलत हुआ है। घटना की सारे रहस्य हॉस्टल के अंदर ही हैं। सीबीआई ने परिवार से पहले दिन बात की थी, तभी उन्हें बताया गया कि हॉस्टल संचालिका, उसके बेटे और वहां की वार्डेन को सामने बैठाकर पूछताछ कीजिए। इसके बाद पूरी असलियत सामने आ जाएगी।

अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के स्थापना दिवस पर राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व पीएम मोदी ने दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम के राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपने संदेश में लिखा कि अरुणाचल प्रदेश और मिजोरम प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और उद्यमशील नागरिकों से परिपूर्ण राज्य हैं।

उन्होंने अपने संदेश में आगे कहा कि दोनों राज्यों ने देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और आगे भी प्रगति व समृद्धि के पथ पर अग्रसर रहें, यही उनकी कामना है। वहीं उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने अरुणाचल प्रदेश के स्थापना दिवस पर बधाई देते हुए कहा कि यह राज्य हिमालयी पर्वत श्रृंखलाओं, जैव विविधता, मठों, घने वनों और जीवंत जनजातीय परंपराओं से समृद्ध है। उन्होंने अरुणाचल को प्रकृति और संस्कृति के अद्भुत संतुलन का प्रतीक बताया और राज्य के सतत विकास, शांति एवं समृद्धि की कामना की।

मिजोरम के लिए अपने संदेश में उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्राकृतिक सुंदरता, घने जंगलों और उच्च साक्षरता दर के कारण यह राज्य सामाजिक प्रगति और सामुदायिक सद्भाव का मॉडल बनकर उभरा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि मिजोरम अपनी सांस्कृतिक विरासत को संजोते हुए सतत विकास और स्थायी शांति के मार्ग पर आगे बढ़ता रहेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अरुणाचल प्रदेश को प्राकृतिक दृश्यों और सांस्कृतिक विविधता से भरपूर राज्य बताते हुए कहा कि यहां के मेहनती और ऊर्जावान नागरिक देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की विविध आदिवासी संस्कृति भारत की समृद्धि को और सुदृढ़ करती है तथा आने वाले समय में अरुणाचल प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छुए।

मिजोरम के स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के लिए जाना जाता है। उन्होंने मिजो समुदाय की सामुदायिक भावना, करुणा और सांस्कृतिक धरोहर की सराहना करते हुए राज्य के निरंतर विकास और नई उपलब्धियों की कामना की।

ठगों के निशाने पर केंद्र सरकार के कर्मचारी और पेंशनर्स, सैलरी संबंधी भेज रहे मैसेज

-ऑफिशियल अलर्ट जारी, एपीके फाइल को नहीं करें डाउनलोड यह मालवेयर है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग से जुड़ी एक नई व्हाट्सऐप ठगी का खुलासा हुआ है। ठग ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें रिवाइज्ड सैलरी का प्रीव्यू दिखाने का दावा किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि इन मैसेज में दिए गए लिंक पर क्लिक करने से लोगों को भारी वित्तीय नुकसान हो सकता है। साइबर अपराधी लोगों की इस उत्सुकता का फायदा उठाकर उन्हें मालवेयर डाउनलोड करने के लिए फंसा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट में ऑफिशियल अलर्ट में कहा गया है कि ठग व्हाट्सऐप पर ऐसे मैसेज भेज रहे हैं जिनमें ÷8वें वेतन आयोग सैलरी कैलकुलेटर÷ देने का दावा किया जा रहा है। मैसेज पाने वाले लोगों से एक लिंक पर क्लिक करने और एक एपीके फाइल डाउनलोड करने को कहा जाता है। एपीके फाइल एंड्रॉइड एप्लिकेशन पैकेज होती है। यह दिखने में एक साधारण कैलकुलेटर ऐप जैसी लग सकती है, लेकिन वास्तव में यह मालवेयर है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह ठगों को यूजर्स के मोबाइल फोन पर रिमोट एक्सेस दे सकता है। इसमें एसएमएस संदेश पढ़ सकते हैं, जिनमें बैंक अलर्ट और वन-टाइम पासवर्ड (ओटीपी) शामिल होते हैं। फोन में सेव प्राइवेट और फाइनैंशियल जानकारी तक पहुंच सकते हैं। वहीं जुड़े हुए बैंक खाते से बिना अनुमति के लेन-देन कर सकते हैं।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पीड़ितों को तुरंत यह पता नहीं चलता कि उनका डिवाइस हैक हो चुका है। जब तक संदिग्ध लेन-देन का पता चलता है, तब तक खाते से पैसे निकाले जा चुके होते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने साफ कहा है कि कोई भी सरकारी विभाग व्हाट्सऐप या अन्य मैसेजिंग प्लेटफॉर्म के जरिए एपीके फाइल नहीं भेजता। ऐसे किसी भी मैसेज को संदिग्ध माना जाना चाहिए। साइबर ठगी के तरीके अब पहले से ज्यादा लक्षित और चालाक हो गए हैं। आर्थिक लाभ या जरूरी अपडेट का वादा करने वाले मैसेज लोगों को जल्दबाजी में प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार किए जाते हैं। वेतन संशोधन जैसे मामलों में भावनात्मक आकर्षण और भी ज्यादा होता है। किसी भी लिंक पर क्लिक करने से पहले कुछ पल रुककर सोच लेना बड़े वित्तीय नुकसान से बचा सकता है। ऐसी ठगी से बचने का सबसे प्रभावी तरीका है कि जानकारी केवल आधिकारिक स्रोतों से ही वेरिफाई की जाए।

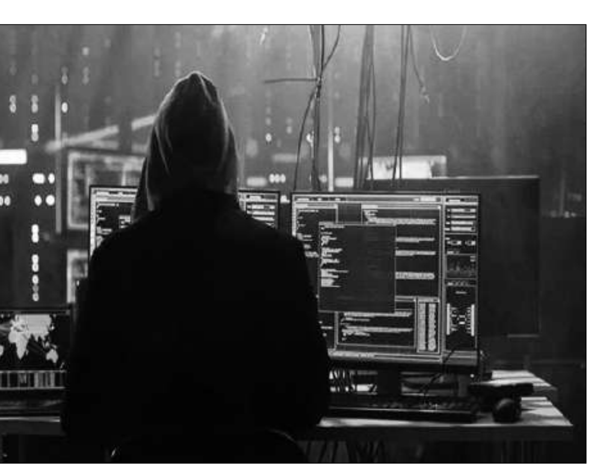

आरबीआई के ड्रॉफ्ट नियमों से गिफ्ट सिटी में बढ़ेगा बैंकों का रुझान

- प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी

नई दिल्ली ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने हाल ही में एक मसौदा जारी किया है, जिसके तहत अधिकृत डीलर (एडी) बैंकों को रुपये में नॉन-डिलिवरेबल डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट (एनडीडीसी) करने की अनुमति मिलेगी। यह सुविधा केवल उन बैंकों को मिलेगी, जिनकी इकाई अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग यूनिट आईबीयू में संचालित होती है। कॉन्ट्रैक्ट सीधे या विदेशी शाखाओं के माध्यम से बैक-टू-बैक आधार पर किए जा सकते हैं, और निपटान रुपये या किसी विदेशी मुद्रा में नकद रूप में किया जा सकता है। सिंघानिया एंड कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि मसौदे का मुख्य उद्देश्य आईएफएससी में कामकाज बढ़ाना है। केवल आईएफएससी में संचालन करने वाले बैंकों को ही एनडीडीसी की अनुमति मिलने से गिफ्ट सिटी में वित्तीय गतिविधियों में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित बदलाव से भारतीय एडी बैंकों की भूमिका बढ़ेगी और विदेशी बैंकों के साथ प्रतिस्पर्धा के अंतर को कुछ हद तक कम किया जा सकेगा। ओटीसी लेनदेन में बाजार निर्माण और मालिकाना पदों को शामिल करना, गैर-बैंक संस्थाओं के साथ एनडीडीसी में प्रवेश की अनुमति, और अपतटीय ईटीपी ट्रेडिंग में स्पष्टता विशेषज्ञों के लिए विशेष रूप से स्वागत योग्य है। आरबीआई ने अधिकृत डीलरों को नियामक सुरक्षा उपायों के तहत विदेशी मुद्रा और ब्याज दर डेरिवेटिव का अपतटीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म (ईटीपी) पर लेनदेन करने की अनुमति देने का प्रस्ताव रखा है। यह कदम भारत के फॉरेक्स बाजार के बढ़ते उदारीकरण और गिफ्ट सिटी को एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आईडीएस रिफंड में कारोबारियों को दी बड़ी राहत

कोर्ट ने कहा, इनपुट और आउटपुट समान होने से आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता

नई दिल्ली ।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने 12 दिसंबर 2025 को साउथ इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के खिलाफ जीएसटी रिफंड खारिज करने के आदेशों को रद्द कर दिया। अदालत ने स्पष्ट किया कि इनपुट और आउटपुट समान होने के कारण आईडीएस रिफंड रोका नहीं जा सकता। सीजीएसटी कानून की धारा 54(3)(2) के तहत यह रिफंड दिया जाना चाहिए। इस फैसले से खासतौर पर उन कारोबारियों को फायदा मिलेगा जिनके व्यवसाय में इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी)जमा होता है। इसमें शामिल हैं- खाद्य तेल निर्माता और वितरक, पेट्रोलियम वितरण कंपनियां, गैस सिलिंडर भरने वाले उद्योग और पैकेजिंग पर अधिक खर्च वाले एफएमसीजी कारोबार। वहीं एक अप्रत्यक्ष कर पार्टनर के अनुसार अब करदाता इस फैसले का आधार लेकर अपने आईडीएस रिफंड दावों की रक्षा कर सकते हैं। विभाग पहले इनपुट और आउटपुट समान होने का हवाला देकर रिफंड से इनकार कर देता था। यह फैसला इस प्रक्रिया को स्पष्ट करता है। एक उदाहरण में सूरजमुखी, राइस ब्रान और पाम ऑयल को छोटे पैक (250 मिलीलीटर से 5 लीटर) में बेचने पर उत्पाद पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है, जबकि पैकिंग सामग्री पर ज्यादा दर होती है। इससे आईटीसी जमा होता है और आईडीएस स्थिति बनती है। अब विभाग इस

आधार पर रिफंड नहीं रोक सकेगा। इस फैसले से जीएसटी रिफंड की लंबित प्रक्रिया में स्पष्टता और राहत मिलेगी। आईडीएस रिफंड की दिशा में यह करदाताओं के लिए एक बड़ा समर्थन साबित होगा।

ईपीएफओ जीईएम और जीएसटी डेटा के जरिए अनुपालन निगरानी कर रहा है मजबूत

आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में

नई दिल्ली ।

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अपनी अनुपालन निगरानी और रोजगार से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन को सुदृढ़ बनाने के लिए केंद्रीय और राज्य सरकारों के डेटाबेस के साथ इंटीग्रेशन शुरू किया है। सरकारी अधिकारी के अनुसार ईपीएफओ वर्तमान में 2024 और 2025 के लिए जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केट प्लेस) से प्राप्त वन-टाइम डेटा डंप की जांच कर रहा है।

नवंबर 2025 में ईपीएफओ ने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन जीईएम के साथ समझौता किया। जीईएम एक ऑनलाइन सरकारी खरीद मंच है, जहां केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें पीएसयू और स्वायत्त निकाय वस्तुएं और सेवाएं खरीद सकते हैं। इस समझौते का उद्देश्य सेवा प्रदाताओं द्वारा भविष्य निधि योगदान का मासिक सत्यापन सुनिश्चित करना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय और राजस्व विभाग के पत्राचार के बाद जीएसटी विभाग भी संस्थानों का रजिस्ट्रेशन डेटा साझा करने के लिए सहमत हो गया। इससे ईपीएफओ को यह जानने में मदद मिलेगी कि पीएमवीबीआरवाय योजना के लाभार्थी संस्थान सही तरीके से योगदान दे रहे हैं। ईपीएफओ अपने अनुपालन तंत्र का विस्तार राज्य स्तर तक कर रहा है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और राजस्थान के साथ पेरोल डेटा साझा किया जा रहा है। आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के साथ डेटा साझा करने की प्रक्रिया उन्नत चरण में है, जबकि अन्य राज्यों से विवरण का इंतजार है। ईपीएफओ 99,446 करोड़ रुपये की पीएमवीबीआरवाय योजना का कार्यान्वयन कर रहा है। योजना लाभ के लिए संस्थानों को जीएसटीएन प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जीईएम और जीएसएटी डेटा का आदान-प्रदान योजना के सही और पारदर्शी कार्यान्वयन में मदद करेगा।

आईटी शेयरों में एआई के डर से भारी बिकवाली, निफ्टी आईटी में गिरावट

- फरवरी में एफपीआई ने आईटी सेक्टर से 10,956 करोड़ निकाले

नई दिल्ली ।

भारतीय आईटी शेयरों में फरवरी के पहले पखवाड़े में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 10,956 करोड़ रुपये की बिकवाली की। कुल मिलाकर, इस दौरान दलाल पथ पर 29,709 करोड़ रुपये का निवेश आया, लेकिन आईटी सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित रहा। निफ्टी आईटी इंडेक्स इस महीने अब तक 15 फीसदी गिर चुका है, जो मार्च 2020 के बाद का सबसे खराब मासिक प्रदर्शन है। कोफोर्ज के शेयरों में सबसे ज्यादा 17.7 फीसदी की गिरावट आई, इसके बाद एलटीआई माइंडट्री 17 फीसदी और इन्फोसिस 16.5 फीसदी टूटे। जबकि बेंचमार्क निफ्टी-50 1.2 फीसदी बढ़ा। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, वैश्विक फंडों ने आईटी के अलावा एफएमसीजी और हेल्थकेयर में करीब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं वित्तीय सेवाओं और पूंजीगत वस्तुओं में सबसे अधिक निवेश आया। विशेषज्ञों के अनुसार, एआई से पारंपरिक आईटी सेवाओं के बिजनेस मॉडल को गंभीर खतरा महसूस किया जा रहा है। स्टार्टअप एंथ्रोपिक द्वारा नए एआई टूल के लॉन्च ने निवेशकों के डर को और बढ़ा दिया। विश्लेषकों ने अपने डीसीएफ मॉडल में आय अनुमानों में कटौती की, जिससे आईटी शेयरों के पीई अनुपात घटे।

एआई समाधान अपनाने से पहले उसकी विश्वसनीयता सुनिश्चित करें: अधिकारी

डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना हो सकता है जोखिमपूर्ण

नई दिल्ली।

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) के डेटा इन्फॉर्मेटिक्स एंड इनोवेशन प्रभाग के एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा कि सरकारी संस्थानों को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित समाधानों के प्रति अत्यधिक उत्साहित नहीं होना चाहिए जब तक उनका पूर्ण परीक्षण और विश्वसनीयता सुनिश्चित न हो। उन्होंने कनाडा के शोधकर्ताओं की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि समान 'प्रॉम्प्ट' दिए जाने पर भी एआई विभिन्न तरीकों से डेटा का विश्लेषण कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि सरकारी विभागों को अपने आंकड़ों को मशीन-रीडेबल प्रारूप में तैयार करना चाहिए। इसके लिए डेटा में कॉन्टेक्स्ट फाइल, सिमैंटिक्स और मेटाडेटा होना जरूरी है। कॉन्टेक्स्ट फाइल जानकारी को सही संदर्भ में समझने में मदद करती है, सिमैंटिक्स डेटा के अर्थ और संदर्भ को स्पष्ट करता है, और मेटाडेटा अतिरिक्त जानकारी जैसे स्रोत, तारीख और संरचना प्रदान करता है। अधिकारी ने सुझाव दिया कि मंत्रालयों और सरकारी विभागों के पास डेटा का कैटलॉग होना चाहिए। सभी फाइलें केवल पीडीएफ में नहीं बल्कि मशीन-रीडेबल फॉर्मेट में होनी चाहिए ताकि एआई उनका सही उपयोग कर सके। गूगल के एक अधिकारी ने कहा कि उनकी कंपनी वैश्विक डेटा सेट को साझा 'नॉलेज ग्राफ' में लाकर डेटा सर्च इंजन बनाने का प्रयास करती है। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि डेटा को केवल एक स्रोत पर केंद्रीकृत करना जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसके बजाय, डेटा को प्रत्येक संगठन के पास सुरक्षित और स्थानीय स्तर पर संचालित किया जाना चाहिए।

इस वित्तीय वर्ष में उभरते बाजारों में मिलेंगे निवेश के अवसर: रिपोर्ट

- भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, 2026 में आय बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली । गोल्डमैन सैक्स ऐसेट मैनेजमेंट की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2026 में उभरते बाजार (ईएम) निवेशक के लिए तीन प्रमुख थीम पेश कर सकते हैं- एआई -नेतृत्व वाला नवाचार, चीन का संरचनात्मक विकास, और भारत में चक्रीय सुधार। अनुकूल वित्तीय परिस्थितियां और आर्थिक सुधार इन बाजारों की मजबूती को बढ़ा सकते हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विस्तार से टेक्नोलॉजी और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में अवसर बन रहे हैं। चीन और ताइवान जैसे देशों को डेटा सेंटर, क्लाउड और ऑटोमेशन में निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। चाइना में रियल एस्टेट पर निर्भरता कम करने और हाई-टेक व ग्रीन एनर्जी क्षेत्रों को बढ़ावा देने के प्रयास जारी हैं। ये पहल निवेशकों को लंबी अवधि के लिए आकर्षक अवसर दे सकती हैं। भारत 2025 में उच्च मूल्यांकन और सुस्ती के कारण पीछे रहा, लेकिन 2026 में आय में 14 फीसदी वृद्धि का अनुमान है, जो ईएम औसत 10 फीसदी से अधिक है।

ओमनीटेक इंजीनियरिंग 583 करोड़ के आईपीओ के लिए तैयार

- मूल्य दायरा 216-227 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग घटक निर्माता ओमनीटेक इंजीनियरिंग ने 583 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 216-227 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी का आईपीओ 25 फरवरी से खुलकर 27 फरवरी को बंद होगा, जबकि एंकर निवेशक 24 फरवरी को बोली लगा सकेंगे। आईपीओ 583 करोड़ रुपए का है, जिसमें 418 करोड़ रुपए नए शेयरों के माध्यम से जुटाए जाएंगे और 165 करोड़ रुपए के शेयर बिक्री प्रस्ताव के तहत बेचे जाएंगे। आईपीओ से प्राप्त राशि का उपयोग कर्ज चुकाने, दो नई विनिर्माण इकाइयां स्थापित करने, पूंजीगत व्यय और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। ओमनीटेक के शेयर 5 मार्च को बाजार में सूचीबद्ध हो सकते हैं। नई इकाइयों और वित्तीय मजबूती के साथ, कंपनी को वृद्धि और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की संभावनाएँ बढ़ सकती हैं। निवेशक बाजार उतार-चढ़ाव और निर्माण लागत पर नजर रखकर निवेश कर सकते हैं। ओमनीटेक का यह आईपीओ निवेशकों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आ रहा है और विशेषज्ञों का मानना है कि यह कंपनी के विस्तार और उद्योग में स्थिति मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम है।

सोना और चांदी फिर निवेशकों की नजर में

इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है सोना

नई दिल्ली । सोने की कीमत ने हाल ही में लगभग 5,600 डॉलर प्रति औंस का उच्च स्तर बनाया था, लेकिन इसके बाद लगभग 20 फीसदी की गिरावट आई। अब कीमतें 5,000 डॉलर के करीब स्थिर हैं। सिल्वर भी निवेशकों के फोकस में है और 133 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि बुल मार्केट के दौरान इस तरह के तेज करेक्शन सामान्य होते हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सोना इस साल 6,000 डॉलर तक जा सकता है। सिल्वर की मांग सिर्फ निवेश तक सीमित नहीं, बल्कि यह एक महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल मेटल भी है। सप्लाई लंबे समय से डिमांड से कम बनी हुई है, जिससे कीमतों में तेज उछाल संभव है। वैश्विक कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 350 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है। केंद्रीय बैंक भविष्य में ब्याज दरों में कटौती और क्वांटिटेटिव ईजिंग कर सकते हैं। इससे डॉलर पर दबाव बढ़ेगा और करेंसी सप्लाई बढ़ेगी, जो सोने के लिए सकारात्मक संकेत है। रिपोर्ट के अनुसार, माइनिंग कंपनियों के शेयर अभी तक उच्च धातु कीमतों को पूरी तरह वैल्यूएशन में शामिल नहीं कर पाए हैं। यदि कीमतों में तेजी बनी रहती है, तो माइनिंग स्टॉक्स में तेज रैली देखने को मिल सकती है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 316, निफ्टी 116 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से बाजार उछाल के साथ बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान ये बढ़त पीएसयू बैंकों और मेटल शेयरों में खरीदारी से आई । दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 316.57 अंक बढ़कर 82,814.71 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 116.90 अंक उछलकर 25,571.25 पर बंद हुआ। आज निफ्टी आईटी के अलावा निफ्टी के सभी इंडेक्स बढ़त के साथ बंद हुए। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के कारण एशियाई बाजारों से कमजोर संकेत मिले जिससे आज बाजार की तेजी पर अंकुश लगा रहा।

व्यापक बाजारों की बात करें तो निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.48 फीसदी की तेजी जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.11 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। आज सबसे ज्यादा निफ्टी पीएसयू बैंक इंडेक्स में 1.68 फीसदी वहीं निफ्टी मेटल में 1.25 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। इसके अलावा, निफ्टी ऑटो में 0.41 फीसदी का उछाल आया, निफ्टी एफएमसीजी में 0.56 फीसदी की तेजी, निफ्टी बैंक में 0.71 फीसदी की बढ़त देखी गयी जबकि निफ्टी आईटी में 0.98 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 22 शेयरों में तेजी जबकि 8 शेयरों में गिरावट रही। एनटीपीसी, एलएंडटी, एचयूएल, टाटा स्टील, पावर ग्रिड और

बीईएल के शेयरों में 2.7 फीसदी तक की बढ़त रही और ये सबसे अधिक नुकसान में रहे। टेक महिंद्रा, इंफोसिस, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 82,272 अंक पर गिरावट के साथ खुला। इसी तरह निफ्टी 50 25,406 अंक पर कमजोर शुरुआत के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से निवेशक सतर्क नजर आये। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने हाल ही में कहा कि ईरान के पास अपने परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करने के लिए 10 से 15 दिन का समय है। इस बयान से अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अस्थिरता बढ़ी है।

केकेआर ने जताई भारतीय बाजार में बड़े बदलाव की संभावना

- भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया

नई दिल्ली । निजी इक्विटी फर्म केकेआर का मानना है कि भारत के इक्विटी और निजी बाजारों में बड़े बदलाव का समय आ सकता है। रिपोर्ट 'थॉट्स फ्रॉम द रोड' में एक मुख्य निवेश अधिकारी ने कहा कि वैश्विक निवेशक पिछले कई वर्षों में भारतीय इक्विटी में सबसे कम अंडरवेट रहे हैं, जबकि अमेरिकी बाजारों में अधिक निवेश बनाए रखा है। उन्होंने निवेशकों को चेतावनी दी कि जो दीर्घकालिक दृष्टिकोण रखते हैं, उनके लिए यह बदलाव का समय महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर सकता है। भारतीय इक्विटी ने 1998 से 2025 के बीच अपना सबसे कमजोर प्रदर्शन दर्ज किया। कमजोर प्रदर्शन के पीछे मुख्य कारण हैं मुद्रा की कमजोरी, धीमी आय वृद्धि और डर कि एआई देश के आईटी सेवा मॉडल को प्रभावित कर सकता है। हाल की यात्रा में मुंबई और दिल्ली में निवेशक धारणा पिछली यात्राओं की तुलना में शांत रही। जेनरेटिव एआई और ऑटोमेशन के तेजी से अपनाने से भारत के श्रम-केंद्रित आईटी आउटसोर्सिंग सेक्टर में बदलाव आया है। वित्त वर्ष 2026 के पहले 9 महीनों में शीर्ष पांच आईटी फर्मों ने केवल 17 कर्मचारी जोड़े, जबकि पिछले साल इसी समय लगभग 18,000 कर्मचारी जुड़े थे। इसका कारण एआई-आधारित डिलिवरी मॉडल से राजस्व और हायरिंग तालमेल में बदलाव बताया गया। 2025 में भारतीय शेयर बाजार ने वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से कमजोर प्रदर्शन किया, लेकिन विदेशी प्रत्यक्ष निवेश 2020 के लगभग 60 अरब डॉलर के स्तर से बढ़ा।

एआई के लाभ सभी तक पहुंचाने में अमेरिका-भारत साझेदारी की अहम भूमिका: पिचाई

गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर कर रही सहयोग

नई दिल्ली ।

गूगल और उसकी मूल कंपनी अल्फाबेट इंक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुंदर पिचाई ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका-भारत साझेदारी कृत्रिम मेधा (एआई) के लाभ सभी लोगों और हर स्थान तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। यह बयान उन्होंने एआई इम्पैक्ट समिट में भारत और अमेरिका द्वारा पैक्स सिलिका घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर से पहले दिया। पिचाई ने कहा कि गूगल दोनों देशों के बीच रूपक और वास्तविक रूप से संपर्क सेतु के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने विस्तार से बताया कि गूगल की टीमें अमेरिका और भारत में कुछ सबसे महत्वपूर्ण पहलों पर सहयोग कर रही हैं, जिससे उत्पादों और सेवाओं को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। भारत से शुरू हुए नवाचार जैसे गूगल पे ने वैश्विक स्तर पर उपयोगकर्ताओं के अनुभव में सुधार किया है। पिचाई ने कहा, हमें गर्व है कि हमारी पहलें स्थानीय नवाचार को वैश्विक स्तर पर फैलाने में योगदान कर रही हैं। पिचाई ने भारत के एआई क्षेत्र की प्रगति को असाधारण** बताते हुए कहा कि गूगल पूरी प्रतिबद्धता के साथ उत्पादों के विस्तार और बुनियादी ढांचे के माध्यम से इसका समर्थन कर रहा है। उन्होंने जोर दिया कि एआई के लाभ तभी प्रभावी होंगे जब वे समान रूप से सभी लोगों और हर क्षेत्र तक पहुंचें।

भारत में डेटा सेंटर निवेश, 2030 तक 200 अरब डॉलर का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

एक ऑडिट और सलाहकार फर्म ने कहा है कि भारत अगले चार वर्षों में डेटा सेंटर निर्माण में लगभग 200 अरब डॉलर का निवेश आकर्षित करेगा। यह निवेश एशिया-पैसिफिक क्षेत्र में किए जाने वाले 800 अरब डॉलर के कुल निवेश का बड़ा हिस्सा है। कंपनी का अनुमान है कि 2030 तक भारत में 8-10 गीगावॉट की नई डेटा सेंटर क्षमता का निर्माण होगा। यह निवेश भारत और पूरे क्षेत्र के लिए बड़ा आर्थिक अवसर है। डेटा सेंटरों में निवेश से स्थानीय रोजगार, तकनीकी विकास और डिजिटल अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि डेटा सेंटरों के विकास के लिए पर्याप्त और स्थिर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। भारत का बढ़ता हुआ नवीकरणीय ऊर्जा आधार इस प्रक्रिया को मदद करेगा, लेकिन उच्च विकास वाले क्षेत्रों में ग्रिड स्थिरता, सीमित सबस्टेशन क्षमता और लंबी ट्रांसमिशन अपग्रेड समयसीमा प्रमुख बाधाएं हो सकती हैं। भारत तेजी से एशिया-पैसिफिक का डेटा सेंटर हब बन रहा है। हालांकि विकास के लिए ऊर्जा उत्पादन और ग्रिड स्थिरता को सुनिश्चित करना होगा, लेकिन नवीकरणीय ऊर्जा और रणनीतिक निवेश से यह क्षेत्र अगले कुछ वर्षों में आर्थिक और डिजिटल रूप से मजबूत स्थिति में पहुंच सकता है।

कोयला मंत्रालय ने खदान संचालन तेज करने प्रस्तावित किया संशोधन

नई दिल्ली । भारत के कोयला मंत्रालय ने खदानों के परिचालन को तेज करने के लिए सीएमडीपीए और सीबीडीपीए समझौतों में समय-सीमा और दक्षता मापदंडों में संशोधन का मसौदा तैयार किया है। प्रस्ताव का उद्देश्य खदान खोलने और उत्पादन शुरू करने की प्रक्रिया को सुनिश्चित करना है। मसौदे में स्ट्रक्चर्ड माइलस्टोन तय किए गए हैं- पूरी तरह खोजी गई खदान के लिए कुल परिचालन समय-सीमा- 40 महीने और आंशिक रूप से खोजी गई खदान के लिए कुल समय-सीमा 52 महीने, जिसमें भूवैज्ञानिक रिपोर्ट तैयार करना अनिवार्य है। प्रमुख माइलस्टोन में देरी प्रदर्शन सुरक्षा को प्रभावित करती है। आंशिक रूप से खोजी गई खदानों में यदि जीआर तैयार करने में देरी होती है, तो प्रदर्शन सुरक्षा का 50 फीसदी तक कम्युलेटिव एप्रोप्रिएशन हो सकता है।

संक्षिप्त

अर्जेंटीना के एचेवेरी सेमीफाइनल में

रियो डी जेनेरो, एजेंसी। अर्जेंटीना के आठवें सीडेड टॉमस मार्टिन एचेवेरी शुक्रवार को पुर्तगाल के जैमे फारिया को 7-6 (7-4), 6-4 से हराकर रियो ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। एचेवेरी ने अपने पहले सर्व पर 80% पॉइंट जीते और नौ एस लगाकर जॉकी क्लब ब्रासीलीरो की आउटडोर क्ले कोर्ट पर दो घंटे और चार मिनट में मैच अपने नाम कर लिया। वर्ल्ड नंबर 147 फारिया अपने पांच ब्रेक पॉइंट मौकों में से किसी को भी भुना नहीं पाए और 21 अनफोर्स्ड गलतियां कीं। एटीपी 500 इवेंट के अगले राउंड में एचेवेरी का मुकाबला 87वीं रैंक के विट कोप्रिवा से होगा, जिन्होंने अर्जेंटीना के जुआन मैनुअल सेरुंडोलो को 6-4, 6-4 से हराया। कोप्रिवा ने छह एस मारे और अपने 78वीं रैंक के अपोनेंट के खिलाफ अपनी पहली सर्व पर 86% पॉइंट जीते।

पाकिस्तान मार्च में बांग्लादेश का वनडे दौरा करेगा

कराची, एजेंसी। पाकिस्तान मार्च 2026 में तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए बांग्लादेश टूर पर जाएगा, जिसके सभी मैच मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। पाकिस्तान की नेशनल टीम 11 मार्च से शुरू होने वाली सीरीज से पहले 9 मार्च को ढाका पहुंचेगी। बाकी मैच 13 और 15 मार्च को होंगे, और तीनों मैच डे-नाइट होंगे जो बांग्लादेश स्टैंडर्ड टाइम के हिसाब से दोपहर 2:15 बजे शुरू होंगे। दोनों टीमें अपने हाल के वनडे मैचों में अच्छे नतीजों के बाद इस सीरीज में उतर रही हैं। आईसीसी के मुताबिक, पाकिस्तान ने नवंबर में श्रीलंका को 3-0 से हराया था, जबकि बंगलादेश ने अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 से सीरीज जीती थी।

राम बाबू और मंजू रानी ने जीती राष्ट्रीय मैराथन वॉक स्पर्धा

चंडीगढ़ एजेंसी। एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता राम बाबू और मंजू रानी ने शनिवार को सुखना लेक पर इंडियन ओपन रेस वॉकिंग कॉम्पिटिशन 2026 में पहली बार पुरुषों और महिलाओं की राष्ट्रीय मैराथन वॉक स्पर्धा जीतीं। आज यहां पहली बार 42.195 किमी की नई दूरी पर हिस्सा लेते हुए, राम बाबू ने पुरुषों की मैराथन वॉक में तीन घंटे, नौ मिनट और 17 सेकंड (3:09:17) का समय लेकर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि मंजू रानी ने 3:33:24 समय के साथ महिला वर्ग का खिताब जीता। 2023 एशियन गेम्स में मिक्स्ड टीम 35 किमी स्पर्धा में 5:51:14 के कुल समय के साथ कांस्य पदक जीतने वाले राम बाबू और मंजू रानी ने आज 42.195 किमी मैराथन वॉक दूरी के लिए पहला राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। राम बाबू, जिनके नाम पुरुषों की 35 किमी रेस वॉक (2:29:56) में राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है।

वैष्णवी अडकर सीधे सेट में जीत हासिल कर फ़ाइनल में पहुँचीं

बेंगलुरु, एजेंसी। लय, तनाव और टैक्टिकल कहानी कहने के टेनिस सिम्फनी की तरह हुए इस मैच में, भारत की वैष्णवी अडकर ने केपीबी ट्रस्ट विमेंस ओपन आईटीएफ डब्ल्यू100 बेंगलुरु मुकाबले में थाईलैंड की लैनलाना तरारुडी को 1 घंटे 6 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3,6-3 से हरा दिया, क्योंकि युवा भारतीय स्टार ने क्लिनिकल सटीकता और लड़ने की भावना के साथ फ़ाइनल में जगह बनाई।

शुरुआती सेट की शुरुआत तरारुडी ने वैष्णवी की सर्विस तोड़कर 1-0 की बढ़त बना ली, इसके बाद कई कड़ी रैलियाँ जीतीं जहाँ वैष्णवी को डिफेंसिव पोज़िशन में धकेल दिया गया। उन्होंने तुरंत जवाब दिया, धैर्यपूर्वक बेसलाइन कंस्ट्रक्शन के साथ सर्विस को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद मैच में कई कड़े मुकाबले हुए और दोनों खिलाड़ियों के बीच मोमेंटम पेंडुलम की तरह घूमता रहा।

हमें उम्मीद है कि हम भारत पर दबाव बना पाएंगे : कॉनराड

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच अहमदाबाद में आज खेला जाएगा टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 'सुपर-8' मुकाबला

- **दोनों देशों के बीच खेले गए 35 टी20 मुकाबलों में टीम इंडिया का पलड़ा भारी रहा है।**

अहमदाबाद, एजेंसी। शुक्री कॉनराड के लिए टी20 विश्व कप का असली रोमांच अब शुरू हुआ है। दक्षिण अफ्रीका के हेड कोच के तौर पर अपने पहले ही सीमित ओवरों के बड़े टूर्नामेंट में कॉनराड के सामने सबसे कड़ी चुनौती है। सुपर 8 के पहले ही मुक़ाबले में उनका सामना टीम इंडिया से है। इस मैच को वह टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा मैच मान रहे हैं। उनके मुताबिक़ पहला लक्ष्य यहां तक पहुंचना था और अब यहां से खेल का आनंद लेना है। कॉनराड ने कहा, "ग्रुप स्टेज का शुरुआती दौर मेरे लिए घबराहट भरा था, लेकिन अब सिर्फ़ उत्साह है। टूर्नामेंट क्रिकेट मोटे तौर पर तीन हिस्सों में बंटा होता है। सबसे बड़ी चुनौती ग्रुप स्टेज की बाधा पार करने की थी, जो हमने कर लिया। अब हमारे सामने पहले भारत है और फिर वेस्टइंडीज है। इनके पास दुनिया के सबसे धाकड़ और मनोरंजक खिलाड़ी हैं। यह बात मुझे काफ़ी उत्साहित करती है।" सुपर 8 के अपने सफर का अंत दक्षिण अफ्रीका अपने पड़ोसी ज़िम्बाब्वे के ख़िलाफ करेगा। मुमकिन है कि तब तक सेमीफ़ाइनल की तस्वीर साफ़ हो जाए, इसलिए अहमदाबाद में होने वाले अगले पांच दिन बेहद अहम रहने वाले हैं। रविवार को यहां खचाखच भरा हुआ स्टेडियम देखने को मिल सकता है। न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ इसी मैदान पर क़रीब 55,000 दर्शक पहुंचे थे, लेकिन इस बार यह तादाद दोगुनी होने की उम्मीद है। मैच काली मिट्टी की पिच पर होना है, जो धीमी रह सकती है और यहां स्पिनरों का रोल बड़ा हो जाएगा।

हालात को देखते हुए पलड़ा भले ही भारत का भारी लगे, लेकिन कॉनराड ने बड़ी चतुराई से दबाव का पासा मेजबान टीम की तरफ़ फेंक दिया। उन्होंने कहा, "दबाव एक बड़ी चीज़ है और यह दोनों टीमों पर बराबर है। हम अक्सर बड़ी टीम के ख़िलाफ खेलने के दबाव की बात करते हैं, लेकिन हम उस दबाव को नहीं देख पाते जिससे वे ख़ुद गुजर रहे होते हैं। मैं यह नहीं कह रहा कि पिछले तीन मैचों में लगातार शून्य पर आउट होने वाला कोई खिलाड़ी अपनी जगह को लेकर दबाव में होगा।" कॉनराड का इशारा साफ़ तौर पर अभिषेक शर्मा की तरफ था, जो अब तक खाता भी नहीं खोल पाए हैं और बीमारी की वजह से एक मैच से बाहर भी रहे। वे तीन मैचों में दो बार ऑफ़ स्पिनरों का शिकार हुए हैं। चूंकि दक्षिण अफ्रीका के मुख्य आक्रमण में सिर्फ़ दो बाएं हाथ के स्पिनर हैं, इसीलिए शुक्रवार को नेट्स पर ऐडन मारक्रम और ट्रिस्टन स्टब्स ऑफ़ स्पिन का जमकर अभ्यास करते नज़र आए। ऐसा हो सकता है कि वे किसी बड़ी भूमिका के लिए तैयार हो रहे हों, या फिर यह भारतीय बैटिंग ऑर्डर के ख़िलाफ़ कोई मनोवैज्ञानिक चाल हो, क्योंकि भारत के टॉप-6 में कम से कम चार बाएं हाथ के बल्लेबाज़ हैं। हालांकि, कॉनराड मैच-अप्स को लेकर बहुत ज़्यादा उत्साहित नहीं दिखे। उन्होंने कहा, "मैच-अप्स को कभी-कभी जरूरत से ज़्यादा तवज्जो दे दी जाती है। मैं इसका बहुत बड़ा समर्थक नहीं हूं। कई बार पिच इतनी शानदार होती है कि मैच-अप्स का असर ही खत्म हो जाता है। अगर विकेट से मदद मिले और गेंद थोड़ा घूमे, तब बाएं हाथ के बल्लेबाज के सामने ऑफ स्पिनर या गेंदबाज़ी कोण का लाभ ले सकते हैं। लेकिन अच्छी पिचों पर इसे अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर ही देखा जाता है।" ग्रुप स्टेज के 40 मैचों में सिर्फ़ सात बार पहली पारी का स्कोर 200 के पार गया है। इसके बावजूद कॉनराड को लगता है कि पिचें पिछले साल के भारत दौरे के मुक़ाबले "थोड़ी बेहतर" हैं। तो फिर वे बड़े स्कोर, ख़ासकर टूर्नामेंट से पहले चर्चा में रहने वाले 300 रन अब तक क्यों नहीं बने? इसका जवाब फिर उसी एक शब्द में छिपा है – दबाव।

कॉनराड के मुताबिक़, "इसका कारण विश्व कप का दबाव है। टूर्नामेंट से पहले लोग 300 से ज़्यादा रनों की बातें कर रहे थे, लेकिन विश्व कप में दांव पर बहुत कुछ लगा होता है। द्विपक्षीय सीरीज़ में खिलाड़ी बिना किसी फ़िक्र के खुलकर खेलते हैं, लेकिन विश्व कप का दबाव बिल्कुल अलग होता है।" दक्षिण अफ्रीका इस बात से भी वाक़िफ़ है कि टीम इंडिया पर इतिहास दोहराने और हर हाल में ट्रॉफ़ी जीतने की उम्मीदों का कितना भारी बोझ है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तिलक और अर्शदीप हैं टॉप परफॉर्मर

अहमदाबाद। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार को टी20 विश्व कप 2026 के सुपर-8 का मुकाबला खेला जाएगा। मैच नरेंद्र मोदी स्टेडियम, अहमदाबाद में खेला जाएगा। ग्रुप स्टेज में भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों ही अजेय रही हैं। ऐसे में रविवार को होने वाले मैच के रोमांचक होने की उम्मीद है।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले गए टी20 मैचों में शीर्ष स्कोरर के रूप में डेविड मिलर हैं। मिलर ने 28 मैचों की 25 पारियों में 1 शतक और 2 अर्धशतक लगाते हुए 146.23 की स्ट्राइक रेट से 563 रन बनाए हैं।

दूसरे स्थान पर दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक हैं। डिकॉक 15 मैचों की 14 पारियों में 6 अर्धशतकों की बदौलत 149.55 की स्ट्राइक रेट से 507 रन बना चुके हैं।

ऑस्ट्रेलिया को 17 रनों हराकर भारतीय महिला टीम ने जीती टी-20 सीरीज

एडिलेड, एजेंसी। स्मृति मंधाना (82) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (59) की आतिशी बल्लेबाजी के बाद श्री चरणी (तीन विकेट), श्रेयंका पाटिल और अरुंधति रेड्डी (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने शनिवार को तीसरे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 17 रनों से हराकर 2-1 से टी-20 सीरीज जीती। स्मृति मंधाना को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। 177 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया शुरुआत खराब रही और उसने मात्र 32 रन के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा दिये। जॉर्जिया वॉल

(10), बेथ मूनी (छह) और एलिस पेरी एक रन बनाकर आउट हुयी। ऐसे संकट के समय एश्ले गार्डनर ने फीबी लिचफील्ड के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 31 रनों की साझेदारी हुई। नौवें ओवर में श्री चरणी ने फीबी लिचफील्ड 17 गेंदों में 24 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

13वें ओवर में जॉर्जिया वेयरहम (12) को अरुंधति रेड्डी ने आउट किया। 16वें ओवर में रेड्डी ने अर्धशतक बना चुकी एश्ले गार्डनर को अपना शिकार बनाकर भारत की जीत पक्की कर दी। एश्ले गार्डनर ने 45 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए 57 रनों की पारी खेली। ग्रेस हैरिस (एक रन) को श्री चरणी ने आउट किया। कप्तान सोफी मोलिन्यू (छह) भी श्री चरणी का शिकार बनी। 18वें ओवर में श्रेयंका पाटिल ने ऐनाबेल सदरलैंड (14) को आउट कर ऑस्ट्रेलिया को नौवां झटका दिया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 159 रन ही बना सकी और 17 रनों मुकाबला हार गई।

भारतीय टीम के लिए श्री चरणी ने तीन, श्रेयंका पाटिल और अरुंधति रेड्डी ने दो-दो विकेट लिये। रेणुका सिंह ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को किम गार्थ ने तीसरे ओवर में शेफाली वर्मा (सात) को आउट कर पहला झटका दिया।

मैं उन लोगों को लेकर चिंतित हूं जो अभिषेक की फॉर्म की चिंता कर रहे हैं : सूर्यकुमार

अहमदाबाद, एजेंसी।

टी20 विश्व कप के तीन मैचों में शून्य पर आउट हुए अभिषेक शर्मा के फॉर्म को लेकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को होने वाले सुपर आठ मैच से पहले जब सवाल उठे तो कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बिंदास और बेलाग जवाब दिया।

सूर्यकुमार ने कहा ,'' मैं उन लोगों को लेकर चिंतित हूं जो अभिषेक की फॉर्म की चिंता कर रहे हैं । उन्हें अभिषेक के फॉर्म की इतनी चिंता क्यो है।

उन्होंने कहा ,'' पिछले साल अभिषेक ने हम सभी को कवर किया और अब उसे कवर करना हमारी जिम्मेदारी है।

पिछले एक साल में अभिषेक की उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए सूर्यकुमार ने कहा,'' मैं उन टीमों के बारे में सोच रहा हूं जो उसके खिलाफ खेलने वाली हैं कि उसने एक भी रन नहीं बनाया है। आपको बाकी के जवाब तो पता है। जब वह रन बनाता है तो क्या होता है। टीम खेल में यह होता रहता है।

अभिषेक को लगातार मैचों में आफ स्पिनर ने आउट किया है और वह स्लॉग शॉट खेलते समय विकेट गंवा बैठे हैं।

वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार सबसे अधिक मैच हारने का रिकॉर्ड ओमान के नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के ग्रुप स्टेज का अंत ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत और ओमान की निराशाजनक हार के साथ हुआ। मिचेल मार्श की कप्तानी में खेल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने ओमान को सिर्फ 9 विकेट से रौंद दिया। ओमान ने इस वर्ल्ड कप में अपने चारों मैच गंवा दिए और एक बार फिर टूर्नामेंट से बाहर होने का कड़वा अनुभव झेला। इस हार के साथ ओमान टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में सबसे ज्यादा मैच हारने वाली टीम बन गई, और उन्होंने बांग्लादेश के रिकॉर्ड के बराबरी कर ली। ओमान ने पहली बार 2016 में टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था, जब तीन ग्रुप स्टेज मैचों में केवल एक जीत दर्ज की गई थी। 2021 में जीशान मकसूद की कप्तानी में भी टीम ने तीन मैचों में केवल एक ही जीत हासिल की। 2022 के एडिशन के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाए और 2024 में आकिब इलियास की कप्तानी में कोई जीत हासिल नहीं हुई। इस बार भी चार हार के साथ वे ग्रुप B में सबसे नीचे रहे।

ऑस्ट्रेलिया ने अपने अंतिम लीग मैच में ओमान को 16.2 ओवर में 104 रन पर आउट किया। लेग स्पिनर एडम जैंपा ने चार विकेट चटकाए और सिर्फ 21 रन खर्च किए। जेवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल को दो-दो विकेट मिले। जवाब में मिचेल मार्श ने 33 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और ट्रेविस हेड ने 19 गेंद में 32 रन का योगदान दिया। दोनों ने 93 रन की साझेदारी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को सिर्फ 9.4 ओवर में जीत दिलाई। मार्श ने सात चौके और चार छक्के लगाए, जबकि हेड ने छह चौके जड़े। यह टी20

हमने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका : हैरी ब्रूक

- **हमारी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है: हैरी ब्रूक**

पाल्लेकल (श्रीलंका), एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने शनिवार को स्वीकार किया कि उन्होंने अपने ग्रुप की कुछ टीमों को कम करके आंका और कहा कि उनकी टीम अब टी20 विश्व कप के सुपर आठ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंग्लैंड की टीम का ग्रुप चरण में प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा तथा उसे एसोसिएट देशों के खिलाफ जीत दर्ज करने के लिए संघर्ष करना पड़ा जबकि वेस्टइंडीज ने उसे हराया था।

नेपाल के खिलाफ एक समय इंग्लैंड की टीम हार के कगार पर पहुंच गई थी लेकिन आखिर में वह चार रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। उसे स्कॉटलैंड और इटली के खिलाफ भी संघर्ष करना पड़ा था। इंग्लैंड रविवार को सुपर आठ के अपने पहले मैच में श्रीलंका का सामना करेगा।

ब्रूक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, '' हमारे लिए इस प्रतियोगिता की शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही। हमने शायद कुछ टीमों को कम करके आंका और उन्होंने कड़ी टक्कर दी। शुक्र है कि हम पहला चरण पार करने में सफल रहे। अब हम सुपर आठ में हैं और अब हमारा मुख्य ध्यान इसी पर है।''

उन्होंने कहा, ''हम इसे अब एक नई प्रतियोगिता के रूप में देख रहे हैं। अंकों को आगे ले जाने या इस तरह की किसी भी चीज के न होने के कारण यह पूरी तरह से एक नई शुरुआत है और हम इसे इसी रूप में देख सकते हैं।''

ब्रूक ने कहा, ''अभी कुछ ही खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है, लेकिन उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी आगामी मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और टीम के लिए मैच जीतेंगे।''

इंग्लैंड ने टी20 विश्व कप की तैयारी के तौर पर इसी महीने की शुरुआत में इसी मैदान पर श्रीलंका को 3-0 से हराकर टी20 श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया था।

ब्रूक ने कहा,''हमने उनके खिलाफ इस मैदान पर अच्छा प्रदर्शन किया था। यहां की परिस्थितियों से वाकिफ होने के कारण हमारा मनोबल बढ़ा है। हम श्रीलंका का सामना करने के लिए बेहद उत्सुक हैं। उम्मीद है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलेंगे और उन पर दबाव बनाएंगे।''

ब्रुक ने यह भी स्वीकार किया कि ग्रुप चरण में उनके बल्लेबाजों ने थोड़ा अधिक सतर्क रवैया अपनाया और कहा कि वे आगे अधिक आक्रामक रुख अपनाएंगे।

उन्होंने कहा, ''हम बल्लेबाजी करते समय कुछ ज्यादा ही सतर्क रहे हैं। हम शायद कुछ खास परिस्थितियों में थोड़ा और साहसी हो सकते हैं और अपने निचले क्रम के बल्लेबाजों पर अधिक भरोसा रख सकते हैं।''

श्रीलंका टीम के बारे में उन्होंने कहा, ''मैंने सीखा है कि आप किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, जैसा कि हमने ग्रुप चरण में किया। श्रीलंका के कुछ बल्लेबाज बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं। इसलिए उम्मीद है कि हम पावर प्ले में कुछ विकेट ले पाएंगे। पथुम निसांका इस समय अच्छी फॉर्म में हैं। अगर हम उन्हें जल्दी आउट कर सके तो यह शानदार होगा।''

तलाश

अगले कोच का ड्यूटी स्टेशन अफगानिस्तान में होगा: एसीबी प्रमुख

श्रीलंका दौरे से पहले अफगानिस्तान क्रिकेट टीम को नया कोच मिल जाएगा

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 विश्व कप 2026 में अफगानिस्तान का सफर समाप्त हो चुका है। अफगानिस्तान सुपर-8 के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी है। विश्व कप में अफगानिस्तान का सफर खत्म होने के साथ ही लगभग 4 साल से टीम के हेड कोच रहे जोनाथन ट्रॉट का कार्यकाल भी समाप्त हो चुका है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) अब नए कोच की तलाश में है।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने नए कोच के लिए एक शर्त रखी है। बोर्ड चाहता है कि नया हेड कोच और सहयोगी स्टाफ ऑफ-सीजन के दौरान अफगानिस्तान से ही काम करे।

एसीबी के मुख्य कार्यकारी

अधिकारी नसीब खान ने कहा, "हमने अनुबंध में कहा है कि उनका कार्यस्थल अफगानिस्तान होगा। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम के कोच हमारे घरेलू क्रिकेट खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखें। जब कोई सीरीज शेड्यूल न हो, तो उन्हें नेशनल टीम की कमजोरियों को सुधारने पर काम करना चाहिए।"

उन्होंने कहा, "ट्रॉट का उत्तराधिकारी ढूंढने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नए कोच का नाम श्रीलंका के खिलाफ व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले फाइनल कर लिया जाएगा। साउथ अफ्रीका से दो और एक एशियन का नाम हेड कोच के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। उनके इंटरव्यू भी हो चुके हैं।"

नसीब खान ने फिलहाल शॉर्टलिस्ट किए गए नामों का खुलासा नहीं किया लेकिन कहा कि नए कोच के साथ अफगानिस्तान क्रिकेट का नया दौर शुरू होगा।

जोनाथन ट्रॉट ने 2022 में अफगानिस्तान टीम के साथ काम शुरू किया था और अपने 4 साल के कार्यकाल में अफगानिस्तान को एक मजबूत टीम के रूप में स्थापित किया है।

अफगानिस्तान ने वनडे विश्व कप 2023 में पाकिस्तान, इंग्लैंड, श्रीलंका जैसी टीमों को हराया। टी20 विश्व कप 2024 में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराया और सेमीफाइनल खेली। टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान ग्रुप स्टेज से बाहर नहीं जा पाई। इसके बावजूद ट्रॉट ने न सिर्फ टी20 में बल्कि टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में भी टीम के लिए बतौर कोच जो योगदान दिया है, उसके लिए वह हमेशा याद किए जाएंगे।

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि बोर्ड के अधिकारी चाहते है कि उनका अगला राष्ट्रीय मुख्य कोच और सहयोगी स्टाफ ऑफ सीजन के दौरान अफगानिस्तान से काम करे।

अफगानिस्तान के मौजूदा टी-20 विश्व कप में ग्रुप स्टेज से बाहर होने और जोनाथन ट्रॉट के पद से हटने के बाद एसीबी अभी अपने अगले मुख्य कोच की नियुक्ति पर काम कर रहा है।नसीब ने शुक्रवार को क्रिकबज को बताया, "हमने (हेड कोच और दूसरे विदेशी कोचों के) अनुबंध में कहा है कि उनका ड्यूटी स्टेशन अफगानिस्तान होगा। हम चाहते हैं कि राष्ट्रीय टीम के कोच हमारे घरेलू क्रिकेट खिलाड़ियों पर करीब से नजर रखें। और जब कोई सीरीज शेड्यूल न हो, तो उन्हें राष्ट्रीय टीम की कमजोरियों को सुधारने पर काम करना चाहिए।

नसीब ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि वे श्रीलंका के खिलाफ दुबई में होने वाली आगामी सफेद गेंद सीरीज से पहले अपने अगले मुख्य कोच की नियुक्ति कर लेंगे।

तय कार्यक्रम के अनुसार इस सीरीज में तीन एकदिवसीय और इतने ही टी-20 मैच खेले जायेंगे। यह सीरीज 13-25 मार्च के बीच दुबई और शारजाह में खेली जायेगी।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में जेमिमा रोड्रिगेज ने पूरे किए 2500 रन

एडिलेड, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की दिग्गज बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिगेज ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध एडिलेड ओवल में शनिवार को खेले जा रहे तीसरे टी20 मैच में अर्धशतकीय पारी के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 2,500 रन पूरे कर लिए हैं।

जेमिमा ने ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध सीरीज के अंतिम मुकाबले में 46 गेंदों का सामना करते हुए 4 चौकों के साथ 59 रन की पारी खेली। अपना 118वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलते हुए जेमिमा ने भारत की पारी के पांचवें ओवर में किम गार्थ की गेंद पर चौका लगाकर इस आंकड़े को पार किया।

युवाओं के करियर में पेरेंट्स की भूमिका

आज के युवा अपने निर्णय खुद लेने में विश्वास करते हैं। अक्सर वे अपने निर्णयों में माता-पिता को शामिल नहीं करते। घूमने के लिए बाहर जाने से लेकर बात चाहे करियर की क्यों न हो।

अक्सर यह देखा जाता है कि किसी छात्र ने अगर 10वीं पास की है। उसे 11वीं में किसी विषय का चयन करना है। वह अपने माता-पिता या बड़े भाई या बहन से सलाह लेना उचित नहीं समझता, बल्कि वह बाहरी माहौल से प्रभावित होकर अपने निर्णय खुद ही लेता है।

अगर किसी विषय में उसकी रुचि हो भी जिसमें वह करियर बनाना चाहता हो तो उस विषय में क्या करियर संभावनाएं हैं, इसकी तलाश उसे करनी चाहिए। साथ ही अपने माता-पिता या बड़े भाई-बहन से भी उस पर सलाह लेना जरूरी है। सलाह में फायदे हैं, इसलिए बाद में अपने निर्णय पर पछताना से अच्छा है कि पहले ही अपने घर के वरिष्ठ लोगों से सलाह-मशविरा कर लें।

कॉम्पिटिशन से युवाओं पर भी अपेक्षाओं का बोझ बढ़ा है। बात करियर बनाने की क्यों न हो। आज भले ही संचार माध्यमों में वृद्धि हो गई। इंटरनेट से कोई भी जानकारी का आसानी से जुटाई जा सकती है। युवाओं को यह नहीं भूलना चाहिए कि अनुभव सबसे बड़ी चीज है। अनुभव कोई बाजार में मिलने वाली वस्तु नहीं है।

माता-पिता या परिजनों से ही हमें जीवन के सही मायने समझ में आएंगे। वे जो भी रास्ता दिखाएंगे वह सही होगा। कभी-कभी माता-पिता की अपेक्षाएं भी बच्चों से बढ़ जाती हैं। इन अपेक्षाओं के बोझ तले युवा दब जाते हैं। इससे उनकी जिंदगी निराशा की ओर मुड़ जाती है।

माता-पिता या परिजन भी यह ध्यान रखें कि वे अपने निर्णय युवाओं पर थोप कर उन पर अनावश्यक दबाव न बनाएं। अपने बच्चों की रुचि पहचानकर ही उन्हें भविष्य के लिए कोई सलाह दें और सही करियर चुनने में उनका मार्गदर्शन करें। सही मार्गदर्शन, सही विषय को चुनने के बाद अगर युवा उस पर मेहनत और लगन से पढ़ाई करेंगे तो सफलता मिलेगी।

बाल गीत :

बच्चों को जब गुस्सा आया

जाड़ा आया, जाड़ा आया
शीतल पवन साथ में लाया।
गद्दा उठा अभी बिस्तर से,
फिर रजाई से हाथ मिलाया।
चाय पिलाई अदरक वाली,
केसर वाला दूध पिलाया।
छुपा रखा था पेटी भीतर,
निकला स्वेटर बाहर आया।
धोकर और सुखाकर मां ने,
छुन्नू-मुन्नू को पहनाया।
शीत लहर जब चली भयानक,
पापा ने हीटर जलवाया।
सी-सी करते दादाजी ने,
दादी से टोपा मंगवाया।
इस पर घर के सब बच्चों को,
बड़ों-बड़ों पर गुस्सा आया।
डांट-डांट कर सभी बड़ों को,
बिस्तर के भीतर घुसवाया।

–प्रभुदयाल श्रीवास्तव

विक्की की ईमानदारी

विक्की अपने स्कूल में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह को ले कर बहुत उत्साहित था। वह भी परेड़ में हिस्सा ले रहा था।

दूसरे दिन वह एकदम सुबह जग गया लेकिन घर में अजीब सी शांति थी। वह दादी के कमरे में गया, लेकिन वह दिखाई नहीं पड़ी।

'माँ, दादीजी कहाँ हैं?' उसने पूछा।

'रात को वह बहुत बीमार हो गई थीं। तुम्हारे पिताजी उन्हें अस्पताल ले गए थे, वह अभी वहीं हैं उनकी हालत काफी खराब है।'

विक्की एकाएक उदास हो गया। उसकी माँ ने पूछा, 'क्या तुम मेरे साथ दादी जी को देखने चलोगे? चार बजे मैं अस्पताल जा रही हूँ।'

विक्की अपनी दादी को बहुत प्यार करता था। उसने तुरंत कहा, 'हाँ, मैं आप के साथ चलूँगा।'

वह स्कूल और स्वतंत्रता दिवस के समारोह के बारे में सब कुछ भूल गया। स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बहुत अच्छी तरह संपन्न हो गया। लेकिन प्राचार्य खुश नहीं थे। उन्होंने ध्यान दिया कि बहुत से छात्र आज अनुपस्थित हैं।

उन्होंने दूसरे दिन सभी अध्यापकों को बुलाया और कहा, 'मुझे उन विद्यार्थियों के नामों की सूची चाहिए जो समारोह के दिन अनुपस्थित थे।' आधे घंटे के अंदर सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों की सूची उन की मेज पर थी। कक्षा छे की सूची बहुत लंबी थी। अतः वह पहले उसी तरफ मुड़े।

जैसे ही उन्होंने कक्षा छे में कदम रखे, वहाँ चुप्पी सी छा गई। उन्होंने कठोरतापूर्वक कहा, 'मैंने परसों क्या कहा था?'

'यही कि हम सब को स्वतंत्रता दिवस समारोह में उपस्थित होना चाहिए,' गोलमटोल उषा ने जवाब दिया। 'तब बहुत सारे बच्चे अनुपस्थित क्यों थे?' उन्होंने नामों की सूची हवा में हिलाते हुए पूछा।

फिर उन्होंने अनुपस्थित हुए विद्यार्थियों के नाम पुकारे, उन्हें डाँटा और अपने डंडे से उनकी हथेलियों पर मार लगाई।

'अगर तुम लोग राष्ट्रीय समारोह के प्रति इतने लापरवाह हो तो इसका मतलब यही है कि तुम लोगों को अपनी मातृभूमि से प्यार नहीं है। अगली बार अगर ऐसा हुआ तो मैं तुम सबके नाम स्कूल के रजिस्टर से काट दूँगा।' इतना कह कर वह जाने के लिए मुड़े तभी विक्की आ कर उन के सामने खड़ा हो गया।

'क्या बात है?'

'महोदय, विक्की भयभीत पर दृढ़ था, मैं भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में अनुपस्थित था, पर आप ने मेरा नाम नहीं पुकारा।' कहते हुए विक्की ने अपनी हथेलियाँ प्राचार्य महोदय के सामने फैला दी। सारी कक्षा साँस रोक कर उसे देख रही थी।

प्राचार्य कई क्षणों तक उसे देखते रहे। उनका कठोर चेहरा नर्म हो गया और उन के स्वर में क्रोध गायब हो गया।

'तुम सजा के हकदार नहीं हो, क्योंकि तुम में सच्चाई कहने की हिम्मत है। मैं तुम से कारण नहीं पूछूँगा, लेकिन तुम्हें वचन देना होगा कि अगली बार राष्ट्रीय समारोह को नहीं भूलोगे। अब तुम अपनी सीट पर जाओ।'

विक्की ने जो कुछ किया, इसकी उसे बहुत खुशी थी।

इन पांच तरीकों से होगा बच्चों का दिमाग तेज

केवल परीक्षा के समय ही नहीं बल्कि दिमाग का हर समय सक्रिय होना जरूरी है। इसके लिए आप खानपान से लेकर अन्य कई तरीके भी आजमाते हैं ताकि बच्चों का दिमाग तेज हो और वे हर परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करें। जानिए 5 आसान और प्रभावकारी तरीके, जो दिमाग तेज करने में मदद करते हैं –

1 दिमागी कसरत

दिमाग तेज करने का सबसे प्रभावकारी तरीका है, दिमागी कसरत। इसके लिए, आप बच्चों के साथ कोई दिमागी खेल जैसे-प्रश्नोत्तरी, शब्दकोश भरना या सही विकल्प चुनो खेल सकते हैं। दोस्तों की मदद से इस तरह के खेल खेले जा सकते हैं। यह बच्चे की याददाश्त को बढ़ाने के साथ ही याद रखने की इच्छा भी बनाए रखेगा।

2 नई भाषा

बच्चों को कम उम्र में भी अन्य भाषाओं का ज्ञान होने से उनका दिमाग ऐसे बच्चों की तुलना में तेज चलता है, जो केवल एक ही भाषा जानते हैं। इस तरह से बच्चे में और भी योग्यताएं विकसित होती हैं।

3 खेलकूद

बच्चे खेलकूद में जितने फुर्तीले होते हैं, उनका दिमाग उतना ही तेज और सक्रिय होता है। इस तरह से बच्चों के दिमाग में ऑक्सीजन का प्रवाह भी सही होता है, जो उनके दिमाग के लिए बहुत अच्छा होता है।

4 कलात्मकता

बच्चों का कला के प्रति रूझान दिमाग को विकसित करता है और नई चीजों के सीखने में मदद करता है। इस प्रकार बच्चों की कल्पनाशीलता में भी वृद्धि होती है, और वे बहुआयामी सोच रखते हैं।

5 गणित

जी हां, बचपन से ही बच्चे को गणित का अच्छा अभ्यास होना उसके दिमाग को तेज करने में मदद करता है। यही कारण है कि जिन लोगों की गणित में अधिक रूची होती है, वे अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा बुद्धिमान होते हैं।

ई-बुक नहीं बुक पढ़ें

आधुनिक तकनीक ने जहां एक ओर हमारे जीवन को आसान बना दिया है, वहीं दूसरी ओर इसकी वजह से कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। रात में आईपैड, लैपटॉप या ई-रीडर पर किताबें पढने से नींद की गुणवत्ता कम हो जाती है। इससे सोने के लिए तैयार होने में लगने वाले वक्त और नींद के कुल समय पर नकारात्मक असर पडता है। हाल ही में अमेरिका में हुए इस शोध की प्रमुख एक यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर एना मारिया का कहना है कि इस शोध के लिए कुछ लोगों पर कई हफ्ते तक नजर रखी गई। इसमें से आधे लोगों को रात में सोने से पहले ई-बुक और आधे लोगों को सामान्य किताब पढने के लिए कहा गया।

इसके बाद इन लोगों में नींद वाले हॉर्मोन मेलाटोनिन के स्तर, नींद की गहराई और अगली सुबह उनकी सजगता के स्तर की जांच की गई। शोध में पाया गया कि जो लोग रोज ई-बुक पढ़ते हैं, वे कई घंटे कम सोते हैं और उनमें रैपिड आई मूवमेंट स्लीप का समय भी कम हो जाता है। गौरतलब है कि नींद की इसी अवस्था में यादें संरक्षित होती हैं। इसलिए ज्यादा समय तक ई-बुक पढने से स्मरणशक्ति कमजोर होती है और डिमेंशिया का भी खतरा बढ़ जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर आप पढने की शौकीन हैं तो ई-बुक के बजाय किताबों के साथ वक्त बिताएं। अगर किसी वजह से ई-बुक पढना जरूरी हो तो भी रात में सोने से पहले ई-बुक पढने से बचें।

बच्चों की परवरिश में ध्यान रखनी चाहिए ये बातें

बेटे-बेटी के लालन-पालन में भेद नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार तो यह पाप है। इस संसार की जो पहली पांच संतानें हुई थीं, उनमें से तीन बेटियां थीं। मनु-शतरूपा हिंदू संस्कृति के अनुसार मनुष्यों के पहले माता-पिता थे और उनसे जो मैथुनि सृष्टि निर्मित हुई उसमें दो पुत्र- उत्तानपाद और प्रियव्रत तथा तीन बेटियां -आकुति, देवहुति और प्रसूति ने जन्म लिया था। समझदार माता-पिता अब दोनों को एक जैसा पाल रहे हैं, लेकिन इसी के साथ एक जागरूकता और आनी चाहिए। लालन-पालन में भेद न करें, लेकिन दोनों के सामने जो भविष्य में चुनौतियां आने वाली हैं, उस फर्क को उन्हें जरूर समझाएं। बेटियों को एक दिन बहू बनना है, जो सबसे बड़ी चुनौती है।

इस समय की पढ़ी-लिखी बच्चियां अपने वैवाहिक जीवन के बाद के भविष्य को लेकर थोड़ी चिंतित तो हैं पर फिर भी एक बेफिक्री है कि संबंध नहीं जमा तो तोड़ लेंगे। किंतु उनके मां-बाप के लिए तो यह जीवन-मरण का प्रश्न है, इसलिए बच्चों के लालन-पालन में बेटे-बेटी को यह एहसास जरूर कराया जाए कि स्त्री के लिए क्या मायने हैं ससुराल के। पहला तो बदलाव, दूसरा अपेक्षा और तीसरा अपने ससुराल में आत्मनिर्भर होकर बिना कलह के मार्ग ढूंढ़ना। ये तीन बड़ी चुनौतियां स्त्री के सामने आती हैं। स्त्री जब बहू बनती है तो उसे नए घर में दो बातें नहीं भूलनी चाहिए। योजनाबद्ध तरीके से विनम्रता के साथ सबको जीता जाए। पेट की भूख सही ढंग से यदि मिटा दी जाए, तो दिल जीता जा सकता है, इसलिए अन्न पर माता-बहनों का नियंत्रण किसी भी घर में समाप्त नहीं होना चाहिए। जिस घर में माता-बहनों के हाथ से अन्न का नियंत्रण निकलेगा, उस घर में शांति संदेहास्पद हो जाएगी। इस चुनौती को इसी तरह से समझाया जाए।

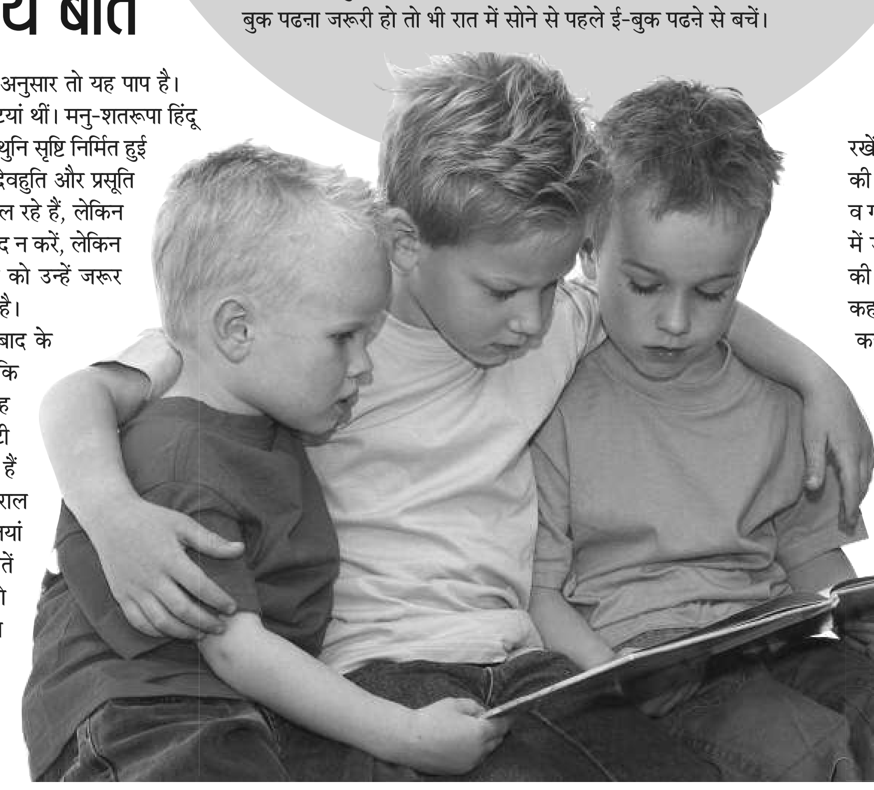

बच्चों की परीक्षा के समय ध्यान रखें ये बातें

कई बार परीक्षा में पेपर देखते ही हम ब्लैंक हो जाते थे। कई शोधों में ये बात सामने आई है कि इसकी वजह अत्यधिक तनाव बढ़ता है। अक्सर टीनएजर्स इस तनाव से गुजरते हैं। वे इसे अपने दोस्तों, माता-पिता और शिक्षकों के सामने मान-प्रतिष्ठा से जोड़कर देखते हैं। परीक्षा के समय में बच्चों से जुड़ी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए...

1. व्यवस्थित बनाएं

उसकी जरूरत की चीजों को उसके पास रखें। सारी चीजें का ढेर न लगा दें। अगर बच्चें की अंग्रेजी की परीक्षा है तो ध्यान रहे उस वक्त व गणित की किताबें न पलटें। टाइमटेबल बनाने में उसकी मदद करें। मैक्स हेल्थकेयर गुड़गांव की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एनी सिमि जॉन कहती हैं उसे एक बार में एक ही काम करने को कहें।

2. ब्रेक लेने के लिए कहें

शोध बताते हैं कि ज्यादा वक्त तक बैठना उपयोगी नहीं होता। लगातार 50 से 90 मिनट तक बैठना सही माना जाता है। अपने बच्चे को हर चार घंटे बाद करीब 15 मिनट का ब्रेक लेने को कहें। यह दिमाग को सूचनाएं याद रखने में मदद करता है। उसे बाहर वॉक करने के लिए कहें। ऑक्सीजन रक्त संचार को बढ़ाता है। फिजिकल एक्टिविटी भी तनाव कम करती है।

3. पावर फूड दें

पढ़ाई के दौरान दिमाग सारे ग्लुकोज का उपभोग कर लेता है। कोलकाता की न्युट्रिशनिस्ट हीना नफीस कहती हैं बच्चे को पढ़ाई के दौरान शरीर को फिर से फ्यूल देना पढ़ता है। उसे ओमेगा थ्री और मेग्नीशियम और आयरन की ज्यादा मात्रा वाला भोजन दें। उसे नट्स, किडनी बीन्स और ताजे फल खाने को दें।

4. समय पर सोने को कहें

जर्मनी में यूनिवर्सिटी ऑफ ल्युबैक की एक रिसर्च के मुताबिक दिमाग नींद के दौरान नई चीजों को स्टोर करता है। इसके लिए 8 घंटे की नींद जरूरी है।

मलयालम फिल्म 'लोका 2' की स्क्रिप्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया अपडेट

पिछले साल मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1' ने दर्शकों को हैरान किया। फिल्म की कहानी वुमन सुपरहीरो चंद्रा पर थी। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने कमाल का कलेक्शन किया। अब इसका दूसरा पार्ट भी बनने वाला है। फिल्म को लेकर लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने अपडेट दिया है।

जल्द शुरू होगी फिल्म की शूटिंग

हाल ही में एक इवेंट में कल्याणी प्रियदर्शन शामिल हुईं। इस दौरान ही एक्ट्रेस ने 'लोका 2' को लेकर बात की। वह कहती हैं, 'फिल्म 'लोका 2' की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। मैं फिल्म का हिस्सा हूं। आप फिल्म का इंतजार करें।'

क्या थी कहानी?

मलयालम फिल्म 'लोका' एक वुमन सुपरहीरो की कहानी थी। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर होती हैं। वह बेंगलुरु में रहने आती है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई की थी।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की छप्परफाड़ कमाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म 'लोका' का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रास 183.96 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को कई एक्ट्रेस से सराहा। इस पहली वुमन सुपरहीरो मूवी कहा।

हॉलीवुड बना फरहान अख्तर का लक्ष्य, 'द बीटल्स' फिल्म में अभिनय को लेकर लगी अटकलें

फरहान अख्तर ने बॉलीवुड में बतौर निर्देशक ही नहीं अभिनेता भी बेहतरीन फिल्में दी हैं। पिछले दिनों वह फिल्म 'डॉन 3' को लेकर में थे, इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं। अब वह हॉलीवुड में डेब्यू को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। खबर है कि वह म्यूजिक बैंड बीटल्स पर बन रही एक फिल्म का वह हिस्सा हो सकते हैं।

फिल्म में निभाएंगे कौन सा किरदार?

डायरेक्टर सैम मेंडेस बड़े स्तर पर एक हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' बना रहे हैं। इसी फिल्म से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होगा। वैरायटी की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म में वह मशहूर भारतीय सितार वादक रवि शंकर का किरदार निभाएंगे।

क्यों खास होगा फरहान अख्तर का किरदार?

बता दें कि सितार वादक रवि शंकर से 'द बीटल्स' म्यूजिक बैंड के जॉर्ज हैरिसन काफी प्रभावित थे। 1960 के दशक में द बीटल्स म्यूजिक बैंड ने इंडियन क्लासिकल म्यूजिक को अपने गानों में शामिल किया था। रवि शंकर और बीटल्स का संगम संगीत जगत की बड़ी घटना बन गई थी। इसी वजह से फिल्म में फरहान अख्तर का रोल अहम हो जाता है।

इन बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं फरहान अख्तर?

फिल्म '120 बहादुर' में पिछले साल फरहान अख्तर नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने अभिनय किया था। इसके अलावा वह फिल्म 'डॉन 3' का निर्देशन भी करेंगे। इसमें पहले रणवीर सिंह लीड रोल में थे लेकिन उन्होंने यह फिल्म छोड़ दी है, ऐसी खबरें सुनने को मिल रही हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी करना चाहते हैं युवराज सिंह की बायोपिक

अपनी आगामी फिल्म ' दो दीवाने सहर में' को लेकर चर्चा में बने अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर अपने उस ड्रीम रोल के बारे में खुलकर बात की है, जो सालों से उनके दिल के बेहद करीब है। जी हाँ, अपने करियर की शुरुआत क्रिकेट पर आधारित वेब सीरीज़ 'इनसाइड एज' से करनेवाले सिद्धांत चतुर्वेदी ने एक बार फिर क्रिकेट की तरफ लौटते हुए भारतीय क्रिकेट के दिग्गज क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने की इच्छा जताई है। बायोपिक के संदर्भ में सिद्धांत कहते हैं, 'मैं वर्ष 2019 से कहता आ रहा हूं और आज भी कहूंगा और कहूंगा, बल्कि इसे मैनिफेस्टभी करता हूँ एक दिन मुझे मशहूर क्रिकेटर युवराज सिंह की बायोपिक करने का मौक़ा मिले। उनकी जर्नी एक रोलरकोस्टर की तरह वाकई अविश्वसनीय रही है। मुझे वे न सिर्फ क्रिकेटर के तौर पर पसंद हैं, बल्कि व्यक्तित्व भी उनका शानदार है।

सलमान खान ने हिट फिल्मों में क्रेडिट मिलने पर कही बड़ी बात

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर ऐसा देखा जाता है कि कलाकारों के बीच फिल्मों के श्रेय लेने की होड़ मची रहती है। कभी पोस्टर पर नाम को लेकर बहस होती है, तो कभी इंटरव्यू में अपनी मेहनत गिनाई जाती है। सफलता मिलने पर ज्यादातर सितारे यह बताने की कोशिश में लग जाते हैं कि फिल्म उन्हीं के दम पर चली। लेकिन सलमान खान इस भीड़ से थोड़े अलग हैं। वे हिट फिल्मों में अपनी भूमिका को कम आंकते नजर आते हैं। ऐसे ही उनका एक पुराना इंटरव्यू सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। एक इंटरव्यू में सलमान ने कहा कि कुछ फिल्मों में उन्होंने बहुत ज्यादा मेहनत नहीं की, फिर भी फैंस ने उनकी काफी तारीफ की और उनके रोल को एवरग्रीन बनाया।

'करण अर्जुन' में नहीं की ज्यादा मेहनत

अपनी बातों को क्लियर करने के लिए उन्होंने अपनी सबसे हिट फिल्मों में से कुछ का उदाहरण दिया। जैसे 'करण अर्जुन' और 'तेरे नाम'। सलमान ने 'करण अर्जुन' की बात करते हुए कहा, 'इस फिल्म में मैंने कोई ज्यादा मेहनत नहीं की थी। फिल्म में बाकी कलाकारों, निर्देशक और पूरी टीम ने जमकर काम किया, लेकिन जब फिल्म सुपरहिट हुई तो सारा क्रेडिट मुझे ही मिलने लगा।'

'तेरे नाम' फिल्म का भी दिया उदाहरण

इसी तरह सलमान खान ने 'तेरे नाम' फिल्म की बात करते हुए कहा, 'इस फिल्म में भी मेरा रोल बहुत साधारण था। न तो डायलॉग्स बहुत ज्यादा थे और न ही एक्टिंग में कोई बड़ा एक्सपेरिमेंट था। इसमें मेरा पहला लुक बैंग्स हेयरकट वाला था और दूसरे लुक में बाल ही नहीं थे। फिल्म में मेरे पास गिनती के ही डायलॉग थे। इसके बावजूद यह फिल्म लोगों के दिलों में बस गई और आज भी उनकी यादगार फिल्मों में गिनी जाती है।' सलमान खान ने 'तेरे नाम' की सफलता का पूरा श्रेय फिल्म की कहानी, निर्देशन, स्क्रीनप्ले और लेखन को दिया।

'बैटल ऑफ गलवां' में नजर आएंगे सलमान

अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित 'बैटल ऑफ गलवां' 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में सलमान खान के साथ चित्रांगदा सिंह प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। यह फिल्म साल 2020 में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई झड़प पर आधारित बताई जा रही है। जहां भारतीय सैनिकों ने बिना किसी हथियार के चीनी सैनिकों का डटकर सामना किया था।

मैं बिग बॉस के इतिहास का सबसे महंगा कंटेस्टेंट

करण कुंद्रा टीवी इंडस्ट्री का जाना-पहचाना नाम हैं। वो काफी लंबे वक्त से इस इंडस्ट्री में बने हुए हैं। मौजूदा वक्त में करण रियलिटी शो 'लॉफ्टर शेफ' के तीसरे सीजन में नजर आ रहे हैं। इस शो में उनकी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड तेजस्वी प्रकाश भी हैं। वहीं करण और तेजस्वी के इस साल शादी करने की भी चर्चाएं हैं। इस बीच अब करण कुंद्रा ने खुलासा किया कि वो बिग बॉस 15 के सबसे महंगे कंटेस्टेंट थे। तब तक बिग बॉस के इतिहास में किसी ने भी उतनी फीस नहीं ली थी।

करण ने मांगी थी मोटी रकम

हाल ही में एल्विश यादव के साथ एक पॉडकास्ट में बिग बॉस 15 के कंटेस्टेंट रहे करण कुंद्रा ने शो की अपनी फीस के बारे में बात की। इसी दौरान उन्होंने ये दावा किया कि उन्होंने इतनी फीस मांगकर इतिहास रच दिया है, जितनी किसी भी प्रतियोगी ने पहले कभी नहीं मांगी थी। जब उनसे उनके अब तक के सबसे बड़े चेक के बारे में पूछा गया, तो करण ने खुलासा करते हुए कहा, 'मेरा सबसे बड़ा पे चेक जो था वो बिग बॉस का ही था। हमने इतिहास उखाड़ दिया था। सही समय पर सही जगह पर रहना वाली स्थिति होगी। 4-5 साल से वो बात तो कर ही रहे थे और उस समय हमारा कोविड खत्म हुआ था। वे ऐसे थे जैसे नहीं करण तो हमें चाहिए। तो मैंने कहा मैं तो थोड़ा गुस्से वाला आदमी हूं। इसलिए मुझे न लीजिए, लेकिन वो फिर भी अड़ गए कि नहीं हमें कोई दिक्कत नहीं। फिर अंत में मैंने मुंह फाड़ा और उनको हां कर दिया। अच्छा खास मुंह फाड़ा था।'

उस समय इतिहास के सबसे महंगे कंटेस्टेंट थे करण

करण ने आगे बताया कि बाद में बिग बॉस वालों ने मुझसे कहा कि जितना तूने मंगा है वो इतिहास में किसी प्रतियोगी ने नहीं मांगा। क्योंकि उस समय के आसपास, मैं कैमरे के पीछे भी था और सह-निर्माता के रूप में भी काम किया था, इसलिए मुझे पता था कि कितना मांगना है। हालांकि, ये सिर्फ करण कुंद्रा की ओर से किया गया दावा है।

बिग बॉस 15 से ही शुरू हुई करण और तेजस्वी की लव स्टोरी

बिग बॉस सीजन 15 में करण कुंद्रा के अलावा शमिता शेट्टी, तेजस्वी प्रकाश, जय भानुशाली जैसे कई टीवी कलाकार और प्रतीक सहजपाल जैसे रियलिटी शो स्टार शामिल थे। शो में तेजस्वी और करण को प्यार हो गया था। तबसे उनकी लव स्टोरी अभी भी चल रही है। बिग बॉस 15 की ट्रॉफी भी तेजस्वी प्रकाश ने ही जीती थी। तब से करण और तेजस्वी एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं और साथ रह रहे हैं। अब ऐसी चर्चाएं हैं कि ये कपल इस साल शादी के बंधन में भी बंध जाएगा।

'इंडस्ट्री में हमेशा सम्मान मिला', सनी लियोनी ने बताया कैसे की 'कैनेडी' की तैयारी

सनी लियोनी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'कैनेडी' को लेकर चर्चाओं में बनी हुई हैं। अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित यह फिल्म जल्द ही ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। यह वही फिल्म है जो 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई थी। फिल्म को कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में काफी सराहना भी मिली है। अब फिल्म भारत में रिलीज को तैयार है। इस बीच बातचीत के दौरान सनी लियोनी ने इस फिल्म, अपने पंद्रह साल के सफर और अपनी बायोग्राफी पर भी चर्चा की।

फिल्म में आपने चार्ली का किरदार निभाया है। कैसा अनुभव रहा?

जब मैं अपने सफर पर नजर डालती हूं तो लगता है कि इतने वर्षों बाद भी 'कैनेडी' मेरे भीतर कहीं न कहीं जिंदा है। मुझे बहुत खुशी है कि यह फिल्म अब ऑडियंस के सामने आने वाली है। मैं इतने समय से इसे अपने भीतर लेकर चल रही थी। अब इसे लोगों तक पहुंचते देखना मेरे लिए बेहद भावुक क्षण है। चार्ली का किरदार अपने आप में एक रहस्य जैसा था। इसमें कई परतें और कई तरह की ऊर्जा थीं। मुझे उसे खुद में उतारना था ताकि वह मेरा हिस्सा बन जाए। निर्देशक अनुराग कश्यप की आवाज और उनका समझाने का तरीका मेरे लिए मार्गदर्शन बनता था। हम रोज काम शुरू करने से पहले पढ़ते और सुनते थे। फिर समझते और कुछ नया खोजते थे।

फिल्म का कौन सा अनुभव सबसे खास रहा?

अनुराग सर ने मुझसे कहा था कि चार्ली की हंसी बिल्कुल वैसी ही चाहिए जैसी वह कल्पना कर रहे हैं। इस हंसी को अपने भीतर लाना मेरे लिए आसान नहीं था। मुझे हर जगह हंसना पड़ता था। कार और लिफ्ट में भी हंसना पड़ता था। सेट पर इतने लोग होते थे कि वे मुझे देखकर सोचते थे कि मैं क्यों हंस रही हूं। कई बार मुझे लगता था कि लोग मुझे पागल समझ रहे होंगे। सच कहूं तो यह बात मुझे और मजेदार लगती थी क्योंकि मुझे मस्ती करना पसंद है और यह चार्ली वाली मस्ती एक अलग तरह की आजादी देती थी। धीरे-धीरे वह हंसी मेरे भीतर बस गई। इससे मैं चार्ली को गहराई से महसूस कर पाई। ये बात मैं कभी भूल नहीं सकती।

क्या अनुराग कश्यप के सामने अपनी बात रखना आसान होता है?

अनुराग कश्यप के साथ काम करते हुए मैं हमेशा सुरक्षित महसूस करती थी। बाहर से लोग सोचते हैं कि वह गंभीर या कठोर होंगे। लोग उनकी फिल्मों या कहानियां देखकर उनके बारे में एक इंटेंस पर्सनालिटी की छवि बना लेते हैं। पर असल में वह बहुत नरमदिल व्यक्ति हैं। उनके सामने बैठकर बात करते समय हमेशा लगता था कि मेरी बात को महत्व मिल रहा है। हर कलाकार को यह एहसास नहीं मिलता कि उसे सुना जा रहा है। उन्होंने मुझे वही बनने दिया जो मैं उस पल बनना चाहती थी। यही वजह है कि उनसे जुड़ा हर अनुभव मेरे दिल में खास जगह रखता है।

जब इस फिल्म को कान फिल्म फेस्टिवल में एंट्री मिली तो पहला रिएक्शन क्या था?

उस वक्त जो खुशी मिली थी उसे शब्दों में नहीं बांधा जा सकता। वहां मुझे एक छोटा सा कागज मिला था, जिसमें मेरी सीट का नंबर लिखा था। वही मेरे लिए सबसे बड़ा अवॉर्ड था। उस टिकट को मैंने आज भी एक किताब के भीतर संभाल कर रखा है। सफलता की सबसे बड़ी परिभाषा क्या है? अवॉर्ड्स कितने मायने रखते हैं?

मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं यहां तक पहुंचूंगी

एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में जब आप दूसरों की सफलताए देखते हैं, तो मन में एक छोटी सी इच्छा उठती है। लगता है कि काश मुझे भी कोई ऐसा अवसर मिले जिसमें मुझे पहचान मिले। यह भावना हर कलाकार के भीतर होती है और मेरे भीतर भी थी। लेकिन मैंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मैं एक दिन यहां बैठकर अपने प्रोजेक्ट के बारे में इस तरह बात करूंगी। 15 वर्ष हो चुके हैं और मैं बहुत खुश हूं कि मैं इस मुकाम पर हूं। मेरे जीवन में ऐसे लोग हैं जो हर कदम पर मुझे ऊपर उठाते हैं और आगे बढ़ने की ताकत देते हैं।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009